आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
8.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.56
सूर्यास्त 05.57

अमृत विचार
बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी 05:01 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082
रविवार, 8 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 75, पृष्ठ 16+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोले- संघ सत्ता की इच्छा नहीं रखता - 13

■ इलेक्ट्रॉनिक्स आईपी के लिए अमेरिका के साथ काम कर रहा भारत : अश्विनी वैष्णव - 14

■ मलेशिया में प्रधानमंत्री मोदी बोले- भारत विकास का भरोसेमंद साझेदार - 15

■ डेविस कप क्वालीफायर में सुमित नागल पहले एकल मुकाबले में हारे - 16

अमेरिका से व्यापार समझौता, भारत के लिए 30,000 अरब डॉलर का बाजार खुला

ट्रंप ने रूस से तेल खरीद पर लगाया गया अतिरिक्त 25% टैरिफ भी हटाया, अब सिर्फ 18 फीसदी शुल्क

● भारत अगले 5 साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद विमान और कलपुर्जे आदि खरीदेगा

नई दिल्ली/वाशिंगटन, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता शनिवार से लागू हो गया। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाएंगे। वहीं, रूस से तेल खरीद पर लगाया गया अतिरिक्त 25% टैरिफ भी अमेरिका ने हटा दिया है। अब भारतीय वस्तुओं पर मौजूदा शुल्क 50% से घटकर 18 प्रतिशत रह जाएगा।

समझौते के तहत भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा। इनमें सूखे अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट शामिल हैं। दोनों देशों के

नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल।

मेक इन इंडिया को मिलेगी मजबूती : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौता किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर खोलकर मेक इन इंडिया को मजबूत करेगा तथा महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार पैदा करेगा। प्रधानमंत्री ने भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों के प्रति अपनी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद भी दिया। मोदी ने कहा, भारत-अमेरिका के लिए बहुत अच्छी खबर। यह रूपरेखा भारत-अमेरिका साझेदारी की बढ़ती गहराई, भरोसे और गतिशीलता को दिखाता है।

इन चीजों पर नहीं लगेगा कोई टैरिफ

चाय, मसाले, कॉफी, नारियल तेल, कोपरा, और वनस्पति मोम जैसे उत्पादों पर अमेरिका में कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा। इसके अलावा, केले, आम, अमरूद, एवोकाडो, कीवी, पपीता, अनानास, मशरूम, जड़ वाली सब्जियां, अनाज, जौ, बेकरी उत्पाद, कोको उत्पाद, तिल, खसखस और खट्टे फलों के रस जैसे कई फल, सब्जियां और कृषि उत्पाद भी बिना किसी शुल्क के अमेरिकी बाजार में पहुंचेंगे। भारत से करीब 13 अरब डॉलर के दवा निर्यात पर भी अमेरिका में शून्य-शुल्क लगेगा। रत्न और आभूषण निर्यात को भी शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, साथ ही कई अन्य उच्च-मूल्य वाले उत्पाद भी इसमें शामिल हैं।

भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

अमेरिका 2021-25 के दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। भारत के कुल निर्यात में अमेरिका का हिस्सा 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और द्विपक्षीय व्यापार में 10.73 प्रतिशत है। 2024-25 में, द्विपक्षीय व्यापार 186 अरब डॉलर (86.5 अरब डॉलर निर्यात और 45.3 अरब डॉलर आयात) तक पहुंच गया। अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष 2024-25 में 41 अरब डॉलर था।

एक संयुक्त बयान के मुताबिक, भारत ने अगले पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान कलपुर्जे, कीमती धातु, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोयला खरीदने का इरादा जताया है। बयान के मुताबिक, अमेरिका और भारत को पारस्परिक और द्विपक्षीय रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के लिए रूपरेखा तैयार करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से रूसी तेल की खरीद पर पिछले वर्ष अगस्त में भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क को हटा दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अंतरिम समझौते से भारतीय निर्यातकों, विशेषकर एमएसएमई, किसानों व मछुआरों के लिए 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर का बाजार खुलेगा। इसका कारण भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क पहले के 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। अमेरिका ने अगस्त, 2025 में रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखने को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगा दिया था। यह पहले से लगाए गए 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क के अलावा था। इस वजह से भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया था। इससे भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ था, क्योंकि अमेरिका उनका सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। शुल्क में कमी से वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबर, जैविक रसायन, गृह सज्जा, हस्तशिल्प उत्पाद जैसे भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों और कुछ मशीनरी के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

(संबंधित कारोबार पेज पर)

अमेरिका ने नक्शा जारी कर पीओके और अक्साई चिन को बताया भारत का हिस्सा

वाशिंगटन, एजेंसी

● व्यापार समझौते के बाद भारतीय मानचित्र को किया शेयर

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क घोषित किया। इसके साथ ही अमेरिकी ट्रेड ऑफिस (यूएसटीआर) ने भारतीय मानचित्र शेयर किया। जिसमें पूरा जम्मू-कश्मीर क्षेत्र, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन (चीन के कब्जे वाला इलाका) हैं, उन्हें भारत का हिस्सा दिखाया गया है।

यह नक्शा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अमेरिका पहले के नक्शों में पीओके को अलग से दिखाता था। अंतर्राष्ट्रीय मंचों और पश्चिमी देशों के सरकारी नक्शों में भी विवादित हिस्सों को अलग रंग या ''डॉटेड लाइन्स'' से दिखाया जाता है। इस बार ट्रंप प्रशासन ने जानबूझकर या अनजाने में एक ऐसा नक्शा शेयर किया जो भारत की सीमाओं को पूरी तरह मान्यता देता है। भारत हमेशा से जम्मू-कश्मीर को अपना अभिन्न अंग मानता आया है।

इसे पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर ट्रंप की खुशामद में लगे हुए हैं। यहां तक कि शहबाज सरकार ने ट्रंप के गाजा पीस बोर्ड में भी शामिल होने का फैसला कर लिया, जिसका पाकिस्तान में ही विरोध हो रहा है।

भारत लंबे समय से बता रहा अपना अंग

भारत लंबे समय से कहता आ रहा है कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख (जिसमें अक्साई चिन शामिल है) और अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग हैं। पाकिस्तान ने 2020 में अपना नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था, जिसमें पीओके, लद्दाख के कुछ हिस्से, जूनागढ़, मनावदार और सर क्रीक को अपना बताया था। भारत ने इसे 'राजनीतिक मूर्खता' करार देते हुए खारिज कर दिया था। अब यूएसटीआर का नक्शा पाकिस्तान के दावों को पूरी तरह नकारता है। वहीं, चीन की तरफ से भी यही स्थिति है। अगस्त 2023 में चीन ने अपना 'स्टैंडर्ड मैप' जारी किया था, जिसमें अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिण तिब्बत' और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बताया गया था।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, प्यार का उत्सव वेलेंटाइन डे व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

संसद को मर्यादित ढंग से चलाने में विश्वास रखती है सरकार : रीजीजू .... (खबर राष्ट्रीय पेज पर)

बुलडोजर चलाकर अवैध मस्जिद की ध्वस्त

संवाददाता, भोजीपुरा/बरेली

अमृत विचार : भोजीपुरा के गांव घंघोरा पिपरिया में सरकारी बंजर भूमि पर अवैध रूप से बनायी गई मस्जिद को तहसील सदर प्रशासन ने बुलडोजर से ढहा दिया। तहसीलदार कोर्ट से बेदखली के आदेश के बाद सिविल कोर्ट फिर जिला न्यायालय से पिछले साल दिसंबर में विपक्षी केस हार गए। तहसील सदर ने कब्जा हटाने को नोटिस दिए। कब्जा नहीं हटाने पर शनिवार को एसडीएम सदर प्रमोद कुमार के नेतृत्व में तहसील सदर की टीम ने पुलिस-पीएसी की मौजूदगी में बुलडोजरों से अवैध कब्जा ढहा दिया। कब्जा ध्वस्त करने के बाद तनाव को देखते हुए मौके पर पीएसी तैनात कर दी है।

एसडीएम सदर के अनुसार पिपरिया गांव में करीब 300 वर्ग गज में बनी मस्जिद गाटा संख्या 1474 ख पर दर्ज बंजर भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई थी। तहसीलदार सदर की कोर्ट ने 2008 में कब्जा हटाने के लिए बेदखली का आदेश जारी किया था। तहसीलदार ने कब्जेदारों पर जुर्माना भी लगाया था। मुस्लिम पक्ष ने सिविल कोर्ट में अपील की, जिसे सिविल कोर्ट ने खारिज करते हुए बेदखली आदेश को बहाल रखा। इसके बाद विपक्षी जिला न्यायालय में अपील में चले गए, लेकिन दिसंबर 2025 में अपील खारिज हो गयी। जिला न्यायालय ने इसे अवैध मानते हुए हटाने के आदेश जारी किए। आदेश के अनुपालन में शनिवार को तहसील प्रशासन ने यह कार्रवाई की। दोपहर करीब 12 बजे से शुरू हुई बुलडोजर की कार्रवाई में एक घंटे में अवैध निर्माण जमीदोंज हो गया। एसडीएम सदर प्रमोद कुमार के साथ तहसीलदार सदर भानु प्रताप, सीओ हाईवे शिवम आशुतोष सिंह के साथ ही भारी संख्या में फोर्स की मौजूदगी रही। गांव में बाहर से आने वाले व्यक्तियों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गयी।

भोजीपुरा में अवैध मस्जिद के ढहाए जाने के बाद मलबा हटाती जेसीबी।

● भोजीपुरा के घंघोरा पिपरिया गांव में सरकारी जमीन पर बनाई गई थी मस्जिद
● कार्रवाई के दौरान पुलिस प्रशासन के अधिकारियों संग पीएसी रही तैनात

बच्चे से योगी बोले- हम भी तेरे दादा ही लगते हैं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/यमकेश्वर

● उत्तराखंड के पैतृक गांव पंचूर में बच्चों के बीच उमड़ा 'महाराज' का बालप्रेम
● सीएम ने सुबह गांव में बड़े-बुजुर्गों से हालचाल पूछा, बच्चों को किया दुलार

अमृत विचार : उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने अपने पैतृक गांव पंचूर में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह गांव के बड़े-बुजुर्गों का हालचाल जाना और बच्चों को दुलार किया। इस दौरान योगी का बालप्रेम उमड़ आया। उन्होंने गांव के बच्चों पर अपना स्नेह बरसाया, उनसे बातचीत की और उन्हें चॉकलेट भी दी। एक बच्चे से बातचीत में बोले कि 'हम भी तेरे दादा ही लगते हैं'।

योगी ने एक बच्चे को अपनी गोद में लेकर उसे प्रेम से खिलाया। बच्चों ने भी सहज भाव से मुख्यमंत्री से बातचीत की। इस दौरान, गांव के लोगों ने योगी के साथ सेल्फी भी ली। वे शनिवार को अपने परिजनों से भी मिले। योगी की विनम्रता, सरलता व सहजता देखकर स्थानीय लोग भी भाव-विभोर हो गए।

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिलांतर्गत यमकेश्वर तहसील स्थित अपने गांव पंचुर में बच्चे को दुलारते मुख्यमंत्री योगी।

संपत्ति घोषणा में चार गुना पीछे हैं आईएएस पीसीएस अफसर

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: आईएएस, आईपीएस और पीसीएस संवर्ग के अधिकारी ही संपत्ति घोषणा में सबसे पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। प्रदेश में सभी कार्मिकों की चल-अचल संपत्ति की मानव संपदा पोर्टल पर घोषणा अनिवार्य किए जाने और वेतन तक रोकने के बावजूद पहले और दूसरे दर्जे के अफसरों की सुस्ती नहीं थमी है। जबकि तीसरे और चौथे दर्जे के कर्मी चार गुना आगे हैं। इसके पीछे की वजह ऑनलाइन ट्रैकिंग से किसी की ओर शिकायत पर कार्रवाई का डर माना जा रहा है। पहले मामले फाइलों में दबे रह जाते थे।

● तीसरे-चौथे दर्जे के कर्मी सबसे आगे ऑनलाइन ट्रैकिंग से बढ़ा डर, पहले फाइलों में दब जाते थे मामले

मुख्यमंत्री योगी की भ्रष्टाचार पर जीरो-टॉलरेंस नीति और मुख्य सचिव एसपी गोयल के सख्त निर्देशों के बावजूद संपत्ति विवरण देने में सर्वाधिक उदासीनता तो प्रशासन व पुलिस विभाग के अधिकारियों ने ही दिखाई है। आंकड़े बताते हैं कि जहां प्रथम श्रेणी (आईएएस-आईपीएस-पीसीएस) के केवल 83 प्रतिशत अधिकारियों ने मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का ब्योरा दर्ज किया, वहीं तृतीय श्रेणी के 96 प्रतिशत कर्मचारियों ने यह प्रक्रिया पूरी कर ली। 31 जनवरी की समय सीमा तक संपत्ति विवरण अपलोड न करने वाले 47 हजार राज्यकर्मियों पर अब अनुशासनात्मक कार्रवाई की तलवार लटक रही है। प्रदेश में 8.65 लाख कर्मचारियों में से यह संख्या भले प्रतिशत में कम लगे, लेकिन प्रशासनिक पदानुक्रम में इसका असर बड़ा है।

ब्योरा न देने वालों की हो सकती है जांच

एक से अधिक वर्षों तक संपत्ति विवरण न देने वाले अफसरों की अलग सूची तैयार हो रही है। वेतन रोकने से आगे बढ़कर विस्तृत जांच भी हो सकती है। यह मुख्यमंत्री योगी की बैठक में तय होगा, जो पिछले सप्ताह में टल गई थी। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट हो जाएगा कि यह सख्ती सिर्फ चेतावनी बनती है या वास्तव में प्रशासनिक संस्कृति में पारदर्शिता का स्थायी बदलाव लाती है।

BRIDAL FEST '26
(4th Feb - 25th Feb)
खास वेडिंग ज्वेलरी
8.9%-10.9%
मेकिंग चार्ज पर
RAM KUMAR
SARAF
CHAUPLA ROAD
BAREILLY | Call : 83940 79574
*T&C Apply

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 8 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

31 मार्च तक चलेगा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0

अमृत विचार, लखनऊ : न्यायालयों में लंबित वादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 का संचालन 1 जनवरी से 31 मार्च तक किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नागरिकों से अभियान में भाग लेकर मध्यस्थता का लाभ उठाने की अपील की है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि जिले के सभी न्यायालयों, पारिवारिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, वाणिज्यिक न्यायालय, उपभोक्ता फोरम सहित विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारण किया जाएगा। मालूम हो कि यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली तथा सर्वोच्च न्यायालय की मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी के तत्वावधान में पूरे देश में चल रहा है।

50 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एसटीएफ ने फरार चल रहे 50 हजार के इनामी गैंगस्टर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अभियुक्त गिरफ्तारी से बचने के लिए हरियाणा में छिप कर रह रहा था। एसटीएफ प्रवक्ता के मुताबिक, गोंडा के थाना परसपुर में गैंगस्टर एक्ट के मामले में अभियुक्त रितिक सिंह उर्फ बिल्लू निवासी गांव कालीपुर पुरवा मधईपुर फरार चल रहा है। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम घोषित था। एसटीएफ के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त रितिक ने बताया कि अपने साथी मलखान, जाकिर, रिजवान, सनी, योगेश और अंकित के साथ मिलकर लक्षनपुरवा डेहरास में बीयर की दुकान को काटकर चोरी की थी। इसके बाद धरमनगर स्थित बीयर की दुकान में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

रेरा ने एजेंटों के लिए लागू की नई व्यवस्था

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) प्रदेश में कार्यरत रियल एस्टेट एजेंटों के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन के सम्बंध में नई संशोधित व्यवस्था लागू की है। फर्म, पार्टनरशिप, एलएलपी अथवा कंपनी के रूप में कार्य कर रहे डायरेक्टर या पार्टनर की जिम्मेदारी होगी कि एजेंट का प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण कराएं। साथ ही सेल अथवा मार्केटिंग से जुड़े एक निश्चित संख्या में कार्मिकों को प्रशिक्षण प्राप्त कर मूल्यांकन प्रक्रिया में सफल होना होगा। उसके बाद ही प्रतिष्ठान द्वारा रेरा में एजेंट पंजीकरण के लिए आवेदन किया जा सकेगा। ऐसे पार्टनर और डायरेक्टर जो दैनिक कार्यों में शामिल नहीं रहते हैं, उन्हें प्रशिक्षण से छूट लेने का प्रावधान किया गया है। सभी सक्रिय निदेशकों, पार्टनर और कार्मिकों को प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा। पहले से पंजीकृत सभी रियल एस्टेट एजेंटों को 31 दिसम्बर 2026 तक प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होगा।

गुजरात की तर्ज पर इस्तीफा लेकर बदले जा सकते हैं मंत्री

योगी मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार जल्द, बदले जा सकते डेढ़ दर्जन मंत्री, व्यापक फेरबदल की तैयारी अंतिम चरण में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर बड़े बदलाव की आहट तेज हो गई है। गुजरात मॉडल की तर्ज पर योगी सरकार 2.0 में दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार और व्यापक फेरबदल की तैयारी अंतिम चरण में मानी जा रही है। करीब डेढ़ दर्जन मंत्रियों को बदले जाने की संभावना है। इसके साथ ही भाजपा संगठन में भी बड़े स्तर पर बदलाव को लेकर दिल्ली में सहमति बन चुकी है। इसी के साथ भाजपा संगठन में भी भारी फेरबदल की तैयारी है। इसे लेकर दिल्ली में सहमति बन गई है।

गुजरात में 2022 विधानसभा चुनाव से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बड़ा दांव खेलते हुए 16 मंत्रियों से इस्तीफा लिया था और नए मंत्रिमंडल में 19 नए चेहरों को शामिल किया गया था। इसका सीधा असर चुनावी नतीजों में दिखा और भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

इसी मॉडल को यूपी में अपनाने की तैयारी मानी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में फिलहाल 54 मंत्री हैं, जबकि संवैधानिक रूप से 60 मंत्रियों की सीमा है। यानी छह पद पहले से खाली हैं। ऐसे में मंत्रिमंडल विस्तार तय माना जा रहा है, लेकिन इस बार संदेश साफ है, सिर्फ विस्तार नहीं बल्कि परफॉर्मेंस के आधार पर बदलाव। पार्टी और संगठन स्तर पर लंबे समय से यह फीडबैक मिल रहा है कि सरकार के कुछ मंत्रियों के कामकाज को लेकर असंतोष है। यह नाराजगी केवल जनता तक सीमित नहीं, बल्कि विधायकों, सांसदों और संगठन के पदाधिकारियों के जरिए भी शीर्ष नेतृत्व तक पहुंची है। आरएसएस और भाजपा के बीच हुई समन्वय बैठकों में भी मंत्रियों की सक्रियता, जनता से जुड़ाव और विभागीय प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे हैं।

सूत्रों का कहना है कि जिन मंत्रियों के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही हैं, उन्हें संगठन या चुनावी मैदान में भेजा जा सकता है। वहीं उनकी जगह ऐसे नए चेहरों को मौका मिलेगा, जो जमीनी पकड़ रखते हों और 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति में फिट बैठते हों। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर दो टाइमलाइन पर विचार चल रहा है, पहली होली से पहले और दूसरी पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद। हालांकि पार्टी के भीतर यह भी संकेत हैं कि खाली पदों के साथ-साथ बड़े बदलाव एक साथ किए जा सकते हैं, ताकि बार-बार फेरबदल का संदेश न जाए।

सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन पर जोर

मंत्रिमंडल विस्तार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन पर खास ध्यान दिया जाएगा। दलित, पिछड़े, ब्राह्मण और महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा पश्चिमी यूपी, बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई क्षेत्र से नए चेहरों को आगे लाने पर भी मंथन चल रहा है। कुछ ऐसे विधायक, जिन्होंने हाल के वर्षों में संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय दिखाया है, उन्हें मंत्री पद मिल सकता है।

भाजपा संगठन में भी होगा बड़ा फेरबदल

केवल सरकार ही नहीं, भाजपा संगठन में भी बदलाव तय माने जा रहे हैं। जिलों से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक कई पदों पर नए चेहरों को लाने की तैयारी है। सभी मोर्चे में कमान बदली जा सकती है। दिल्ली में हुई बैठकों में यह सहमति बनी है कि सरकार और संगठन दोनों में एक साथ बदलाव कर चुनावी मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय किया जाए।

आठ मेडिकल कॉलेजों में प्राचार्य की नियुक्त को मांगे आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में आठ कॉलेजों में प्राचार्य की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। यह आवेदन 6 मार्च 2026 तक, समस्त प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय में पंजीकृत डाक द्वारा उपलब्ध कराना होगा। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय के अपर निदेशक द्वारा कानपुर देहात, कुशीनगर, बिजनौर, सुल्तानपुर, सोनभ गोंडा, अमेठी और बुलंदशहर मेडिकल कॉलेजों में प्राचार्य की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। आवेदक अभ्यर्थियों की उम्र 50 साल से लेकर 62 साल के मध्य होनी चाहिए।

आईबी अफसर बनकर गांठता था रौब, गिरफ्तार

विभागों में अवैध कार्य कराने का बना रहा था दबाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसटीएफ ने आईबी और एनएसए के फर्जी कार्ड किए बरामद

आरोपी मनोज चौहान

अमृत विचार: इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के फर्जी डिप्टी डायरेक्टर को एसटीएफ ने बिजनौर से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से आईबी और एनएसए दिल्ली के फर्जी कार्ड बरामद किए गए हैं। आरोप है कि गिरफ्तार अभियुक्त मनोज चौहान खुद को आईबी का अफसर बताकर पुलिस और प्रशासन के अफसरों पर अवैध कार्य कराने का दवाब बना रहा था।

एसटीएफ प्रवक्ता के मुताबिक, सूचना मिली कि पिछले कुछ दिनों से मनोज चौहान नामक व्यक्ति खुद को आईबी का डिप्टी डायरेक्टर बता कर बिजनौर में घूम रहा है। वह पुलिस, राजस्व और शिक्षा समेत अन्य विभागों के अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों तक को फोन कर अवैध कार्य कराने का दबाव बनाता है। सभी से खुद को आईबी का डिप्टी डायरेक्टर बनाकर ही मुलाकात भी करता है। वह सफेद रंग की इंगनिस कार लेकर चलता है।

एसटीएफ ने दिल्ली स्थित इंटेलीजेंस विभाग में संपर्क किया तो पता चला कि बिजनौर में किसी भी अधिकारी की तैनाती नहीं की गई है। इसके बाद एसटीएफ के एडीशनल एसपी ब्रजेश कुमार सिंह ने टीम के साथ बिजनौर में डेरा डाल दिया। शुक्रवार की रात को उन्हें पता चला कि कथित आईबी अधिकारी बिजनौर के कस्बा धामपुर स्थित साकेत बिहार कालोनी में है। एसटीएफ ने जाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पहले तो उसने एसटीएफ को भी दबाव में लेने का प्रयास किया, लेकिन एक नहीं चली। उसके गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो वह टूट गया। उसने अपना नाम मनोज चौहान पुत्र नरेन्द्र सिंह चौहान निवासी त्रिलोकवाला, थाना नगीना बताया। मौजूदा समय में वह कस्बा धामपुर के मोहल्ला साकेत बिहार कालोनी में रह रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से दो मोबाइल, आईबी और एनएसए दिल्ली के दो फर्जी परिचय पत्र और एक कार यूपी 20 सीएच 6789 को बरामद किया है। एसटीएफ ने थाना धामपुर में मुकदमा कायम कर गिरफ्तार कर लिया।

शीतलहर व विक्षोभ का असर खत्म

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मौसम ने करवट ले ली है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से हुई बारिश और तेज हवाओं के बाद अब प्रदेश में शीतलहर का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में मौसम सामान्य रहेगा और तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी।

शनिवार को प्रदेश के कई हिस्सों में पछुआ हवाएं चलती रहीं। धूप निकलने के बावजूद हवा में ठंडक बनी रही, लेकिन सुबह और शाम की गलन पहले के मुकाबले काफी कम महसूस की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, प्रदेश में कोहरे का प्रभाव लगभग खत्म हो चुका है। उन्होंने बताया कि अगले दो से तीन दिनों तक प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं बन रहा है, जिससे तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी संभव है। रविवार को भी तेज हवाएं चलने के आसार हैं। हालांकि, मौसम शुष्क बना रहेगा और दिन में धूप खिली रहेगी। इससे दिन के तापमान में हल्की बढ़त देखने को मिलेगी।

लखनऊ : बसपा मुख्यालय में आयोजित बैठक में पदाधिकारियों का अभिवादन करतीं पार्टी प्रमुख मायावती, साथ में आकाश आनंद।

भाजपा सरकार में अधिकांश वर्ग पीड़ित

- विधानसभा उप चुनाव को लेकर बसपा की प्रदेशस्तरीय बैठक को मायावती ने किया संबोधित

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार में गिने-चुने लोगों को छोड़कर समाज का अधिकांश वर्ग, विशेषकर बहुजन समाज, उपेक्षा, असुरक्षा एवं महंगाई से पीड़ित है। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी दल बसपा को कमजोर करने के लिए षड्यंत्र कर रहे हैं, लेकिन पार्टी गरीबों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और सर्वसमाज के हितों को केंद्र में रखकर पूरी मजबूती से चुनावी मैदान में उतरेगी।

बसपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में उप्र. राज्य के प्रदेश, जिला व विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों को संबोधित कर रही थी। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर बुलाई गयी अहम बैठक में उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों को ध्यान में रखते हुए पार्टी संगठन को और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक संगठनात्मक फेरबदल किए जाएंगे। सरकार से आमजन के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव के लिए समय बहुत कम बचा है। 'एसआईआर की वजह से पार्टी का काम प्रभावित हुआ है। अब उन कार्यों को पूरा किया जाएगा ताकि चुनाव को लेकर संगठन मजबूत और तय चुनावी रणनीति पर अमल किया जा सके।

पौड़ी गढ़वाल स्थित गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय में किया पौधरोपण

अमृत विचार, लखनऊ/पौड़ी गढ़वाल : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने उत्तराखंड प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को पौड़ी गढ़वाल जिले के बिथ्याणी (यमकेश्वर) स्थित गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय परिसर में आम का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और हरित भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। इस अवसर पर 127 गढ़वाल इन्फेंट्री बटालियन के जवानों ने 'भारत माता की जय' के नारों के साथ कार्यक्रम स्थल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। मुख्यमंत्री ने परिसर का निरीक्षण किया और शैक्षणिक व आधारभूत सुविधाओं की जानकारी ली।

बड़ी संख्या में पकड़े गए बिजली चोर, राहत लेने को तैयार नहीं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रदेश में ओटीएस योजना की सुस्त रफ्तार, 12 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने ही कराया पंजीकरण
- योजना का तीसरा चरण शुरू बकायेदारों से वसूली के लिए विभाग ने कसी कमर

अमृत विचार: प्रदेश में बिजली चोरी सहित बकायेदारों से बिल की वसूली के मामलों के निपटारे के लिए शुरू की गई एकमुश्त समाधान योजना पॉवर कॉरपोरेशन की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। करोड़ों रुपये की छूट और मुकदमेबाजी से राहत के बावजूद प्रदेश भर में बिजली चोरी में पकड़े गए उपभोक्ता योजना से दूरी बनाए हुए हैं। अब तक केवल 12 प्रतिशत पात्र उपभोक्ताओं ने ही ओटीएस के तहत पंजीकरण कराया है, जिससे बिजली विभाग की रणनीति पर सवाल खड़े हो गए हैं।

ऊर्जा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी-26 तक बिजली चोरी के कुल 6.26 लाख मामले ओटीएस के लिए पात्र थे। इन मामलों में करीब 26,367.23 करोड़ रुपये की आंकी गई देनदारी और 1,560.80 करोड़ रुपये के कंपाउंडिंग चार्ज शामिल हैं। वहीं योजना लागू होने के बाद अब तक सिर्फ 75,277 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया, जबकि 51,557 मामलों का ही पूर्ण निस्तारण हो सका है। योजना के तहत अब तक 188.38 करोड़ रुपये की वसूली की जा सकी है। इसमें 149.63 करोड़ रुपये बकाया राशि और 38.75 करोड़ रुपये कंपाउंडिंग चार्ज से प्राप्त हुए हैं। इसके बदले बिजली कंपनियों ने 108.35 करोड़ रुपये की राशि माफ की है। 3 जनवरी को एक दिन में सर्वाधिक 4.57 करोड़ रुपये की वसूली दर्ज की गई थी, लेकिन इसके बाद राजस्व वसूली की रफ्तार सुस्त पड़ गई। कॉरपोरेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसे कम भागीदारी को गंभीर संरचनात्मक समस्या बताया। उनका कहना है कि यह स्थिति बताती है है कि विभाग की ओर से की जाने वाली कार्रवाई को उपभोक्ता गंभीरता से नहीं ले रहे है। या फिर बड़ी संख्या में उपभोक्ता अब भी औपचारिक बिलिंग व्यवस्था से बाहर हैं। वहीं यूपीपीसीएल के निदेशक (वाणिज्य) प्रशांत वर्मा ने कहा ने कहा कि बिजली चोरी में पकड़े गए उपभोक्ताओं की सीमित भागीदारी के कारणों का विश्लेषण किया जाएगा। फिलहाल हमारा फोकस सामान्य बकाया राशि की वसूली पर है।

उपभोक्ताओं ने योजना से बनाई दूरी

ओटीएस योजना को लाखों बकायेदार उपभोक्ताओं से राजस्व वसूली के उद्देश्य से तीन चरणों में लागू किया गया था। पहला और दूसरा चरण समाप्त हो चुका है, लेकिन अपेक्षित भागीदारी नहीं मिली। अब तीसरे चरण की शुरुआत हो चुकी है, जिसके साथ ही विभाग ने रुख सख्त कर लिया है।

डिस्कॉम-वार स्थिति

पंजीकरण के मामले में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम 24,773 से अधिक मामलों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम में 24,033 से ज्यादा पंजीकरण दर्ज हुए हैं। प्रतिशत के लिहाज से पूर्वांचल सबसे आगे है, जहां 15 .3 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया। वहीं कानपुर की केस्को में महज 8 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने ही पंजीकरण कराया।

योजना के खत्म होने के बाद होगी कार्रवाई

बिजली चोरी जैसे गंभीर अपराध पर राहत देने के बावजूद उपभोक्ताओं की उदासीनता के चलते विभाग की ओर से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कम पंजीकरण को देखते हुए बिजली विभाग ने संबंधित अधिकारियों को कनेक्शन काटने, कुर्की और अन्य कड़ी कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं।

मुठभेड़ : 127 दिनों में 19 बदमाश ढेर

हत्या, लूट व फिरौती के लिए कुख्यात बदमाश रहे पुलिस-एसटीएफ के निशाने पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बीते दिनों लखनऊ, बिजनौर समेत कुछ जिलों में बदमाशों ने लूट की वारदातों को अंजाम देकर जमकर दहशत फैलाई, वहीं पुलिस और एसटीएफ भी बदमाशों को ढेर करने में पीछे नहीं रही। 3 फरवरी को एसटीएफ ने बनारस में एक लाख के इनामी बनारसी यादव और 6 फरवरी को पुलिस ने शामली में दिल्ली निवासी 50 हजार के इनामी बदमाश रिहान को ढेर कर दिया। यह दो मामले तो बानगी भर हैं। दरअसल पिछले 127 दिन में पुलिस ने बदमाशों की दहशतगर्दी के खात्मे के लिए ताबड़तोड़ एनकाउंटर किए। 28 सितंबर-2025 से छह फरवरी-2026 तक पुलिस और एसटीएफ ने मिलकर 19 बदमाशों को ढेर कर दिया। हालांकि इन मुठभेड़ों में दर्जन भर पुलिस के जवान भी घायल हुए।

प्रदेश में भाजपा सरकार आई तो क्राइम को लेकर जीरो टालरेंस की नीति पर पुलिस ने काम करना शुरू कर दिया। इसके लिए एनकाउंटर का एक चलन सा शुरू हो गया। हालांकि एनकाउंटर के खिलाफ विपक्षी दल आवाज उठाते रहे हैं। बीते दिनों एक संवैधानिक संस्था ने भी इसके खिलाफ तल्ख टिप्पणी कर डाली। इससे एक बारगी लगा कि एनकाउंटर को लेकर पुलिस बैकफुट पर आ सकती है। लेकिन हुआ इसके ठीक विपरीत। पुलिस और एसटीएफ का एनकाउंटर अभियान जारी रहा। तीन फरवरी को एक लाख के इनामी कथित सुपारी किलर बनारसी यादव को ढेर कर दिया, वहीं छह फरवरी को दिल्ली से सटे यूपी के शामली में भी पुलिस ने 50 हजार के इनामी बदमाश रिहान को भी मौत की नींद सुला दिया। बनारसी यादव अन्य जघन्य मुकद्मों के साथ ही कोलोनाइजर महेन्द्र गौतम की हत्या का अभियुक्त था, जबकि रिहान के खिलाफ 80 मुकदमे दर्ज थे। हालांकि यह दो मामले तो बानगी भर हैं। पुलिस और एसटीएफ का रिकार्ड खंगाले तो पिछले 127 दिनों में 19 कुख्यात अपराधियों को एनकाउंटर ढेर किया गया है।

> एनकाउंटर को आम तौर पर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ को ही कहा जाता है। पूर्व में आईपीसी और अब बीएनएस में भी पुलिस को आत्मरक्षा का अधिकार है। कभी- कभी आत्मरक्षा करते समय ही बदमाश ढेर हो जाते हैं, वहीं पुलिस कर्मी भी हताहत होते हैं। जब एनकाउंटर में कोई बड़ा बदमाश ढेर होता है तो जनता में सुरक्षा का अहसास पैदा होता है। जनता पुलिस की हीरोज्म की छवि को पसंद करती है। हालांकि यह अलग बात है कि इसके कानूनी पहलू कुछ भी हो सकते हैं।
>
> -सुनील कुमार गुप्ता, पूर्व अपर पुलिस महानिदेशक, यूपी

इनके हुए एनकाउंटर

28 सितंबर-25 को मुजफ्फरनगर में नईम कुरैशी और तीन अक्टूबर को मेहताब को ढेर कर दिया गया। इसी तरह पांच अक्टूबर को फिरोजाबाद में नरेश पंडित और सहारनपुर में इमरान को पुलिस ने मौत की नींद सुला दिया था। नौ अक्टूबर को बरेली में कुख्यात बदमाश शैतान का एनकाउंटर कर दिया, वहीं 12 अक्टूबर लखनऊ पुलिस ने एक लाख के इनामी मोहम्मद नफीस और 13 अक्टूबर को मेरठ पुलिस ने शहजाद उर्फ निक्की को ढेर कर दिया। शामली में 18 अक्टूबर एक लाख के इनामी नफीस को, जबकि 23 अक्टूबर को शामली में ही फैसल को मौत की नींद सुला दिया। 12 दिसंबर को शामली पुलिस ने समयदीन और दो दिसंबर को बाबरिया गिरोह के सरगना मिथुन एनकाउंटर में मारे गए। 21 दिसंबर को बुलंदशहर में जुबैर और सहारनपुर में एक लाख के इनामी सिराज को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। पांच जनवरी 26 को सुल्तानपुर में एक लाख का इनामी तालिब को मार गिराया गया, वहीं 23 जनवरी को चित्रकूट में कारोबारी बेटे की 40 लाख की फिरौती के लिए हत्या करने वाले बदमाश कल्लू को ढेर कर दिया। तीन फरवरी को एक लाख के इनामी कुख्यात बनारसी यादव और छह फरवरी को शामली में रिहान के अलावा दो बदमाशों को भी पुलिस ने अन्य मुठभेड़ में मार गिराया।

Shri Ram Murti Smarak Trust

SRMS

The Chairman & Members of the Board of Governors

Welcome

Prof. (Dr.) Jai Prakash Pandey
Hon'ble Vice Chancellor
Dr. APJAK Technical University, Lucknow
Presiding Officer

Prof. (Dr.) Pradeep K. Joshi
Chairman
National Testing Agency
New Delhi
Chief Guest

Er. Puja Srivastava
Scientist / Engineer - G
Space Applications Centre, ISRO, Ahmedabad
Alumna, SRMS CET (Batch - 1996)
Guest of Honour

on the occasion of

XXV CONVOCATION

of

B.Tech. | M.Tech. | B.Pharm. | M.Pharm. | MBA | MCA | BA LLB

Shri Ram Murti Smarak College of Engineering & Technology, Bareilly
Shri Ram Murti Smarak College of Engineering, Technology & Research, Bareilly
Shri Ram Murti Smarak International Business School, Unnao
Shri Ram Murti Smarak College of Law, Bareilly

Sunday, February 8, 2026 | 10:30 AM Onwards

Venue : Shri Ram Murti Centennial Auditorium, SRMSCET Campus, Ram Murti Puram, 13 Km. Bareilly-Nainital Road, Bareilly (U.P.)

न्यूज ब्रीफ

रिपोर्ट दर्ज कराने को कांग्रेसियों ने थाना घेरा

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की कथित आपत्तिजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करने पर कांग्रेसियों में खासा गुस्सा है। जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लखनऊ के हुसैनगंज थाने का घेराव किया और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि बीते दिनों सरोजनी नगर के भाजपा समर्थित लोगों द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की अपमानजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की गई थी।

बांदा में सुतली बम हाथ में फटने से व्यक्ति की मौत

बांदा,एजेंसी : जिले के बदौसा थाना क्षेत्र में बागै नदी में मछली पकड़ने गए एक व्यक्ति के हाथ में सुतली बम फटने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। बदौसा के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि शुक्रवार को थाना क्षेत्र के भदावल गांव में बागै नदी में मछली पकड़ने गए रज्जन केवट (45) के हाथ में देशी सुतली बम फट गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष सश्रम जेल की सजा

मेरठ, एजेंसी : जिले की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष ने शनिववार को बताया कि वर्ष 2024 में लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया था कि उसके पड़ोस में रहने वाले जाहिद उर्फ गुल्लू ने उसकी करीब 10 वर्षीया बेटी के साथ दुष्कर्म किया और घटना की शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी थी।

पति की लाइसेंसी राइफल से गोली मारी, मौत

कौशांबी,एजेंसी : जिले के पश्चिम शरीरा थानाक्षेत्र में एक महिला ने शनिवार सुबह अपने पति की लाइसेंसी राइफल से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार थानाक्षेत्र के पूरब शरीरा गांव निवासी संगीता देवी (42) पत्नी करण सिंह ने आज सुबह अपने पति की लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मार ली। पुलिस के अनुसार करण सिंह परिजनों के साथ उसे जिला अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सेना के जवान की हत्या में दो आरोपी गिरफ्तार

हाथरस, एजेंसी : जिले के सादाबाद कोतवाली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-93 पर सेना के एक जवान की हत्या के मामले में शनिवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जवान ने आरोपियों के परिवार की एक महिला से कथित तौर पर प्रेम विवाह किया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी बॉबी और राजा सादाबाद पुलिस थाना क्षेत्र के समदपुर गांव के निवासी हैं। उन्हें कुरसंदा मोड़ पर गोरी गोपाल ढाबा के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उनके पास से दो देसी पिस्तौल, कारतूस, खोखे और अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई एक कार बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पुरानी रंजिश की वजह से हत्या को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के हवाले से बताया कि जवान ने उनके परिवार की एक महिला से प्रेम विवाह कर लिया था, जिसके कारण उन्हें सामाजिक अपमान और नाराजगी का सामना करना पड़ा, और इसी वजह से उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

मृत कर्मचारी के सेवाप्राप्त अधिकार उसकी मृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते

पारिवारिक पेंशन,अन्य अंतिम लाभ मृतक कर्मचारी की संपत्ति का हिस्सा:हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मृत कर्मचारी की विधवा के पारिवारिक पेंशन के दावे को एकल न्यायाधीश द्वारा खारिज करने के मामले में स्पष्ट किया कि मृत कर्मचारी के सेवाप्राप्त अधिकार उसकी मृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते और उसका कानूनी प्रतिनिधि पारिवारिक पेंशन सहित अंतिम देय राशि का दावा करने का हकदार होता है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने डीएवी इंटर कॉलेज, प्रयागराज के एक सेवानिवृत्त सहायक शिक्षक त्रिलोक नाथ तिवारी की विधवा माधुरी तिवारी द्वारा दाखिल विशेष

● कोर्ट ने एकल न्यायाधीश का आदेश रद्द किया

अपील को स्वीकार करते हुए पारित किया।

अपील एकल न्यायाधीश के उस आदेश के खिलाफ दाखिल की गई थी, जिसमें अपीलकर्ता की रिट याचिका यह कहते हुए खारिज की गई थी कि कर्मचारी की विधवा को अपने दिवंगत पति के सेवा लाभों के पुनरीक्षण की मांग करने का अधिकार नहीं है और याचिका विलंब से दाखिल की गई है। इस प्रकार के तर्क का खंडन करते हुए कोर्ट ने कहा कि पारिवारिक पेंशन और अन्य अंतिम लाभ मृतक कर्मचारी की संपत्ति का हिस्सा होते हैं, जिन पर उसके कानूनी वारिसों का अधिकार होता है और उन्हें प्राप्त करने के लिए वे दावा कर सकते हैं।

चूंकि अपीलकर्ता की विधवा होने की स्थिति विवादित नहीं थी, इसलिए यह कहना कि उसे दावा करने का अधिकार नहीं है, स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण है।तथ्यों का अवलोकन करने पर कोर्ट ने यह भी पाया कि क्षेत्रीय नियमितीकरण समिति पहले ही दिवंगत सहायक शिक्षक के नियमितीकरण की तिथि संशोधित कर चुकी थी और उस निर्णय पर विभागीय स्तर पर कार्रवाई भी की गई थी। ऐसे में विधवा का दावा कोई नया दावा नहीं, बल्कि पहले से लिए गए निर्णय के अनुपालन की मांग थी।

इसके अलावा विलंब के प्रश्न पर भी कोर्ट ने आपत्ति खारिज करते हुए कहा कि जब नियमितीकरण का आदेश पहले ही जारी हो चुका था और धन संबंधी दावा विचाराधीन था, तो परिणामी लाभों की मांग को विलंबित नहीं माना जा सकता।अंत में कोर्ट ने एकल न्यायाधीश का आदेश रद्द करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे क्षेत्रीय नियमितीकरण समिति के प्रस्ताव के आधार पर सभी परिणामी लाभों पर एक तर्कसंगत आदेश पारित करें और एक माह के भीतर यथाशीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर ट्रक ने 6 यात्रियों को रौंदा, स्वेटर से हुई पहचान

मथुरा, एजेंसी

यमुना एक्सप्रेसवे पर एक कंटेनर ट्रक के बस से टकरा जाने से छह लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना मथुरा जिले के सुरीर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात दो बजकर 45 मिनट पर हुई। सुरीर पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अजय कुमार ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब नोएडा से कानपुर जा रही एक बस को बीच में एक यात्री के शौचालय जाने के कारण रोका गया था। उन्होंने बताया कि एक कंटेनर ने बस को बगल से टक्कर मार दी, जिससे बस से उतरकर सड़क पर खड़े छह लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त बस।

● बस से उतरकर सड़क किनारे खड़े थे यात्री, सभी के चेहरे कुचले, स्वेटर से पहचान

गया। हादसे में यात्रियों के चेहरे कुचल जाने से उनकी पहचान स्वेटर से की गई। जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने बताया कि सभी मृतकों और घायलों के परिजनों को नियमानुसार सहायता मुहैया कराई जाएगी। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान औरैया निवासी सोनू (32), बस्ती निवासी देवेश (32), कन्नौज निवासी असलम (27), दिल्ली निवासी संतोष (45), औरैया निवासी अनुराग (27) और फिरोजाबाद निवासी प्रमोद (35) शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान औरैया निवासी शिवकांत दुबे (46) के रूप में हुई है। जिलाधिकारी ने बताया शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद फरार हुए ट्रक चालक की तलाश जारी है। शेष यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजा जा रहा है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

25 हजार का इनामी अक्षय कदम महाराष्ट्र से गिरफ्तार

शाहजहांपुर,अमृत विचार : तिलहर पुलिस 25 हजार रुपये का इनामी अक्षय कदम की तलाश में महाराष्ट्र गयी थी। पुलिस ने उसे महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीमें महाराष्ट्र से शाहजहांपुर के लिए आरोपी इनामी को लेकर चल दी है। पुलिस को उसकी बारे में सूचना मिली थी। बता दे कि 19 दिसंबर को तिलहर क्षेत्र में नगरिया मोड़ पर स्थित भाजपा नेता दिवाकर सिंह के होटल की घटना है। तिलहर कस्बे के अक्षय कदम और योगेश कदम आदि ने भाजपा नेता के होटल में तोड़फोड़ और मारपीट की थी। आरोपियों ने पुलिस कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और धक्का मुक्की की थी। आरोप था गार्ड को कार में डालने का प्रयास किया था। इस घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए थे।

यूपी नीट पीजी काउंसिलिंग में 1533 सीटों पर मिलेगा प्रवेश

लखनऊ, अमृत विचार : यूपी नीट पीजी-2025 की तीसरी काउंसिलिंग में प्रदेश के सरकारी व निजी कुल 70 मेडिकल कॉलेजों की रिक्त 1533 पीजी सीटों को शामिल किया गया है। मेरिट सूची के आधार पर चिकित्सक अभ्यर्थियों को मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक द्वारा कॉलेजों के रिक्त सीटों की मेट्रिक्स सार्वजनिक कर दी गई है। जारी मेट्रिक्स के अनुसार 34 सरकारी समेत 70 मेडिकल कॉलेजों में एमडी-एमएस की 1458 सीटें और डीएनबी की 75 सीटों सार्वजनिक की गई हैं। इनमें एनेस्थिसिया, ईएनटी, मेडिसिन, माइक्रोबॉयोलॉजी, आर्थो, मानसिक रोग विभाग, रेडियोलॉजी और सर्जरी विभाग की सीटें शामिल हैं। अभ्यर्थियों को 11 फरवरी तक प्राथमिकताएं देनी होंगी, तत्पश्चात सीट आवंटन परिणाम घोषित किए जाएंगे। 17 फरवरी तक प्रवेश की प्रक्रिया कॉलेज स्तर पर संपन्न की जाएगी।

बच्चों के शारीरिक,मानसिक विकास को उन्हें मोबाइल फोन से दूर रखें : बबीता चौहान

लखनऊ,एजेंसी

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने शनिवार को कहा कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए उन्हें मोबाइल फोन से दूर रखना बेहद जरूरी है। चौहान ने इस बात पर बल दिया कि ये उपकरण बच्चों को बचपन जीने से रोक रहे हैं।

गाजियाबाद जिले में तीन नाबालिग बहनों के कथित तौर पर आत्महत्या करने की घटना सामने आने के मद्देनजर चौहान का यह बयान काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गाजियाबाद में तीन बहनों निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) ने मंगलवार देर रात टीला मोड़ थाना क्षेत्र स्थित भारत सिटी सोसाइटी की नौवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी थी।

पुलिस की जांच में पता चला है कि तीनों बहनें एक ऑनलाइन कोरियाई गेम की आदी थीं जिसमें कई तरह के कार्य शामिल थे।

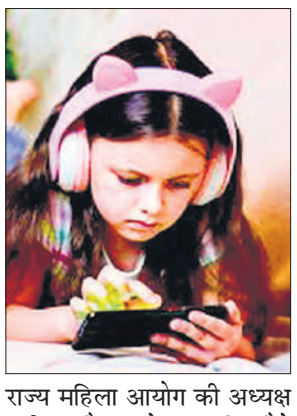

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने कहा कि मैंने जिलाधिकारियों को लिखे एक पत्र में कहा है कि पांचवीं कक्षा तक के छात्रों को गृहकार्य और परियोजना कार्य मोबाइल फोन पर नहीं भेजे जाने चाहिए, क्योंकि बच्चों को यह नहीं पता होता कि उन्हें मोबाइल फोन पर कितना समय बिताना चाहिए।

मेरा मानना है कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए उन्हें मोबाइल फोन से दूर रखना जरूरी है। उन्होंने

मैंने जिलाधिकारियों को लिखे एक पत्र में कहा है कि पांचवीं कक्षा तक के छात्रों को गृहकार्य और परियोजना कार्य मोबाइल फोन पर नहीं भेजे जाने चाहिए। – **बबीता चौहान**, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अध्यक्ष।

कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान कक्षाओं में भाग लेने और असाइनमेंट प्राप्त करने के लिए मोबाइल फोन आवश्यक थे, लेकिन अब स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

चौहान ने इस बात पर बल दिया कि छात्र पहले अपना गृह कार्य डायरी में लिखते थे, और इस प्रथा को फिर से शुरू किया जाना चाहिए। इस विधि से माता-पिता और बच्चे दोनों अपने काम को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। उन्होंने कहा कि जब बच्चे अपना गृह कार्य लिखते हैं तो उनमें जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है।

पंचायत ने युवती से छेड़छाड़ के आरोपी को लगवाए पांच जूते

संभल,अमृत विचार: थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र में पंचायत के तुगलकी फरमान का मामला सामने आया है। युवती से छेड़छाड़ के आरोपी युवक को पांच जूते मरवाए गए। युवती द्वारा युवक को जूता मारने का वीडियो वायरल हो रहा है।

एक गांव निवासी युवती ने युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। युवती के परिजन युवक पर कार्रवाई के लिए थाने पहुंचे थे। थाने से लौटने के बाद पंचायत बैठी। पंचायत में यह तय किया गया कि आरोपी युवक को युवती के हाथों पांच जूते लगवाए जाएंगे। इसके बाद सार्वजनिक रूप से युवती से युवक को जूते लगवाए गए। इस पूरी घटना का वीडियो किसी ने बना लिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

बदायूं में कंटीले करंटयुक्त तार से बंदर की मौत, पूर्व विधायक पर रिपोर्ट

संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी से विधायक रहे हाजी मुसर्रत अली उर्फ हाजी बिट्टन पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की गई है। उनके सहसवान के मोहल्ला शहबाजपुर स्थित कार्यालय की चारदीवारी पर लगे प्रतिबंधित तारों में फंसकर एक बंदर की मौत होने पर पीपल्स फॉर एनिमल्स संस्था के अध्यक्ष व पशु प्रेमी विकेंद्र शर्मा ने मामला दर्ज कराया है। हाजी बिट्टन वर्तमान में समाजवादी पार्टी में हैं।

शहर के मोहल्ला कल्याण नगर निवासी विकेंद्र शर्मा ने तहरीर देकर बताया कि सहसवान नगर के मोहल्ला शहबाजपुर स्थित पूर्व सिनेमा हॉल में पूर्व विधायक हाजी बिट्टन का कार्यालय है। जिसकी चारदीवारी पर प्रतिबंधित ब्लेड वाले तार लगे हुए हैं। जिसमें कथित तौर पर अवैध रूप से करंट छोड़ा गया है। 6 फरवरी दोपहर लगभग चार बजे

मौत के बाद तार पर लटका बंदर का शव।

● बंदर की मौत के बाद पशु प्रेमी की ओर से दी गई थी तहरीर

राष्ट्रीय बजरंग दल संगठन के नगर अध्यक्ष गौरव मौर्य ने उन्हें सूचना दी कि तारों में फंसकर एक बंदर की मौत हो गई है।

तारों में करंट आ रहा था। घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने पूर्व विधायक पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। विकेंद्र शर्मा ने बताया कि शासन के सख्त निर्देश के बाद भी प्रतिबंधित तारों को प्रयोग में लाया जा रहा है। पुलिस की अनदेखी की वजह से बेजुबानों की मौत हो रही हैं।

सड़क दुर्घटना में धू-धू कर जली बाइक, दो की जान गई

संवाददाता, बिजुआ (खीरी)

अमृत विचार: भीरा थाना क्षेत्र में शनिवार की रात लखीमपुर-भीरा राजमार्ग पर नब्बूपुरवा गांव के पास किसी वाहन की टक्कर से एक बाइक में आग लग गई, जिससे बाइक धू-धू कर जल उठी। घायल बाइक सवार दो लोगों की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

हादसे में घायल हुए युवकों की पहचान भीरा थाना क्षेत्र के ग्राम तिखड़ा निवासी गया प्रसाद (55) और अक्षय कुमार (28) पुत्र परागी निवासी दाउदपुर क्रेसर के रूप में हुई है। दोनों युवक बाइक से मजदूरी करने जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार रात नब्बूपुरवा गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक दूर जा गिरे और बाइक में आग लग गई। कुछ ही पलों में बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना के बाद राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। पड़रिया तुला चौकी इंचार्ज दीपक तिवारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से बिजुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया और कड़ी मशक्कत के बाद यातायात सुचारू कराया। बिजुआ सीएचसी पहुंचने पर चिकित्सकों ने दोनों घायलों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पड़रिया तुला चौकी इंचार्ज दीपक तिवारी ने बताया कि हादसे की सूचना पर तत्काल कार्रवाई की गई थी। अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि फरार वाहन और चालक का पता लगाया जा सके।

होमगार्ड्स के मृतक आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति में राहत

लखनऊ, अमृत विचार : होमगार्ड्स एवं अवैतनिक होमगार्ड्स अधिकारियों-कर्मियों के मृतक आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में बड़ी राहत दी गई है। अब ऐसे पात्र आश्रितों को शारीरिक अहर्ता (लंबाई) में दो सेंटीमीटर की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट पुलिस विभाग के समान लागू होगी। राज्य सरकार ने यह निर्णय न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में लिया गया है। इसके तहत सेवाकाल में मृत्यु होने अथवा स्थायी रूप से दिव्यांग होने की स्थिति में पात्र आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के समय शारीरिक मानकों में यह विशेष छूट दी जाएगी। इस संबंध में होमगार्ड्स विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह ने महासमादेष्टा, होमगार्ड्स उत्तर प्रदेश को आवश्यक आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश जारी होने के बाद अब विभागीय स्तर पर अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े मामलों में यह छूट प्रभावी मानी जाएगी।

बीडा क्षेत्र के विकास को 23,590 एकड़ भूमि का अधिग्रहण

संवाददाता, लखनऊ

● बीईएमएल कंपनी का 600 करोड़ निवेश का प्रस्ताव, औद्योगिक गतिविधियों को मिलेगी गति

अमृत विचार : बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र के विकास के लिए 23,590 एकड़ भूमि का अधिग्रहण अंतिम दौर में है। इसके साथ ही सरकार ने कुल 56,662 एकड़ भूमि को औद्योगिक विकास के लिए औपचारिक रूप से अनुमोदित कर दिया है। यह फैसला भूमि अधिग्रहण तक सीमित नहीं है, बल्कि बुंदेलखंड के आर्थिक और सामाजिक कायाकल्प की नींव के रूप में देखा जा रहा है।

योगी सरकार का लक्ष्य है कि वर्षों से पिछड़े माने जाने वाले इस क्षेत्र को निवेश, रोजगार और औद्योगिक अवसरों का नया केंद्र बनाया जाए। इस औद्योगिक पहल का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) ने बीडा क्षेत्र में लगभग 600 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। इस परियोजना से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, जिससे स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे और पलायन पर प्रभावी रोक लगेगी। इसके तहत सड़क, बिजली, जलापूर्ति, औद्योगिक प्लॉट्स, वेयरहाउसिंग और कनेक्टिविटी जैसी आधारभूत संरचनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि निवेशकों को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का वास्तविक अनुभव मिल सके। बीडा परियोजना का लाभ बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं रहेगा।

बदलाव | पर्यटक पूरे साल बर्ड वाचिंग के लिए पहुंच रहे नैनीताल, पंगोट और विनायक क्षेत्र को नयना देवी हिमालयन बर्ड कंजरवेशन किया घोषित

बर्ड वाचिंग में भी वर्ड मैप पर पहचान बना रहा नैनीताल

गौरव जोशी, नैनीताल

अमृत विचार: पर्यटन के क्षेत्र में अपनी खास पहचान बना चुका नैनीताल अब 'बर्ड वाचिंग' के क्षेत्र में भी 'वर्ड मैप' विश्व में अपनी पहचान बना रहा हैं। ऐसे में वन विभाग ने नैनीताल के पंगोट, विनायक क्षेत्र को नयना देवी हिमालयन बर्ड कंजरवेशन घोषित कर रखा है। इसके बाद से देश विदेश से पक्षी प्रेमी यहां आ कर पक्षियों का दीदार कर रहे हैं।

दिलचस्प इतिहास यह है कि आजादी से पूर्व प्रसिद्ध अंग्रेज शिकारी व पर्यावरणविद् जिम कार्बेट ने नैनीताल के किलबरी-पंगोट-विनायक क्षेत्र में पक्षियों की विविध आकर्षक प्रजातियां देखीं थीं। इसके बाद जिम कार्बेट ने ही इस क्षेत्र को पक्षी संरक्षित क्षेत्र घोषित करके इसे विकसित करने की मांग सबसे पहले उठाई। वक्त गुजरने के साथ नैनीताल वन प्रभाग ने पंगोट किलबारी क्षेत्र को नयना देवी हिमालयन बर्ड वाचिग सेंचुरी घोषित कर दिया। इसी के बाद से लगातार क्षेत्र में देश-दुनिया के बर्ड-लवर्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है। नैनीताल में स्थापित नयना देवी हिमालयन बर्ड वाचिग सेंचुरी उत्तराखंड की चौथी और सबसे बडी बर्ड वाचिग सेन्चुरी है। यहां पक्षियों को देखने के साथ ही उन पर शोध व अनुसंधान भी हो रहे हैं।

क्षेत्रीय बर्ड वाचर अमित का मानना हैं कि नैनीताल में बढ़ रही बर्ड वाचिंग की संभावना से स्थानीय युवाओं को आर्थिक व रोजगार का फायदा होने के साथ साथ वन संरक्षण व पर्यटन गतिविधियों से अपनी आर्थिकी और मजबूत कर सकेंगे। साथ ही बर्ड वाचिंग, ट्रेकिंग, नेचर ट्रेल की संख्या भी बढ़ेगी।

1876 में अंतिम बार विलुप्त हो चुके पक्षी प्रजाति हिमालयी काला तीतर (हिमालयन क्वेल) को भी यहां देखा गया था। –**पद्मश्री अनूप शाह**, मशहूर फोटोग्राफर

यहां 700 से अधिक पक्षियों की प्रजाति है मौजूद

नैनीताल के किलबरी व पंगोट क्षेत्र की अपनी शीतोष्ण जलवायु है। कोसी घाटी से लेकर नैना रेंज के ऊंचे पहाड़ों तक विस्तृत ऊंचाई के फैलाव के कारण इस जलवायु में पाई जाने वाली चिड़ियों, वन्य जीवों व जैव विविधता की उपलब्धता के लिहाज से उत्तर भारत में अलग पहचान हैं। नैनीताल के निकटवर्ती होने की वजह से भी दुनिया की जानी-मानी बर्ड वाचिंग साइट्स में इसका नाम है।

आकर्षक और दुर्लभ पक्षियों की प्रजातियों में रेड हैडेड वल्चर

आकर्षक और दुर्लभ पक्षियों की प्रजातियों में रेड हैडेड वल्चर, ग्रेड स्पॉटेड ईगल, ईस्टर्न इम्प्रिल ईगल, ग्रे क्राउन प्रिरीनिया, ब्लेक क्रिस्टेड टिट, ग्रीन क्राउन वाबलर व विस्टलर वार्बलर, ब्लेक लोर्ड टिट, एशियन पैराडाइज फ्लाई कैचर, अल्ट्रामैरीन फ्लाई कैचर, वर्डिटर फ्लाई कैचर, लॉन्ग टेल्ड मिनीविट, ह्वाइट कैप्ड रेडस्टार्ट, ओरिएंटल ह्वाइट आई, हिमालयन वुडपीकर व रसेट स्पैरो आदि पक्षी हैं। ये अन्य जगह देखने को कम मिलते हैं।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 8 फरवरी 2026

बरेली देहात

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

धारदार हथियार से किसान की हत्या

बरसीम काटने गये थे, शाम तक नहीं पहुंचे घर, शनिवार सुबह गन्ने के खेत में मिला शव

संवाददाता,शेरगढ़

अमृत विचार : खेत पर बरसीम काटने गए किसान की धारदार हथियार से गर्दन और पैरों में ताबड़तोड़ बार कर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम को भेजा है। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा और सीओ बहेड़ी डॉ अरूण कुमार सिंह ने भी घटना स्थल का मौका मुआयना किया।

मृतक किसान।

थाना शेरगढ़ के गांव डूंगरपुर देहात निवासी किसान रामदास (60 वर्ष) पुत्र बांकेलाल शुक्रवार को दोपहर गांव के निकट खेत पर बरसीम काटने गए थे। देर शाम तक वापस घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उन्हें फोन किया लेकिन संपर्क नहीं हो सका। परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों के साथ गांव के इर्द-गिर्द व जंगल में खोजबीन की। लेकिन किसान का कोई सुराग नहीं लग सका। शनिवार सुबह परिजनों को गांव के निकट सागौन के खेत में बरसीम का बोरा और पास में गन्ने के खेत में किसान का शव पड़ा मिला। शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। क्षेत्र में हत्या की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भी जुड़ गई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार,वरिष्ठ उप निरीक्षक आदित्य गौरव श्रीवास्तव,इंस्पेक्टर क्राइम सत्य सिंह,उपनिरीक्षक अख्तर अली पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। मृतक किसान कोतवाली देवरनिया के गांव रहपुरा घनश्याम का रहने वाला था। जो तकरीबन 50 वर्ष पूर्व परिवार सहित अपनी ननिहाल थाना क्षेत्र शेरगढ़ के गांव डूंगरपुर देहात में आकर बस गया था। मृतक के चार बेटियां एक बेटा है। एक बेटी सुमन अभी अविवाहित है। जो स्नातक उत्तीर्ण है। घटना से मृतक की पत्नी मुन्नी देवी और बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है। मृतक के पुत्र मोहित ने किसी भी रंजिश से इनकार किया है। यह भी बताया जा रहा है कि 20 वर्ष पूर्व किसान रामदास का खेत की मेड़ के निकास को लेकर गांव के एक व्यक्ति से विवाद हो गया था। जिसमें दो पक्षों के बीच मारपीट में उसे धारदार हथियार से घायल कर दिया गया था हालांकि उक्त मामले में अभियोग पहले ही फाइनल हो चुका है।

मौके पर जुटी महिलाओं की भीड़, रोता बिलखता परिवार। ● अमृत विचार

मामले में मृतक किसान के पुत्र मोहित की ओर से अज्ञात के खिलाफ मामला पंजीकृत कराया गया है। मामले के खुलासे को एसओजी को भी लगाया गया है। शोकाकुल माहौल में मृतक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

आवारा पशुओं ने चौपट की फसल, सदमे से किसान की मौत

सिरौली, अमृत विचार : अपनी तैयार फसल को आवारा पशुओं द्वारा पूरी तरह चर लेने से सदमे में आए किसान को आए हार्टअटैक से मौत हो गई। नगर के मोहल्ला साहूकारा के रामसेवक कश्यप (50)शुक्रवार शाम अपनी फसल को आवारा पशुओं से सुरक्षित करने गए थे । जब वह खेत पर पहुंचे तब उनकी पांच बीघा गेहूं की तैयार फसल ही आवारा पशु चर गए । यह सदमा वह बर्दाश्त नहीं कर सके और उनकी खेत पर ही हालत बिगड़ गई और बेहोश होकर खेत पर ही गिर गए। अन्य लोगों ने उनके घर सूचना दी देखा वह खेत पर बेहोशी हालत में पड़े हैं उन्हें उपचार हेतु आनन फानन में शाहबाद ले जाया गया वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर बताया कि उन्हें हार्ट अटैक हो गया। रामसेवक खेती के अलावा दिल्ली में रहकर मजदूरी कर अपने परिवार की आजीविका चलाते थे उनके छोटे पांच बच्चे हैं । इस घटना के बाद परिवार का रो रोकर बुला हाल है। लोगों ने मृतक परिवार को उचित मुआवजा देने और आवारा पशुओं को गौशाला में छुड़वाने की मांग की है।

पिकअप ई-रिक्शा की आमने सामने भिड़ंत, मौत

संवाददाता, आंवला

मृतक वसीम।

अमृत विचार : मनौना धाम आंवला रोड पर शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार वाहनों की आमने-सामने की टक्कर में ई-रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई, तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

शुक्रवार की रात ई-रिक्शा आंवला रेलवे स्टेशन से मनौना धाम की ओर जा रहा था। तभी मनौना धाम की ओर से आ रही पिकअप से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ई-रिक्शा चालक वसीम पुत्र नईम (35) निवासी मोहल्ला भूर्जी टोला, आंवला की मौके पर ही मौत हो गई। ई-रिक्शा में सवार सत्यजीत, लक्ष्मी एवं अंगद गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी आंवला भिजवाया गया। मृतक की असमय मौत से परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

विवाहिता से छीने कुंडल

आंवला अमृत विचार। पति के साथ बाइक से ससुराल जा रही एक विवाहिता से बाइक सवारों ने कुंडल छीन लिए और फरार हो गये। पीडित दम्पति ने पुलिस को शिकायत दी है।

सिरौली के गांव दलीपुर निवासी विजय सिंह ने बताया कि उनकी बेटी संगीता की शादी नवंबर 2025 में बदायूं जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव पुसगवां निवासी अनिल कुमार के साथ हुई थी। दो दिन पूर्व एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए संगीता अपने पति के साथ मायके आई हुई थी। शनिवार शाम चार बजे दोनों बाइक से दलीपुर महमूदपुर होते हुए अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवारों ने हूटिंग शुरू कर दी। दामाद द्वारा बाइक धीमी करते ही उक्त बाइक सवारों ने दलीपुर और महमूदपुर गांव के बीच बाइक रुकवा ली और संगीता के कानों से सोने के कुंडल निकालकर फरार हो गए। घटना की सूचना पर डायल 112 और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ नितिन कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

पति पर लगाया चारित्रिक हनन करने का आरोप

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचार: थाना नवाबगंज क्षेत्र की एक विवाहिता ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि उसका पति उस पर बिना वजह शक करता है और सोशल मीडिया के जरिए अश्लील व धमकी भरे कमेंट कर उसकी सामाजिक छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है।

पीड़िता के अनुसार पति उसे लगातार चरित्रहीन बताकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है और सार्वजनिक रूप से अपमानित करने का प्रयास करता है। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के चलते उसे सामाजिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता के उत्पीड़न पर सात पर मुकदमा

आंवला, अमृत विचार : दहेज की मांग को लेकर विवाहिता का उत्पीड़न करने के मामले में पुलिस ने ससुराल पक्ष के सात लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दर्ज मुकदमे में साहिब, साबिर, अफसाना, अमित, सदीक, अफजाल और शब्बर निवासी कस्बा आंवला को आरोपी बनाया है।

किशोर के साथ दुष्कर्म के दो आरोपी भेजे जेल

शीशगढ़,अमृत विचार : एक किशोर के साथ दुष्कर्म करने वाले कस्बे के तीन आरोपितों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कस्बे के ही एक मोहल्ला निवासी किशोर ने मोहल्ले के ही किशोर के साथ खेलता रहता था। गुरुवार शाम को पीड़ित किशोर को उसके तीनों साथी बहाने से जंगल मे ले गए और उसके साथ बारी बारी से दुष्कर्म किया। पीड़ित के गुप्तांग में पीड़ा होने पर उसने स्वजनों को आपबीती सुनाई। पीड़ित किशोर के पिता की तहरीर के बाद शनिवार को पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जांच में पाया कट बन रहा हादसे का कारण, खुला रखना खतरे से खाली नहीं

- फतेहगंज पश्चिमी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर राधा कृष्ण मंदिर के पास कट का एनएचएआई टीम ने किया मुआयना
- कुछ दिन पहले पीएमओ कार्यालय में भी हुई थी शिकायत, अब कट बंद करने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली/ फतेहगंज पश्चिमी

राधा-कृष्ण मंदिर कट का निरीक्षण करती एनएचएआई की टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर राधा कृष्ण मंदिर के पास कट पर लगातार हादसे हो रहे हैं। गुरुवार को बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की जान चली गई थी। कस्बे के छात्र असद अंसारी ने मामले की शिकायत पीएमओ कार्यालय में की तो अफसरों की नींद टूटी। शनिवार को एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची और कट का मुआयना किया। टीम ने पाया कि यह कट लगातार हादसों का कारण बन रहा है और इसे खुला रखना आमजन के लिए खतरे से खाली नहीं।

जांच में सामने आया कि शिकायत पर इससे पहले केवल एएनए कॉलेज कट को बंद किया गया था, जबकि राधा कृष्ण मंदिर के पास के कट की ओर ध्यान नहीं दिया गया। यही लापरवाही कई जानलेवा हादसों की वजह बनी। चौकी प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि उन्होंने पहले भी कट को बंद करने की सिफारिश की थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। गुरुवार की घटना और पीएमओ तक शिकायत के बाद ही एनएचएआई की टीम सक्रिय हुई। टीम ने कट को पूरी तरह बंद करने और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया। इधर, स्थानीय लोगों ने निरीक्षण के बाद राहत की सांस ली है। उम्मीद जताई है कि यदि यह कट समय रहते बंद कर दिया गया तो भविष्य में होने वाले हादसों पर लगाम लग सकेगी। लोगों में गुस्सा इस बात को लेकर है कि लापरवाही और सुस्त सिस्टम के चलते हादसों में कई लोग जान गंवा चुके हैं। टीम में सहायक पेट्रोलियम अधिकारी महेंद्र पुनिया, अशोक कुमार और चौकी प्रभारी अनूप सिंह शामिल थे।

छात्रा से घर में घुसकर की छेड़छाड़, सिर फोड़ा

रिठौरा। कस्बे की स्नातक की छात्रा की मां पड़ोस में दूध लेने गयी थी। छात्रा घर में अकेली थी। इतने में एक पड़ोसी रिश्तेदार घर में घुसा उसके साथ जोर-जबरदस्ती की कोशिश की जिससे छात्रा के कपड़े भी फट गये। विरोध करने पर हताश युवक ने उसका सिर फोड़ दिया।और मौका पाकर फरार हो गया। पीड़ित पिता ने थाना हाफिजगंज में मामले की लिखित शिकायत की है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र रजत शर्मा पुत्रवधू राजकुमारी कश्यप को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **सीमा देवी पत्नी शिवनन्दन शर्मा निवासी ग्राम फूलपुर डुन्डाशुमाली थाना तह. बहेड़ी, जिला बरेली**

परिचय सम्मेलन

श्री अग्रवाल सभा कल्याण सोसायटी (रजि.) बरेली द्वारा आयोजित अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन दिनांक 17-18 मार्च 2026 शीघ्र पंजीयन करायें। सम्पर्क :- 9897181723, 9412466473, 9927047430, 9412048528, 9927833351, 9927324855

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की श्रीमती अमिता गुप्ता पुत्री स्व.ब्रजेश कुमार गुप्ता 4.12.2016 से लापता है, को अंतिम सूचना दी जा रही है की अन्दर मियाद के अनुसार स्वयं या किसी मार्फत अपनी उपस्थिति की जानकारी दें, अन्दर मियाद के बाद कोई भी हक, अधिकार, स्वामित्व, आदि सूचना दाता की सम्पति पर स्वत: समाप्त माना जायेगा और सूचनादाता एकल समस्त सम्पति का अधिकारी होगा। **विश्व मोहन गुप्ता, 739 शिवनगर, मढ़ीनाथ जिला बरेली।**

सूचना

मेरे हाईस्कूल की सनद में त्रुटिवश मेरा नाम शकीब उद्दीन पुत्र खलीक उद्दीन (SHAQEEV UDDIN S/O KHALIK UDDIN) जो कि गलत है। जबकि मेरे आधार कार्ड व पेन कार्ड में नाम शकीब उद्दीन पुत्र खलीक उद्दीन (SHAQEEB UDDIN S/O KHALEEK UDDEEN) दर्ज है जो सही है, कृपया सही नाम दर्ज किया जावे। शकीब उद्दीन पुत्र खलीक उद्दीन निवासी जामा मस्जिद 123 मोहल्ला मिर्धान कस्बा व तहसील फरीदपुर जिला बरेली।

बिकाऊ है
225 गज मकान
कॉर्नर का पूर्वमुखी
आशीष रॉयलपार्क फेस-2,
इच्छुक व्यक्ति ही संपर्क करें- बरेली
मो. 9897211014

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार
MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
100000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग
श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा,
शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

न्यूज डायरी

सम्पूर्णता अभियान के दौरान सभी लक्ष्य पूरे करने के निर्देश

बहेड़ी, अमृत विचार : एकीकृत बाल विकास योजना की बैठक में सम्पूर्णता अभियान के दौरान सभी लक्ष्य पूरे करने की हिदायत दी गई। सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को लक्ष्य पूरा करने का संकल्प दिलाया गया। ब्लॉक दमखोदा में हुई बैठक में 6 माह से लेकर 6 वर्ष तक के सभी बच्चों का रजिस्ट्रेशन करने और छूटे बच्चों का इसी अभियान में रजिस्ट्रेशन जरूरी बताया है। बैठक में कहा गया कि अभियान के दौरान सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर पेयजल और शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

मेधावियों को किया सम्मानित

भमोरा, अमृत विचार : सर्वोदय जन कल्याण इंटर कॉलेज के वार्षिकोत्सव पर हाईस्कूल और इंटर के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। शिक्षक एमएलसी हरि सिंह ढिल्लो ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। बिथरी विधायक डा. राघवेन्द्र शर्मा और बदायूं सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने भी छात्रों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में तुबा खान,डिंपल मौर्य,रिया सोमवंशी,अनन्या मौर्य,सादिया खान हाई स्कूल के कोमल व शेखर राठौर को पुरस्कृत किया। एमएलसी ने कहा शिक्षा भय मुक्त होनी चाहिए। बच्चों द्वारा देश भक्ति गीत सांस्कृतिक कार्यक्रम,देश भक्ति नाटक प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारंभ एमडी हरिओम गुप्ता ने किया। इस दौरान संयुक्त शिक्षा निदेशक राकेश कुमार, सह जिला विद्यालय निरीक्षक गिरीश चंद्र यादव,जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत कुमार के साथ ब्लॉक प्रमुख वेद प्रकाश यादव सहित समस्त स्टाफ भी मौजूद रहा।

वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने रंगाराम कार्यक्रम पेश किये

क्योलडिया, अमृत विचार : ग्राम पंचायत भौआ बाजार में एस आर पब्लिक स्कूल में हुए वार्षिकोत्सव का शुभारंभ भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने किया। कहा कि बच्चों में पढ़ने के ललक ही उनको आगे ले जाएगी सभी अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा ग्रहण अवश्य कराए। इस दौरान छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए इस दौरान प्रबंधक रोहतास गंगवार ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया इस दौरान प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार, प्रधान दीपू, राहुल, मनीष राठौर, शिवानी राठौर, प्रधानाचार्य रामकृष्ण गंगवार, शिखा गंगवार, मदनलाल, इंद्रपाल, मुन्नालाल प्रमोद कुमार, बीना देवी, रिंकी यादव, कीर्ति गंगवार, शिव कुमार, गीता देवी, जुगल किशोर आदि मौजूद रहे।

टिसुआ चौराहे पर हटाया गया अतिक्रमण, दुकानदार परेशान

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : एन एच ए आई ने टिसुआ चौराहे पर शनिवार को अतिक्रमण हटाया। एनएचएआई के आरपीओ उज्ज्वल झा ने बताया कि संबंधित दुकानदारों को लगभग एक माह पूर्व ही नोटिस देकर अपना सामान स्वयं हटाने के निर्देश दे दिए गए थे। शनिवार को क्रेन की सहायता से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। बताया कि यहां फ्लाईओवर निर्माण की तैयारी चल रही है, इस वजह से क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है। दुकानदारों ने चिंता जताई कि होली नजदीक है और ऐसे समय में दुकानें हटने से उनके सामने परिवार के पालन-पोषण की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।

शीशगढ़ में सुल्तानपुर सरकारी स्कूल से सामान चोरी, मुकदमा दर्ज

मानपुर, अमृत विचार :थाना शीशगढ़ के ग्राम सुल्तानपुर के एक सरकारी स्कूल से बीती रात अज्ञात चोर लाखों रुपए का समान चुरा ले गए। प्रधानाध्यापक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकद्दमा दर्ज किया है। ग्राम सुल्तानपुर के पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक कविंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती रात अज्ञात चोर ने स्कूल में ऑफिस की खिड़की पर लगी सरिया को काट कर स्कूल से एक इन्वर्टर, छै बैट्री, एक एलसीडी व एक गैस सिलेंडर चुरा ले गए। चोरी की जानकारी स्कूल खोलने पर हुई। प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र सिंह ने बताया कि मुकद्दमा दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
लखीमपुर खीरी

पत्रांक 315 /16ए/ई–टेण्डर/2025–26 दिनांक 02.02.2026

ई–प्रक्योरमेण्ट सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में ''मार्ग निर्माण कार्यो'' हेतु ''ए, बी, सी, डी'' श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
1	प्रा.ख.खीरी	करनपुर खजुआ से ढकिया सम्पर्क मार्ग	4.80	0.48	856.00	02 Month
2	प्रा.ख.खीरी	औरंगाबाद से कस्ता सम्पर्क मार्ग	7.60	0.76	856.00	02 Month
3	प्रा.ख.खीरी	पीबी मार्ग के किमी0–88 से बॉये ढाकनपुरवा सम्पर्क मार्ग	1.30	0.13	856.00	02 Month
4	प्रा.ख.खीरी	रुजानपुर सम्पर्क मार्ग	1.60	0.16	856.00	02 Month
5	प्रा.ख.खीरी	गनेशपुर सुभाषनगर किमी 0–14से पिपरिया सम्पर्क मार्ग	10.70	1.07	856.00	02 Month
6	प्रा.ख.खीरी	गनेशपुर सुभाषनगर किमी0–21 मैनी सम्पर्क मार्ग	13.20	1.32	856.00	02 Month
7	प्रा.ख.खीरी	कुम्भी चीनी मिले दन्नापुर सम्पर्क मार्ग ।	13.70	1.37	856.00	02 Month
8	प्रा.ख.खीरी	.सीतापुर कैनाल पटरी (अ0जि0मा0)के किमी0–3 बॉये रामपुर सम्पर्क मार्ग के किमी0–1से हेमपुर सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71	856.00	02 Month
9	प्रा.ख.खीरी	कस्ता–ममरी मार्ग के किमी0–16से जमुनिया सम्पर्क मार्ग	4.20	0.42	856.00	02 Month
10	प्रा.ख.खीरी	भगतपुर सम्पर्क मार्ग	16.20	1.62	856.00	02 Month
11	प्रा.ख.खीरी	भम्मापुर सम्पर्क मार्ग	11.90	1.19	856.00	02 Month
12	प्रा.ख.खीरी	जनकपुर सम्पर्क मार्ग	4.80	0.48	856.00	02 Month
13	प्रा.ख.खीरी	बॉसबेरिया सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71	856.00	02 Month
14	प्रा.ख.खीरी	काशीपुर सम्पर्क मार्ग	19.60	1.96	856.00	02 Month
15	प्रा.ख.खीरी	परेली सम्पर्क मार्ग	15.40	1.54	856.00	02 Month
16	प्रा.ख.खीरी	बरगदिया सम्पर्क मार्ग	1.20	0.12	856.00	02 Month
17	प्रा.ख.खीरी	पी0बी0मार्ग के किकमी0–89 से बोझिया सम्पर्क मार्ग के किमी0–1से चौरिया सम्पर्क मार्ग	8.30	0.83	856.00	02 Month
18	प्रा.ख.खीरी	पी0बी0मार्ग (एन0एच0–730) के किमी0–87 से डाटपुर सम्पर्क मार्ग के किमी0 –1 से मौठीखेडा सम्पर्क मार्ग	11.30	1.13	856.00	02 Month
19	प्रा.ख.खीरी	ममरी पडसर वाया रोशनगर मार्ग (अ0जि0मा0)के किमी0–2से बॉये तल्फीपुर सम्पर्क मार्ग	11.90	1.19	856.00	02 Month
20	प्रा.ख.खीरी	ममरी पडसर वाया रोशनगर मार्ग (अ0जि0मा0)के किमी0–2बाबागंज सम्पर्क मार्ग	8.30	0.83	856.00	02 Month
21	प्रा.ख.खीरी	ममरी` हैदराबाद सम्पर्क मार्ग	10.90	1.09	856.00	02 Month
22	प्रा.ख.खीरी	पी0बी0मार्ग (एन0एच0730) के किमी0–96 से मनिकापुर सम्पर्क मार्ग	10.10	1.01	856.00	02 Month
23	प्रा.ख.खीरी	घरथनिया ककरहा मार्ग के किमी0–10से नन्दलालपुर सम्पर्क मार्ग	15.40	1.54	856.00	02 Month
24	प्रा.ख.खीरी	नंगापुर सम्पर्क मार्ग	9.50	0.95	856.00	02 Month
25	प्रा.ख.खीरी	बबागंज सम्पर्क मार्ग	3.60	0.36	856.00	02 Month
26	प्रा.ख.खीरी	गजियापुर बडी सम्पर्क मार्ग	6.50	0.65	856.00	02 Month
27	प्रा.ख.खीरी	ढकिया सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71	856.00	02 Month
28	प्रा.ख.खीरी	बलारपुर सम्पर्क मार्ग	8.30	0.83	856.00	02 Month
29	प्रा.ख.खीरी	झाले नक्षत्र सिंह सम्पर्क मार्ग	10.90	1.09	856.00	02 Month
30	प्रा.ख.खीरी	रामखेडा सम्पर्क मार्ग	2.40	0.24	856.00	02 Month
31	प्रा.ख.खीरी	लाडलीपुर सम्पर्क मार्ग	4.80	0.48	856.00	02 Month
32	प्रा.ख.खीरी	जियानपुर सम्पर्क मार्ग	4.20	0.42	856.00	02 Month
33	प्रा.ख.खीरी	अजान से छिछोना सम्पर्क मार्ग	28.50	2.85	856.00	02 Month
34	प्रा.ख.खीरी	बंजारगंज सम्पर्क मार्ग	26.40	2.64	856.00	02 Month
35	प्रा.ख.खीरी	रम्मापुर सम्पर्क मार्ग	4.10	0.41	856.00	02 Month
36	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर –मोहम्मदी मार्ग के किमी0'50 से मुजफ्फरपुर मार्ग के किमी 0–2 से बरेठी सम्पर्क मार्ग	19.00	1.90	856.00	02 Month
37	प्रा.ख.खीरी	फूलपुर सम्पर्क मार्ग	5.30	0.53	856.00	02 Month
38	प्रा.ख.खीरी	कोडरी जमालपुर सम्पर्क मार्ग	11.90	1.19	856.00	02 Month
39	प्रा.ख.खीरी	मोहम्मदपुर सम्पर्क मार्ग	4.20	0.42	856.00	02 Month
40	प्रा.ख.खीरी	मढिया जवाहर सम्पर्क मार्ग	17.80	1.78	856.00	02 Month
41	प्रा.ख.खीरी	अमीरनगर मोहम्मदी मार्ग से अमरीघाट ब्रिज तक सम्पर्क मार्ग	33.00	3.30	856.00	02 Month
42	प्रा.ख.खीरी	सीतापुर कस्ता गोला मार्ग के किमी0–52 से राजेपुर सम्पर्क मार्ग	1.80	0.18	856.00	02 Month
43	प्रा.ख.खीरी	तुरकेहटा हटहटपुर सम्पर्क मार्ग	19.00	1.90	856.00	02 Month
44	प्रा.ख.खीरी	मुजफ्फरपुर सम्पर्क मार्ग	15.40	1.54	856.00	02 Month
45	प्रा.ख.खीरी	मुनीमगंज सम्पर्क मार्ग	21.50	2.15	856.00	02 Month
46	प्रा.ख.खीरी	मजरा सम्पर्क मार्ग	6.50	0.65	856.00	02 Month
47	प्रा.ख.खीरी	भंगेली सम्पर्क मार्ग	5.90	0.59	856.00	02 Month
48	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग से कैमहरा सम्पर्क मार्ग	20.40	2.04	856.00	02 Month
49	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग के कि0मी0–30 से खुडेहना वाया आलपुर सम्पर्क मार्ग	27.30	2.73	856.00	02 Month
50	प्रा.ख.खीरी	भादा सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71	856.00	02 Month
51	प्रा.ख.खीरी	सुआताली सम्पर्क मार्ग	5.90	0.59	856.00	02 Month
52	प्रा.ख.खीरी	सेमरॉवा से मझिगवां सम्पर्क मार्ग	17.10	1.71	856.00	02 Month
53	प्रा.ख.खीरी	आशिकनगर सम्पर्क मार्ग	15.20	1.52	856.00	02 Month
54	प्रा.ख.खीरी	मूलापुरवा सम्पर्क मार्ग	3.80	0.38	856.00	02 Month
55	प्रा.ख.खीरी	ढकिया कुस्तौल सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71	856.00	02 Month
56	प्रा.ख.खीरी	टिकौला से रामनगर सम्पर्क मार्ग	20.40	2.04	856.00	02 Month
57	प्रा.ख.खीरी	मौसमपुर तिराहा से मदारीपुरवा तिराहा सम्पर्क मार्ग	28.50	2.85	856.00	02 Month
58	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग के किमी0–36 से लोहागढ सम्पर्क मार्ग	28.20	2.82	856.00	02 Month
59	प्रा.ख.खीरी	नानकपुर सम्पर्क मार्ग	17.20	1.72	856.00	02 Month
60	प्रा.ख.खीरी	कैम सरैया सम्पर्क मार्ग	11.90	1.19	856.00	02 Month
61	प्रा.ख.खीरी	बरदहा सम्पर्क मार्ग	15.40	1.54	856.00	02 Month
62	प्रा.ख.खीरी	कपासी वाया पाल्हापुर सम्पर्क मार्ग	6.20	0.62	856.00	02 Month
63	प्रा.ख.खीरी	मझिगवॉ सम्पर्क मार्ग	28.50	2.85	856.00	02 Month
64	प्रा.ख.खीरी	गंगापुर सम्पर्क मार्ग	24.90	2.49	856.00	02 Month
65	प्रा.ख.खीरी	घोला सम्पर्क मार्ग	5.90	0.59	856.00	02 Month
66	प्रा.ख.खीरी	सरदार झाला सम्पर्क मार्ग	7.70	0.77	856.00	02 Month
67	प्रा.ख.खीरी	लोहियापुरवा सम्पर्क मार्ग	16.00	1.60	856.00	02 Month
68	प्रा.ख.खीरी	डीह सम्पर्क मार्ग	16.00	1.60	856.00	02 Month
69	प्रा.ख.खीरी	हरीशपुर सम्पर्क मार्ग	9.50	0.95	856.00	02 Month
70	प्रा.ख.खीरी	लालपुर बैरियर से पिपरा करमचन्द सम्पर्क मार्ग	18.90	1.89	856.00	02 Month
71	प्रा.ख.खीरी	सरैंयामाफी से पीरपुर सम्पर्क मार्ग	6.70	0.67	856.00	02 Month
72	प्रा.ख.खीरी	अटवा सम्पर्क मार्ग	9.50	0.95	856.00	02 Month
73	प्रा.ख.खीरी	वनभल्लिया कोरवा सम्पर्क मार्ग	10.50	1.05	856.00	02 Month
74	प्रा.ख.खीरी	कैमहरा सम्पर्क मार्ग	5.90	0.59	856.00	02 Month
75	प्रा.ख.खीरी	ढोगवा से बेहटा वाया रमुआपुर सम्पर्क मार्ग	19.90	1.99	856.00	02 Month
76	प्रा.ख.खीरी	सियाथू सम्पर्क मार्ग	9.50	0.95	856.00	02 Month
77	प्रा.ख.खीरी	मिर्जापुर सम्पर्क मार्ग	9.50	0.95	856.00	02 Month
78	प्रा.ख.खीरी	आदमपुर सम्पर्क मार्ग	11.90	1.19	856.00	02 Month
79	प्रा.ख.खीरी	पी0बी0 मार्ग के किमी0–116 से दाहिने बेलबूढी सम्पर्क मार्ग	19.00	1.90	856.00	02 Month
80	प्रा.ख.खीरी	मूडाधामू अल्लीपुर मार्ग के किमी0–1 से पिपरा उघानपुर सम्पर्क मार्ग	19.00	1.90	856.00	02 Month
81	प्रा.ख.खीरी	सोनहा सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71	856.00	02 Month
82	प्रा.ख.खीरी	भुडहाइया सम्पर्क मार्ग	6.70	0.67	856.00	02 Month
83	प्रा.ख.खीरी	पीलीभीत बस्ती मार्ग से सिकटिहा परसेहरा सम्पर्क मार्ग	28.50	2.85	856.00	02 Month
84	प्रा.ख.खीरी	गुलचौरा मार्ग को लखीमपुर मोहम्मदी मार्ग से जोडना सम्पर्क मार्ग	6.70	0.67	856.00	02 Month
85	प्रा.ख.खीरी	अलीगंज मार्ग से सासिया कालोनी सम्पर्क मार्ग	26.70	2.67	856.00	02 Month
86	प्रा.ख.खीरी	अम्बूपुर बहिरवा सम्पर्क मार्ग	23.70	2.37	856.00	02 Month
87	प्रा.ख.खीरी	बेहजम नीमगॉव से परसेहरा सम्पर्क मार्ग	9.50	0.95	856.00	02 Month
88	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग से थरिया सम्पर्क मार्ग	13.30	1.33	856.00	02 Month
89	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलंज मार्ग से बेलवा वाया बौनिया जोधपुर सम्पर्क मार्ग	20.20	2.02	856.00	02 Month
90	प्रा.ख.खीरी	सिसॉवा पेन्टेड रोड से टेडवा सम्पर्क मार्ग	19.00	1.90	856.00	02 Month
91	प्रा.ख.खीरी	इस्लामनगर सम्पर्क मार्ग	5.70	0.57	856.00	02 Month
92	प्रा.ख.खीरी	पीलीभीत बस्ती मार्ग से ढसरापुर सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71	856.00	02 Month
93	प्रा.ख.खीरी	रणछोरपुर सम्पर्क मार्ग	5.90	0.59	856.00	02 Month
94	प्रा.ख.खीरी	छाउछ सम्पर्क मार्ग	6.70	0.67	856.00	02 Month
95	प्रा.ख.खीरी	शिवराजपुर सम्पर्क मार्ग	6.70	0.67	856.00	02 Month
96	प्रा.ख.खीरी	पी0बी0 मार्ग से परसेहरा सम्पर्क मार्ग	19.90	1.99	856.00	02 Month
97	प्रा.ख.खीरी	मनवापुर सम्पर्क मार्ग	13.30	1.33	856.00	02 Month
98	प्रा.ख.खीरी	काशीपुर सम्पर्क मार्ग	0.60	0.06	856.00	02 Month
99	प्रा.ख.खीरी	ताजपुर सम्पर्क मार्ग	4.80	0.48	856.00	02 Month
100	प्रा.ख.खीरी	यंगपुर सम्पर्क मार्ग	2.40	0.24	856.00	02 Month
101	प्रा.ख.खीरी	मैनभेरी सम्पर्क मार्ग	4.80	0.48	856.00	02 Month
102	प्रा.ख.खीरी	प्रतापपुर मार्ग के किमी0–2 से मांझा वाया भट्टीपुरवा सम्पर्क मार्ग	17.10	1.71	856.00	02 Month
103	प्रा.ख.खीरी	प्रतापपुर मार्ग से लखीमपुर मोहम्मदी मार्ग से जोड़ना सम्पर्क मार्ग	14.70	1.47	856.00	02 Month
104	प्रा.ख.खीरी	पकरिया सम्पर्क मार्ग	17.80	1.78	856.00	02 Month
105	प्रा.ख.खीरी	फत्तेपुर सम्पर्क मार्ग	16.20	1.62	856.00	02 Month
106	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग के किमी0–11 से नैनेपारा सेमरा सर्म्प मार्ग	17.10	1.71	856.00	02 Month
107	प्रा.ख.खीरी	मजरा सम्पर्क मार्ग	4.80	0.48	856.00	02 Month
108	प्रा.ख.खीरी	हरैया सम्पर्क मार्ग	20.90	2.09	856.00	02 Month
109	प्रा.ख.खीरी	पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग से बनिका सम्पर्क मार्ग	5.90	0.59	856.00	02 Month
110	प्रा.ख.खीरी	एल0के0पी0 एम0आई0जी0 से अल्लीपुर भूलनपुर सम्पर्क मार्ग	14.30	1.43	856.00	02 Month
111	प्रा.ख.खीरी	औरंगाबाद बरबर मार्ग के कि0मी0–3 से मूड़ा बसही सम्पर्क मार्ग	14.10	1.41	856.00	02 Month
112	प्रा.ख.खीरी	सुन्सी सम्पर्क मार्ग	9.50	0.95	856.00	02 Month
113	प्रा.ख.खीरी	भूलनपुर बिल्लई सम्पर्क मार्ग	25.40	2.54	856.00	02 Month
114	प्रा.ख.खीरी	खजुरिया सम्पर्क मार्ग	8.30	0.83	856.00	02 Month
115	प्रा.ख.खीरी	ताजपुर सम्पर्क मार्ग	3.60	0.36	856.00	02 Month
116	प्रा.ख.खीरी	बिल्लई से भनवापुर सम्पर्क मार्ग	12.90	1.29	856.00	02 Month
117	प्रा.ख.खीरी	भूरेघाट पहुँच सम्पर्क मार्ग	11.40	1.14	856.00	02 Month
118	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग से कुकरगोती सम्पर्क मार्ग	27.70	2.77	856.00	02 Month
119	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग से गुरूदेवखेड़ा सम्पर्क मार्ग	12.30	1.23	856.00	02 Month
120	प्रा.ख.खीरी	नदौआ सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71	856.00	02 Month
121	प्रा.ख.खीरी	धरमपुर सम्पर्क मार्ग	4.80	0.48	856.00	02 Month
122	प्रा.ख.खीरी	महुरनिया सम्पर्क मार्ग	1.80	0.18	856.00	02 Month
123	प्रा.ख.खीरी	मकसूदपुर बरबर जहानीखेड़ा सम्पर्क मार्ग	8.50	0.85	856.00	02 Month
124	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग से राहीपारस चतुरापुर खैरहना सम्पर्क मार्ग	32.50	3.25	856.00	02 Month
125	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग के किमी0–41 से कुँवरपुर सम्पर्क मार्ग	15.20	1.52	856.00	02 Month
126	प्रा.ख.खीरी	एल0एम0 मार्ग के किमी0–40 से नकारा मार्ग के किमी–2 से खमरिया सम्पर्क मार्ग	16.70	1.67	856.00	02 Month
127	प्रा.ख.खीरी	ढकियापासी सम्पर्क मार्ग	2.70	0.27	856.00	02 Month
128	प्रा.ख.खीरी	एल0एम0 मार्ग से उदरहा से दीक्षितपुर सम्पर्क मार्ग	18.00	1.80	856.00	02 Month
129	प्रा.ख.खीरी	हरदमा सम्पर्क मार्ग	7.60	0.76	856.00	02 Month
130	प्रा.ख.खीरी	पिपरिया सम्पर्क मार्ग	17.80	1.78	856.00	02 Month
131	प्रा.ख.खीरी	एन0एच0–24 से लिधियाई सम्पर्क मार्ग	11.40	1.14	856.00	02 Month
132	प्रा.ख.खीरी	दीक्षितपुर सम्पर्क मार्ग से कुल्हौरा सम्पर्क मार्ग	14.20	1.42	856.00	02 Month
133	प्रा.ख.खीरी	जमुनिया सहबाज से बाबूपुरवा सम्पर्क मार्ग	17.80	1.78	856.00	02 Month
134	प्रा.ख.खीरी	पिपरी अजीज सम्पर्क मार्ग	19.00	1.90	856.00	02 Month
135	प्रा.ख.खीरी	खमरिया से नकारा सम्पर्क मार्ग	17.10	1.71	856.00	02 Month
136	प्रा.ख.खीरी	सेमराघाट से बंशीधर फार्म हाउस तक सम्पर्क मार्ग	14.20	1.42	856.00	02 Month
137	प्रा.ख.खीरी	घाघपुर से दाउदपुर सम्पर्क मार्ग	7.60	0.76	856.00	02 Month
138	प्रा.ख.खीरी	एन0एच0–24 से गोडियाखेड़ा सम्पर्क मार्ग	33.20	3.32	856.00	02 Month
139	प्रा.ख.खीरी	एन0एच0–24 से हैरमखेड़ा सम्पर्क मार्ग	16.60	1.66	856.00	02 Month
140	प्रा.ख.खीरी	बंशीधर फार्म हाउस से बंसीनगर सेन्टर तक सम्पर्क मार्ग	14.20	1.42	856.00	02 Month
141	प्रा.ख.खीरी	लखीमपुर–मैगलगंज मार्ग से इटारा सर्म्प मार्ग	17.80	1.78	856.00	02 Month
142	प्रा.ख.खीरी	लिधियाई मार्ग से चौगानपुर सम्पर्क मार्ग	27.20	2.72	856.00	02 Month
143	प्रा.ख.खीरी	रूरा से रामपुर ग्रन्ट सम्पर्क मार्ग	33.20	3.32	856.00	02 Month
144	प्रा.ख.खीरी	सुखबसा से खरगापुर सम्पर्क मार्ग	28.50	2.85	856.00	02 Month
145	प्रा.ख.खीरी	शिवपुरी से बहादुरपुर सम्पर्क मार्ग	8.30	0.83	856.00	02 Month
146	प्रा.ख.खीरी	कोडरा सम्पर्क मार्ग	2.00	0.20	856.00	02 Month
147	प्रा.ख.खीरी	जसमढी से कमतरा सम्पर्क मार्ग	17.80	1.78	856.00	02 Month
148	प्रा.ख.खीरी	नयागॉव किशोरी सम्पर्क मार्ग	8.30	0.83	856.00	02 Month
149	प्रा.ख.खीरी	मजफरनगर सम्पर्क मार्ग	6.00	0.60	856.00	02 Month
150	प्रा.ख.खीरी	गनेशपुर से बसन्तापुर ढकिया वाया पतवन सम्पर्क मार्ग	9.50	0.95	856.00	02 Month
151	प्रा.ख.खीरी	करौन्दी सम्पर्क मार्ग	21.40	2.14	856.00	02 Month
152	प्रा.ख.खीरी	बरबर दूल्हापुर किसान मार्ग से भानपुर सम्पर्क मार्ग	11.90	1.19	856.00	02 Month
153	प्रा.ख.खीरी	कुईयाखेड़ा से पतवन सम्पर्क मार्ग	19.60	1.96	856.00	02 Month
154	प्रा.ख.खीरी	सोहक सम्पर्क मार्ग	3.00	0.30	856.00	02 Month
155	प्रा.ख.खीरी	नगरा सम्पर्क मार्ग	12.30	1.23	856.00	02 Month
156	प्रा.ख.खीरी	जसमढी सम्पर्क मार्ग	17.50	1.75	856.00	02 Month
157	प्रा.ख.खीरी	जंगबहादुरगंज मोहमदी मार्ग से चौबियापुर सम्पर्क मार्ग	25.60	2.56	856.00	02 Month
158	प्रा.ख.खीरी	रूरा सम्पर्क मार्ग	2.90	0.29	856.00	02 Month
159	प्रा.ख.खीरी	गोला शाहजहॉपुर मार्ग (राज्य मार्ग–93) के किमी–47 वाया कैनाल पटरी से गौहनिया सुकई सम्पर्क मार्ग	20.80	2.08	856.00	02 Month
160	प्रा.ख.खीरी	मुरासा भिठहरा मार्ग से जंगलीपुरवा सम्पर्क मार्ग	6.50	0.65	856.00	02 Month
161	प्रा.ख.खीरी	मूसादेई सम्पर्क मार्ग	6.50	0.65	856.00	02 Month
162	प्रा.ख.खीरी	सिंहपुर सम्पर्क मार्ग	13.60	1.36	856.00	02 Month
163	प्रा.ख.खीरी	भिखनापुर सम्पर्क मार्ग	4.20	0.42	856.00	02 Month
164	प्रा.ख.खीरी	वजीरपुर सम्पर्क मार्ग	7.80	0.78	856.00	02 Month
165	प्रा.ख.खीरी	दुर्गापुर सम्पर्क मार्ग	10.10	1.01	856.00	02 Month
166	प्रा.ख.खीरी	सीतापुर कस्ता गोला मार्ग (प्र0जि0मा0– 76) के किमी0–31 से जलालपुर सम्पर्क मार्ग	6.60	0.66	856.00	02 Month
167	प्रा.ख.खीरी	ताजपुर सम्पर्क मार्ग	3.70	0.37	856.00	02 Month
168	प्रा.ख.खीरी	टाण्डा सम्पर्क मार्ग	7.70	0.77	856.00	02 Month
169	प्रा.ख.खीरी	धर्मापुर सम्पर्क मार्ग	8.10	0.81	856.00	02 Month
170	प्रा.ख.खीरी	सीतापुर कस्ता गोला मार्ग से कानाखेड़ा सम्पर्क मार्ग	19.00	1.90	856.00	02 Month
171	प्रा.ख.खीरी	कानाखेड़ा नीमचीनी सम्पर्क मार्ग	15.70	1.57	856.00	02 Month
172	प्रा.ख.खीरी	मुरासा सम्पर्क मार्ग	16.60	1.66	856.00	02 Month
173	प्रा.ख.खीरी	एस0के0जी0 मार्ग के कि0मी0–31 से रेवाना बेहड़ा सम्पर्क मार्ग	19.00	1.90	856.00	02 Month
174	प्रा.ख.खीरी	मोहम्मदपुर सम्पर्क मार्ग	10.00	1.00	856.00	02 Month
175	प्रा.ख.खीरी	बरा सम्पर्क मार्ग	15.70	1.57	856.00	02 Month
176	प्रा.ख.खीरी	रेछेला सम्पर्क मार्ग	26.60	2.66	856.00	02 Month
177	प्रा.ख.खीरी	जी0एस0 मार्ग के किमी0–32 से डेलखेड़ा सम्पर्क मार्ग	19.00	1.90	856.00	02 Month
178	प्रा.ख.खीरी	गुलौली बौधीखुर्द मार्ग से टेगुन खुर्रमनगर सम्पर्क मार्ग	9.50	0.95	856.00	02 Month
179	प्रा.ख.खीरी	गुलौली बौधीखुर्द मार्ग से कैमहरा सम्पर्क मार्ग	5.10	0.51	856.00	02 Month
180	प्रा.ख.खीरी	नौवातारा सम्पर्क मार्ग	7.70	0.77	856.00	02 Month
181	प्रा.ख.खीरी	मोहम्मदपुर कलां सम्पर्क मार्ग	1.50	0.15	856.00	02 Month
182	प्रा.ख.खीरी	बौधनिया सम्पर्क मार्ग	6.00	0.60	856.00	02 Month
183	प्रा.ख.खीरी	ममरी पड़सर वाया रोशननगर मार्ग	20.90	2.09	856.00	02 Month
184	प्रा.ख.खीरी	सीतापुर ब्रान्च नहर पटरी को पक्का करने का कार्य	23.80	2.38	856.00	02 Month

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट *http://etender.up.nic.in* पर दिनांक 09.02.2026 से 16.02.2026 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 16.02.2026 को समय अपराह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 16.02.2026 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(तरूणेन्दु त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
लखीमपुर खीरी

UP-245545 दिनांक 06.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

मुठभेड़ में तीन आरोपी गिरफ्तार, एक घायल

देवरनियां में हुई लूट में थे वांछित, गहने, नकदी भी बरामद

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार. कोतवाली क्षेत्र में महिला से लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन अपराधियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो अन्य को मौके से दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए आभूषण, नकदी, मोबाइल और हथियार बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 18 जनवरी को रनवीर सिंह की पत्नी से तीन अज्ञात बदमाशों ने पेट्रोल पम्प के पास सेमीखेड़ा के पासतमंचा दिखाकर पर्स लूट लिया था। देवरनियां कोतवाली में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी पर्स में मोबाइल फोन, करीब 6 हजार रुपये नकद और पहने हुए गहने मौजूद थे। शनिवार को कोतवाली प्रभारी उपनिरीक्षक आशुतोष द्विवेदी देवरनियां पुलिस टीम के साथ संदिग्ध व्यक्ति और वाहन चेकिंग कर रहे थे। मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर ली। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

देवरनियां में मुठभेड़ में घायल बदमाश। ●अमृत विचार

- **मुठभेड़ में आरक्षी पवन बंसल भी हुए घायल**
- **झुमके, अंगूठियां, मंगलसूत्र सहित तमाम गहने बरामद**

जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। वहीं दो अन्य आरोपियों को जंगल के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे (315 बोर) चार जिंदा कारतूस तीन खोखा कारतूस एक अवैध चाकू लूट के सभी आभूषण (लर, कंठी, झुमके, अंगूठियां, मंगलसूत्र, पाजेब) 5600 रुपये नकद घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपियों से थाना भोजीपुरा क्षेत्र में 01 फरवरी 2026 को दंपति से लूटा गया मोबाइल और नकदी भी बरामद हुई है।

मुठभेड़ के दौरान आरक्षी पवन बंसल भी घायल हुए हैं। घायल बदमाश को इलाज के लिए सीएचसी बहेड़ी भेजा गया है। मौके पर फील्ड यूनिट पहुंच चुकी है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस टीम में शामिल अधिकारी इस कार्रवाई में कोतवाली प्रभारी उपनिरीक्षक आशुतोष द्विवेदी, एस एस आई नवदीप कुमार आदि अफसर व कर्मी शामिल रहे।

परीक्षा छूटते ही हाईवे पर लगा जाम

रिठौरा, अमृत विचार : शनिवार को खंडेलवाल कालेज,पदामावती अकादमी बीबीएल पब्लिक स्कूल में सीटेट की परीक्षा देने डेढ़ हजार परीक्षार्थी आए दो पालियों में परीक्षा आयोजित हुई। शाम की पाली की परीक्षा छूटते ही बरेली -पीलीभीत हाईवे पर लंबा जाम लग गया। जिससे आने -जाने वालों को काफी देर तक परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग एक घंटे में जाम खुलवाया। इसके बाद जाम में फंसे राहगीर गंतव्य को रवाना हो सके।

खड़ी कार में लगी आग

भोजीपुरा, अमृत विचार : कस्बा धौराटांडा न्यू इंडिया राइस मिल के सामने खड़ी कार में अचानक आग लग गई। घटना की सूचना पर भोजीपुरा पुलिस और बिजली विभाग की टीम मौके पहुंची और आनन– फानन आग पर काबू पाया गया ॥ आग से पास में लगे ट्रांसफार्मर तक आग नहीं पहुंच पाई लेकिन पोल के मीटर जलने से विभाग को भी क्षति हुई है।

वार्डन के सेवानिवृत होने पर दी विदाई

शेरगढ़, अमृत विचार : कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन रेखा शर्मा को सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय स्टाफ ने समारोह के दौरान फूल मालाएं पहनाकर भावभीनी विदाई दी। इस दौरान उनके 17 वर्ष के कार्यकाल की सराहना की गई। स्टाफ ने वार्डन को उपहार भेंट किए तथा उनके स्वस्थ्य सुखद और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर सीएम फेलो डॉ फनी मणि,रेखा शर्मा,सीमा यादव,पुष्पा सागर,पिंकी बिष्ट, अमिता सिंह,सुमैया बी,आभा सिंह,ज्योति,रश्मि,नीरज शर्मा मो . वसीम आदि मौजूद रहे।

खिचड़ी सहभोज में पहुंचे सांसद, विधायक, ब्लॉक प्रमुख

क्योलडिया, अमृत विचार : भदपुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत क्योलडिया के मजरा केला दांडी में स्थित बालाजी मंदिर पर सोमदत्त फौजी द्वारा विशाल खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया जिसमें सभी गांव वालों के साथ ही सांसद छत्रपाल गंगवार विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ब्लाक प्रमुख रवि शंकर गंगवार भी शामिल हुए। इस दौरान कपिल देव गोधन लाल ठाकुर सतपाल सिंह कृष्ण पाल राजेश कुमार वेद प्रकाश सोमपाल रिंकू सोनू मोहित सुमित सोनू दीपक प्रेमपाल आदि मौजूद रहे।

कार्यालय जिला पंचायत, लखीमपुर-खीरी

पत्रांक:– 212(1) ह.च.लि./जि.पं./2025–26 दिनांक 7 फरवरी, 2026

हड्डी चरसा नीलाम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पंचायतीराज अनुभाग–2 उ.प्र. शासन, लखनऊ के शासनादेश सं0 2232/33–2–2020– 420जी/दिनांक 20 अक्टूबर 2020 द्वारा पूर्व में निर्गत शासनादेश सं0 858/33–2–96–57 डब्लू/91, दिनांक 30 मार्च, 1996 एवं शासनादेश सं0 09/2018/2133/33–2–2018–420जी/2018 दिनांक 31.08.2018 को अवकमित करते हुए नीलामी में उच्चतम/अधिकतम बोलीदाता को ठेका/लाइसेंस दिये जाने की नवीन व्यवस्था स्थापित की गयी है, जिसके क्रम में वर्ष 2026–27 दिनांक 31 मार्च 2027 तक के लिए मृत पशुओं के शव निस्तारण का ठेका/लाइसेंस दिये जाने हेतु दिनांक 20.02.2026, 25.02.2026 व 28.02.2026 को कार्यालय जिला पंचायत, खीरी में दिन के 12 बजे नीलाम किया जायेगा, यदि कोई विकास खण्ड या न्याय पंचायत नीलाम से अवशेष रह जाता है, तो महीने के प्रत्येक बुधवार को नीलाम सम्पन्न कराया जायेगा । बोलीदाता को प्रत्येक विकास खण्ड हेतु रू0 5,000/– तथा प्रति न्याय पंचायत हेतु रू0 2,000/– जमानत के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। उच्चतम बोलीदाता को सम्पूर्ण धनराशि तुरन्त जमा करना होगा, तथा बोलीदाता को पैतृक रूप से मृत पशु शव निस्तारण कार्य से जुड़े होने का प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान के हस्ताक्षर से प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा । नीलाम स्वीकृति का अधिकार मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत, खीरी में निहित होगा। अन्य शर्तो की जानकारी कार्यालय कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, खीरी

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर विकास खंड उसावां (बदायूं)

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर विकास खंड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त / 15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड) ओ.डी.एफ. प्लास, आर.जी.एस.ए. मनरेगा के अन्तर्गत वर्ष 2025–26 में उपलबध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार अंत्येष्टि स्थल, परिवार रजिस्टर, कम्प्यूटरीकृत करने हेतु गौशाला एवं प्रस्तावित/ स्वीकृत निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईंट, इंटरलॉक, सीमेन्ट, मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें / कुटेशन आमंत्रित की जातीं। इच्छुक फर्म एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 10.02.2026 से दिनांक 10.02.2026 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा / कुटेशन की सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1.	मोहम्मदपुर में मनोज के घर से हरिशचन्द्र के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य	75 मी0	429668/–
2.	सामुदायिक शौचालय के पास तालाब की सुरक्षा दीवार का नि. कार्य	80 मी.	473418/–

सुनीता (ग्राम प्रधान) **मनोज कुमार राम (सचिव)**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 942 /142सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: 02.02.2026

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 09.02.2026 से दिनांक 13.02.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 13.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
2	दिवियापुर से कटका बहादुरपुर सम्पर्क मार्ग पर सी0सी0 मार्ग एवं नाली निर्माण तथा शेष भाग की मरम्मत का कार्य।	निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	94.70	6.74	2725.00	02 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,
शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,
बरेली

UP - **245389 दिनांक:** 06/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

पत्रांक : 355/12ए दिनांक: 31/01/2026

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑनलाइन ई–निविदा दिनांक 09.02.2026 से दिनांक 17.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 17.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0)	बिड सिक्युरिटी (लाख रू0)	टेण्डर फीस व स्टेशनरी चार्ज+जी0एस0टी0	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	छावनी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ बी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य। (हॉट मिक्स प्लान्ट द्वारा) (वित्तीय वर्ष–2025–26)	12.70	1.27	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
2	कटरा रेलवे फीडर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ बी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य। (हॉट मिक्स प्लान्ट द्वारा) (वित्तीय वर्ष–2025–26)	6.80	0.68	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
3	स्टेशन रोड से कचहरी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ बी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य। (हॉट मिक्स प्लान्ट द्वारा) (वित्तीय वर्ष–2025–26)	20.50	2.05	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
4	पुवायाँ नाहिल सिंघापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (पेवर द्वारा पी0सी0) (वित्तीय वर्ष–2025–26)	22.90	2.29	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
5	बड़ावन से सिकलापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	3.40	0.34	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
6	जपनापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	7.30	0.73	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
7	मोहम्मदी मुख्य मार्ग से सल्लिया माइनर तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	5.10	0.51	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
8	रिंग रोड से तिउलक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	3.60	0.36	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
9	एन0एच0–24 से रियान पब्लिक स्कूल सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	3.40	0.34	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
10	सुतनेरा से मुड़िया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	12.30	1.23	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
11	चकभिटारा से रझौआकलां सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	10.00	1.00	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
12	शेरपुर ई0 सरसवां सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	22.90	2.29	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
13	सिमरई पींग से बरमौला नहर पुलिया तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	10.30	1.03	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
14	निगोही तिलहर मार्ग के किमी–20 से बरखेड़ा हवेली सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	17.80	1.78	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
15	निगोही तिलहर मार्ग से समधाना सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	20.10	2.01	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
16	समधाना से संतोशपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	25.60	2.56	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
17	बरूआर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	13.70	1.37	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
18	इटौली बहादुर से रघुनाथपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	4.50	0.45	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
19	अनावा चौराहे से पसियाखेड़ा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	12.60	1.26	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
20	कोटावारी से सिसैया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	20.00	2.00	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
21	मुड़िया मिश्र सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	18.30	1.83	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
22	कलन्दरगंज सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	19.20	1.92	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
23	कोटावारी मार्ग किमी–11 से लधौला सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	15.50	1.55	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
24	पटई मार्ग से कुईया कीरतपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	5.50	0.55	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
25	गन्धरपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	9.10	0.91	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
26	पचपेड़ा से कीरतपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	9.10	0.91	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
27	पटई मार्ग से गौटिया दुगरौची सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.40	1.14	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
28	कोटावारी से बढेला सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	9.10	0.91	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
29	इटौली बहादुर से डेलखेड़ा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	9.70	0.97	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
30	पटई मार्ग से पटवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	7.30	0.73	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
31	खण्डसार से बबरा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	6.40	0.64	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
32	एल0बी0 मार्ग से बनासदेवी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	7.70	0.77	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
33	एल0बी0 मार्ग से इनायतपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	1.30	0.13	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
34	निगोही रेलवे फाटक से हरिकिशनपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	22.90	2.29	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
35	रणधीरपुर चकुलिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.00	1.10	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
36	मरक्का डामर रोड से बाबूपुर होते हुये गौटिया मरक्का डामर रोड तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	12.00	1.20	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
37	गांगेपुर तिराहे से डींग डामर रोड तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	7.40	0.74	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
38	पराझरसा बरेन्चा से बुढानपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	10.80	1.08	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
39	खेड़ा सण्डा से मोहरतला सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	21.70	2.17	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
40	तेन्दुलिया सम्पर्क सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	13.70	1.37	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
41	जारमानो सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	12.80	1.28	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
42	बरगदिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	2.70	0.27	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
43	कुवरपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	2.70	0.27	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
44	बितौनी करनापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	1.80	0.18	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
45	बण्डा पुवायाँ मार्ग से तितुरा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	1.30	0.13	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
46	शाहजहांपुर पुवायाँ मार्ग से सिमरा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	5.70	0.57	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
47	भूरखेड़ा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	7.40	0.74	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
48	रामपुर जयचंद सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.40	1.14	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
49	कटरा खुदागंज मार्ग से खिरिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	18.30	1.83	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
50	बमियाना सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	13.10	1.31	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
51	मुतिया देहात माली सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	13.70	1.37	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
52	सथरापुर बमियाना सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	16.00	1.60	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
53	मोहम्मदी बार्डर से संतवा बुजुर्ग सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	16.00	1.60	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
54	अगौना बुजुर्ग से फततेहपुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	16.90	1.69	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
55	फतेहपुर जा0 लुकटाह सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	16.60	1.66	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
56	शिवपुरी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	4.00	0.40	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
57	बख्त्यारपुर जा गंगई सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	4.50	0.45	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
58	खतौआ सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	10.80	1.08	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
59	गैरतपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	2.20	0.22	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
60	नगला शाहजहांपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	1.70	0.17	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
61	दूल्हापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	2.00	0.20	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
62	रखिया खुर्द सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	5.10	0.51	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
63	मरौरी जा0 बिलन्दापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	3.60	0.36	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
64	बरौरा से अख्त्यिारपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	25.70	2.57	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
65	मैनी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	22.90	2.29	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
66	घाटबोझ सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	27.50	2.75	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
67	पुवायाँ निगोही मार्ग से भितिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	12.60	1.26	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
68	निगोही शाखा नहर पटरी छूटी कड़ी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	22.90	2.29	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
69	बिलन्दपुर मार्ग से सुहेली सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	13.70	1.37	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
70	नगरिया गोपालपुर से गोबरसण्डा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	21.70	2.17	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
71	धनसिंहपुर किमी–3 से टोडरपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	15.50	1.55	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
72	पीएसएचएल मार्ग से लुकटाह सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	10.00	1.00	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
73	पी0एस0एच0एल0 रोड किमी–47 से गेहुआ सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	20.60	2.06	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
74	चांदपुर मैलानी से भीखमपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	9.10	0.91	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
75	पी0एस0एच0एल0 रोड से लालपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	9.10	0.91	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
76	मकसूदापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	1.70	0.17	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
77	सैदापुर खण्डपारी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	6.80	0.68	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
78	मुड़िया कुर्मियात से सबलापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	9.10	0.91	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
79	तिन्दुआ नगरिया से सिसौर सिसौरी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	14.80	1.48	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
80	बालेमउ सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	26.30	2.63	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
81	टोडरपुर ता0 खुटार सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	32.10	3.21	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
82	पीलीभीत बस्ती मार्ग किमी–64 से कजरा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	28.80	2.88	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
83	बण्डा खुटार मार्ग से सिमरई खण्डसार सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	13.50	1.35	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
84	सिमरई मार्ग किमी–01 से खजुरिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.40	1.14	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
85	बण्डा खुटार मार्ग से वीरसिंहपुर होते हुये भटनौसा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	8.00	0.80	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
86	खजुरिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	10.80	1.08	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
87	हरिहरपुर भटनौसा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.00	1.10	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
88	निगोही तिलहर किमी–1 से वेदापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	12.60	1.26	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
89	निगोही मार्ग से दूल्हा ढकिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	6.80	0.68	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
90	नवीची से नवीनगर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.90	1.19	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
91	रसूलपुर गढिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	13.70	1.37	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
92	बण्डा देवकली से बौठा जमालपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	13.70	1.37	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
93	बण्डी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	7.30	0.73	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
94	डूडवा पिपरिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	20.10	2.01	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
95	लुहिची सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.00	1.10	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
96	बण्डा पूरनपुर मार्ग से मोहद्दीनपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	9.10	0.91	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
97	बीसलपुर रसिया खानपुर मार्ग से कुआडांडा खंजनपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	31.50	3.15	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
98	रायपुर सतवां सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	10.80	1.08	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
99	चककन्हउ सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	4.10	0.41	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
100	चकसफौरा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	4.50	0.45	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
101	निगोही ईशापुर मार्ग से धीरठ सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	2.70	0.27	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
102	रामपुर कलां से माधवपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.40	1.14	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
103	बण्डा खुटार मार्ग से रूरा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	12.80	1.28	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
104	पीलीभीत बस्ती मार्ग किमी–69 से महुआ मैनिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	29.80	2.98	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
105	हथौड़िया से हड्डीमिल तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.40	1.14	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
106	मोहम्मदी मुख्य मार्ग से सल्लिया माइनर तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	5.10	0.51	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
107	मोहम्मदी मुख्य मार्ग से सल्लिया तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	4.50	0.45	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
108	गुर्री से फकरगंज सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	29.80	2.98	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
109	रेलवे क्रासिंग से महोलिया खाड़े सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	18.30	1.83	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
110	उदियापुर सम्पर्क मार्ग से बरमबाबा स्थान तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	2.20	0.22	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
111	खुदागंज में नकटिया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	6.80	0.68	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
112	जमूही में मुख्य मार्ग से देवस्थान तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	14.30	1.43	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
113	हथौड़िया से लोधीपुर तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	12.60	1.26	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
114	ग्राम शहबाजनगर में चम्पा देवी प्रधान के घर तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	13.70	1.37	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
115	मानपुर गांव से पश्चिम से उदियापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	11.40	1.14	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
116	शाहबाजनगर में पोपराम के घर तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	7.10	0.71	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य
117	बण्डा देवकली मार्ग से कमालपुर गहलुईया सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	28.60	2.86	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी,सी,डी) मार्ग कार्य

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
शाहजहांपुर

UP-245369 दिनांक 06.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

शिकायत सही निकली तो उल्टा टांग दूंगा

प्रधानमंत्री आवास योजना में वसूली की शिकायत, डीएम सख्त

सम्पूर्ण समाधान दिवस

संवाददाता, नवाबगंज

नवाबगंज में समाधान दिवस में शिकायतें सुनते डीएम अविनाश सिंह।

अमृत विचार : कस्बे में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मंजूर हुए 485 आवासों के मामलों में रूपये वसूलने की शिकायत मिलने पर डीएम ने नाराजगी जताई और ईओ को मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये। शिकायतकर्ता ने डीएम को जब यह बताया कि वसूली के वीडियो भी मौजूद हैं तो डीएम भड़क गये और उन्होंने कहा कि मामला सही निकला तो आरोपी को उल्टा टांग दूंगा।। आयोजन में 271 शिकायतें दर्ज की गई जिसमें 7 के निराकरण का दावा किया गया है।

शनिवार को डीएम की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान विजय दिवाकर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 485 आवासों में भारी घोटाला करने का आरोप लगाया । उन्होंने कहा कि अपात्र लोगों के आवास मोटी सुविधा शुल्क लेकर मंजूर किए गए हैं, इन लोगों से 10 हजार से लेकर 20 हजार तक की वसूली की जा रही है। आवासों के नाम पर नगर पालिका और डूडा कर्मी द्वारा वसूली किए जाने की शिकायत पर डी एम भड़क गए, उन्होंने नगर पालिका परिषद के ईओ आर आर अंब्रेश को तलब कर इसकी जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए। डीएम ने स्वीकृत किए गए प्रधानमंत्री आवास योजना के अभ्यर्थियों की सूची तत्काल ही सार्वजनिक करने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता ने रुपए वसूलने के वीडियो भी होने की बात डी एम से कही जिस पर डीएम ने आरोपी को उल्टा टांग देने की चेतावनी दी।

इसके अलावा मीरगंज में तहसीलदार सीओ ने 11 शिकायतों का समाधान कराया। आंवला में गांव में तालाब की जगह पर खुदाई नहीं कराने से गंदे पानी का जमाव होने की बिहारीपुर मजरा घिलोरा के ग्रामीणों की शिकायत पर तहसीलदार ने ग्राम निधि के धन से तालाब की खुदाई कराकर साफ-सफाई कराने के निर्देश दिये हैं।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–3, लो0नि0वि0, लखीमपुर–खीरी

पत्रांक :– 155/ई–प्रोक्योरमेण्ट नोटिस/2026 दिनाँक :–31.01.2026

निविदा सूचना
ई–प्रोक्योरमेण्ट नोटिस
प्रथम आमंत्रण

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में "मार्ग निर्माण कार्यो" के कार्य हेतु ''ए'', ''बी'', ''सी'' एवं ''डी'' .श्रेणी के पात्र पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	खीरी	गोला–अलीगंज मार्ग कि0मी0–9 से वसलीपुर ग्रन्ट सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	9.60	0.96	856.00	02 माह
2	खीरी	बिजुआ अलीगंज मार्ग (अ0जि0मा0) के कि0मी0–9 से पल्हनापुर सम्पर्क मार्ग के कि0मी0–4 से ग्रन्ट अहमदाबाद सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	21.00	2.10	944.00	02 माह
3	खीरी	मूडा से रोशनपुर होते हुए शाहनगर से दुधौरिया तक सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	24.00	2.40	944.00	02 माह
4	खीरी	अमकेहुआ सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	10.50	1.05	856.00	02 माह
5	खीरी	बिजुआ–गोला मार्ग से लालनगंज सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	11.00	1.10	856.00	02 माह
6	खीरी	बघौडा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	9.60	0.96	856.00	02 माह
7	खीरी	बिलराया–पनवारी मार्ग कि0मी0–21 से बुद्धापुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	6.50	0.65	856.00	02 माह
8	खीरी	करमूपुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	6.00	0.60	856.00	02 माह
9	खीरी	बघैया रायपुर से लालापुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	9.00	0.90	856.00	02 माह
10	खीरी	कडिया से प्रतापपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	9.00	0.90	856.00	02 माह
11	खीरी	परिन्दखानपुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	8.50	0.85	856.00	02 माह
12	खीरी	पचपेडा रिछिया से शीतलापुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	14.50	1.45	856.00	02 माह
13	खीरी	चिल्लापुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	8.50	0.85	856.00	02 माह
14	खीरी	विजय प्रताप नगर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	6.00	0.60	856.00	02 माह
15	खीरी	राजेश्वरनगर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	9.60	0.96	856.00	02 माह
16	खीरी	रहीमनगर ग्रन्ट सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	16.00	1.60	944.00	02 माह
17	खीरी	पल्हनापुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	19.50	1.95	944.00	02 माह
18	खीरी	सीतापुर गोला अलीगंज बिजुआ मार्ग के कि0मी0–83 से बांशी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	2.00	0.20	679.00	02 माह
19	खीरी	मस्त्रीपुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	8.50	0.85	856.00	02 माह
20	खीरी	राघनपुरवा से पकरिया सल्लिहा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	17.50	1.75	944.00	02 माह
21	खीरी	एल0बी0बी0 मार्ग (राज्य मार्ग सं0–90) से पडरिया महेशपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	9.50	0.95	856.00	02 माह
22	खीरी	एल0बी0बी0 मार्ग से पडरिया तिलकपुर सम्पर्क मार्ग के कि0मी0–5 से गुलाबटाण्डा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	5.00	0.50	767.00	02 माह
23	खीरी	एल0बी0बी0 मार्ग (राज्य मार्ग सं0–90) से जगदेवपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	14.50	1.45	856.00	02 माह
24	खीरी	एल0बी0बी0 मार्ग (राज्य मार्ग सं0–90) से पडरिया तिलकपुर सम्पर्क मार्ग के कि0मी0–4 से लालू टाण्डा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	9.60	0.96	856.00	02 माह
25	खीरी	मुडिया मंशाराम सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	7.00	0.70	856.00	02 माह
26	खीरी	बांकेगंज नहर पटरी सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	19.50	1.95	944.00	02 माह
27	खीरी	लालजीपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	13.00	1.30	856.00	02 माह
28	खीरी	विलासपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	15.00	1.50	856.00	02 माह
29	खीरी	बासुकपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	9.00	0.90	856.00	02 माह
30	खीरी	पहाडनगर से बरौछा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	11.50	1.15	856.00	02 माह
31	खीरी	नई बस्ती सम्पर्क मार्ग (डालपुर ग्रन्ट) पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	4.00	0.40	767.00	02 माह
32	खीरी	सिकन्दरपुर सम्पर्क मार्ग द्वितीय पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	13.50	1.35	856.00	02 माह
33	खीरी	एस0डी0एन0पी0डी0पी0 मार्ग (राज्य मार्ग सं0–101) के कि0मी0–53 से साधूपुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	6.50	0.65	856.00	02 माह
34	खीरी	केदारीपुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	7.50	0.75	856.00	02 माह
35	खीरी	गदरीपुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	6.00	0.60	856.00	02 माह
36	खीरी	बिहारीपुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	13.50	1.35	856.00	02 माह
37	खीरी	अग्गरबुजुर्ग सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	12.50	1.25	856.00	02 माह
38	खीरी	सिकटिहा रमुआपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	6.00	0.60	856.00	02 माह
39	खीरी	एल0बी0बी0 मार्ग (राज्य मार्ग सं0–90) के कि0मी0–21 से तन्सूपुरवा से हजूरपुरवा सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	7.00	0.70	856.00	02 माह

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनाँक 09.02.2026 से 16.02.2026 तक उपलब्ध है जो कि दिनाँक 16.02.2026 को समय दोपहर 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनाँक 16.02.2026 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–3, लो0नि0वि0,
लखीमपुर–खीरी।

UP - **245397 दिनांक:** 06/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

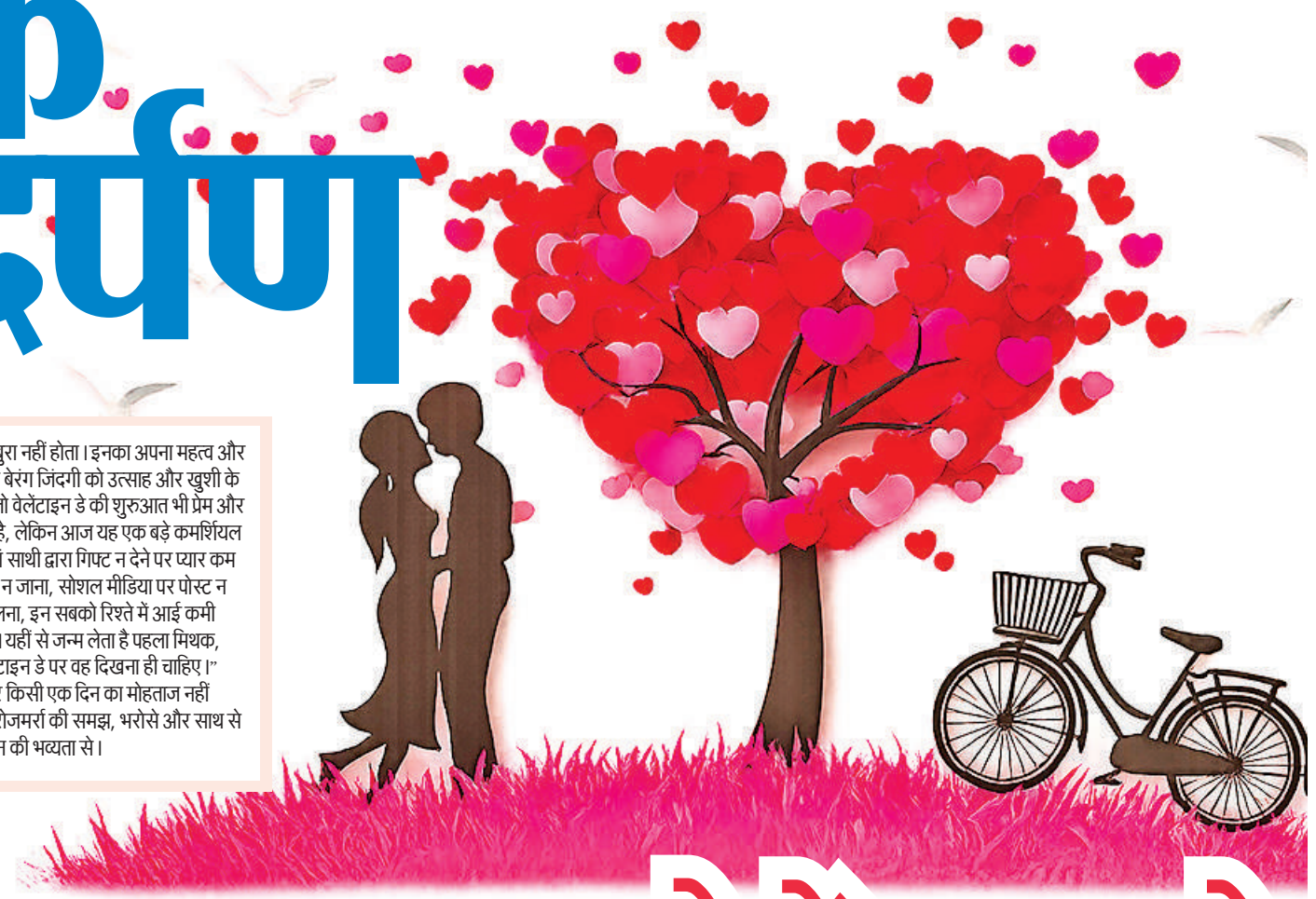

- कहते हैं कि कोई भी त्योहार बुरा नहीं होता। इनका अपना महत्व और प्रासंगिकता होती है। वे हमारी बेरंग जिंदगी को उत्साह और खुशी के रंग से भर देते हैं। देखा जाए तो वेलेंटाइन डे की शुरुआत भी प्रेम और त्याग की भावना से जुड़ी हुई है, लेकिन आज यह एक बड़े कमर्शियल इवेंट का रूप ले चुका है। जहां साथी द्वारा गिफ्ट न देने पर प्यार कम आंका जाने लगता है। डेट पर न जाना, सोशल मीडिया पर पोस्ट न डालना या "सरप्राइज" न मिलना, इन सबको रिश्ते में आई कमी के तौर पर देखा जाने लगा है। यहीं से जन्म लेता है पहला मिथक, "अगर प्यार सच्चा है, तो वेलेंटाइन डे पर वह दिखना ही चाहिए।" जबकि सच्चाई यह है कि प्यार किसी एक दिन का मोहताज नहीं होता। रिश्तों की मजबूती तो रोजमर्रा की समझ, भरोसे और साथ से बनती है, न कि किसी एक दिन की भव्यता से।

प्यार का उत्सव वेलेंटाइन डे

हर मौसम की अपनी ही खूबसूरती होती है। साथ ही खूबसूरती होती है, उसमें आने वाले खास दिनों की। फिर बसंत का आना तो युगों से खास रहा है। यह हमेशा से प्रेम और नवजीवन का प्रतीक रहा है, जो कि अंग्रेजी कलेंडर के हिसाब से फरवरी में पड़ता है। इस महीने प्रेम का एक ग्लोबल उत्सव 'वेलेंटाइन डे' भी मनाया जाता है, जिसे लेकर प्रेमी युगल बहुत उत्साहित होते हैं। हर साल फरवरी आते ही बाजार गुलाबी रंग में रंग जाता है। दिल के आकार के गुब्बारे, लाल गुलाब, चॉकलेट्स, टेडी और "परफेक्ट कपल" की मुस्कराती तस्वीरें, सब मिलकर यह ऐलान करने लगते हैं कि वेलेंटाइन डे आ गया है। सोशल मीडिया पर भी प्रेम से जुड़े हैशटैग्स ट्रेंड करने लगते हैं। लोग खुलकर प्यार जताते नजर आते हैं। पहली नजर में यह सब बेहद खूबसूरत लगता है, लेकिन इस चमक-दमक के पीछे कई सवाल भी छिपे होते हैं। क्या प्यार सच में ऐसा ही होता है जैसा स्क्रीन पर दिखता है? क्या वेलेंटाइन डे आज प्यार का पैमाना बन चुका है? क्या सोशल मीडिया हमारे असली इमोशंस को समझने में मदद कर रहा है या उन्हें बड़ी चालाकी से ढक रहा है?

अलका 'सोनी'
लेखिका

सोशल मीडिया का प्यार और फिल्टर वाला रोमांस

आज का प्यार काफी हद तक डिजिटल स्क्रीन के जरिए व्यक्त किया जा रहा है। इंस्टाग्राम पर परफेक्ट कपल पोज, रील्स में रोमांटिक गाने और कैप्शन में "मेरी दुनिया" जैसे शब्द। ये सब एक आदर्श प्रेम कहानी गढ़ते हैं, लेकिन यह तस्वीर पूरी नहीं होती। सोशल मीडिया पर जो दिखता है, वह अक्सर खुशियों के चुने हुए पल होते हैं। उनमें रोज के झगड़े नहीं, थकान नहीं, असहमति नहीं होती, जो कि मानवीय रिश्तों का एक तरह से हिस्सा होते हैं। अक्सर यह सब कैमरे के पीछे छूट जाता है। इस तुलना में देखने वाला खुद को पीछे महसूस करने लगता है। यहां दूसरा मिथक बनता है, "दूसरों का रिश्ता ज्यादा खुश है, मेरा नहीं।" जबकि सच्चाई यह है कि हर रिश्ता अपने ढंग से जूझता है, बस सब उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते।

असली इमोशनः जो दिखते नहीं, महसूस होते हैं

असली प्यार अक्सर बहुत साधारण और खामोश होता है। वह साथी की बीमारी में चुपचाप पास बैठ जाता है, गलती पर डांटना भी जानता है, लेकिन छोड़कर जाना नहीं आता उसे। मन की बात बिना कहे ही समझ जाना। यह सब सबसे मूल्यवान है। ये वो इमोशंस हैं, जो न तो ट्रेंड करते हैं, न वायरल होते हैं। वेलेंटाइन डे के शोर में ये भावनाएं अक्सर अनदेखी रह जाती हैं। कई लोग खुद को इसलिए असफल मानने लगते हैं, क्योंकि उनका प्यार "दिखने लायक" नहीं है, जबकि हकीकत यह है कि भावनाओं की गहराई, उनकी सार्वजनिकता से तय नहीं होती।

सिंगल होनाः अधूरापन या आजादी

वेलेंटाइन डे का एक मनोवैज्ञानिक असर उन लोगों पर भी पड़ता है, जो सिंगल हैं। सोशल मीडिया उन्हें बार-बार यह एहसास दिलाता है कि वे किसी चीज से वंचित हैं। अधूरे हैं। ऐसे पोस्ट उन्हें "सिंगल होना, मतलब अकेलापन" का अहसास कराते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि सिंगल होना आत्मसमझ, आत्म-निर्भरता और खुद से रिश्ते को मजबूत करने का मौका भी हो सकता है। हर किसी की जिंदगी का समय हमेशा एक जैसा नहीं होता और रिश्तों की इस दिखावटी दौड़ में शामिल न होना कोई असफलता नहीं होती।

मेंटल हेल्थ और वेलेंटाइन प्रेशर

कई मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि वेलेंटाइन डे के आसपास भावनात्मक तनाव बढ़ जाता है। कप्लस में तुलना, अपेक्षाएं और रिश्तों को लेकर असुरक्षा बढ़ने लगती है। दूसरों को गिफ्ट्स देते, फोटोज साझा करते और प्यार जताते देखकर उनके मन में भी, "अगर वह मुझसे प्यार करता/करती है, तो ऐसा क्यों नहीं किया?" या "सबके पास कोई है, मेरे पास क्यों नहीं?" जैसे सवाल आने लगते हैं। ये सवाल धीरे-धीरे आत्मसम्मान को प्रभावित करने लग जाते हैं। सोशल मीडिया यहां ईंधन का काम करता है, जहां हर पोस्ट एक परफेक्ट कहानी बनकर सामने आती है।

प्यार का मतलबः धैर्य के साथ प्राइवेसी

प्यार जताने के इस बाजार में चकाचौंध से आंखें बंद हो गई हैं। लोग असली प्रेम और भावनाओं को भूलते जा रहे हैं। आज जरूरत है प्यार को नए सिरे से परिभाषित करने की। ऐसा प्यार, जो दिखावे से ज्यादा संवेदनशील हो, जो लाइक्स से ज्यादा विश्वास पर टिका हो और जो स्टोरी से ज्यादा स्टेबिलिटी देता हो। वेलेंटाइन डे मनाना बुरा नहीं है, लेकिन उसे रिश्ते का इम्तिहान बना देना जरूर गलत है। वेलेंटाइन डे अपने आप में न तो पूरी तरह मिथक है, न पूरी सच्चाई। यह एक अवसर है खुद से पूछने का कि हम प्यार को कैसे समझते हैं? कैसे अनुभव करते हैं? क्या हम उसे महसूस कर रहे हैं या बस दिखा रहे हैं? या फिर खुद को सोशल मीडिया पर अपडेट कर रहे हैं। सोशल मीडिया हमें जोड़ सकता है, लेकिन इमोशंस की जगह कभी नहीं ले सकता। असली प्यार वही है, जो कैमरे के बिना भी आपके साथ मौजूद रहे, जो किसी खास तारीख का इंतजार न करे और जो हर दिन, छोटे-छोटे तरीकों से खुद को साबित करे। शायद यही वेलेंटाइन डे की सबसे बड़ी सच्चाई और प्रासंगिकता है।

प्रेम का बदलता व्याकरण

आधुनिक समय में वेलेंटाइन डे अब सिर्फ एक तारीख नहीं रहा। जेन-जी के लिए यह एक परफॉर्मेंस डे बन चुका है। इंस्टाग्राम स्टोरी, रील, कपल फोटो, सरप्राइज और हैशटैग के साथ जिया जाने वाला प्रेम-दिवस। प्रेम यहां केवल अनुभव नहीं रहा, वह प्रमाण मांगने लगा है। अब महसूस करना पर्याप्त नहीं-दिखाना जरूरी हो गया है। इस प्रेम-दृश्य में दबाव केवल स्त्री पर है, ऐसा कहना शायद आज के संदर्भ को अधूरा समझना होगा। जेन-जी स्वयं को जेंडर की पारंपरिक सीमाओं से बाहर देखने का दावा करती है। यहां स्त्री और पुरुष से पहले "आधुनिक व्यक्ति" होने की बात की जाती है- स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और अपनी पसंद के प्रति मुखर। इसीलिए खुश दिखने का दबाव अब एकतरफा नहीं रहा, वह दोनों पर समान रूप है, लेकिन यह समानता अनुभव में हमेशा समान नहीं होती। प्रेम का सार्वजनिक प्रदर्शन मुस्कुराता हुआ चेहरा, सजी-संवरी छवियां और ऑनलाइन स्वीकार्यता आज के रिश्तों की मान्यता का पैमाना बनता जा रहा है। प्रेम तभी "सफल" माना जाता है, जब वह लाइक, कमेंट और साझा किए जाने योग्य दृश्य में बदल सके। इस प्रक्रिया में भीतर का द्वंद्व, थकान, असमंजस या असुरक्षा इस फ्रेम में जगह नहीं पा पाते। जेन-जी के प्रेम में अब नाजुकता की जगह आत्मविश्वास और बोल्ड उपस्थिति को अधिक महत्व दिया जाता है। यहां पसंद कम और अपेक्षा अधिक है। एक ऐसी अपेक्षा, जिसे सोशल मीडिया की दृश्य संस्कृति लगातार गढ़ती और मजबूत करती जा रही है। सवाल यह नहीं है कि प्रेम अच्छा है या बुरा। सवाल यह है कि जेन-जी का वेलेंटाइन प्रेम को किस दिशा में ले जा रहा है? क्या वह ऐसी जगह खोल रहा है, जहां व्यक्ति अपनी इच्छा और सीमाओं के साथ खड़ा हो सके या फिर वह प्रेम को एक नए सांचे में ढाल रहा है, जहां अपेक्षाएं बदली हैं, पर दबाव अब भी मौजूद हैं। इस बार फिल्टर, मुस्कान और सार्वजनिक स्वीकार्यता के साथ।

कल्पना मनोरमा
साहित्यकार, नोएडा

जेन-जी और प्रेम की पहचान

जेन-जी का प्रेम खुलेपन और संवाद का दावा करता है। इस पीढ़ी ने रिश्तों की भाषा बदल कर रख दी। यह संस्कृति अब पहले से अधिक बोलती है, सवाल पूछती है और सहमति को केंद्र में रखती है। जहां पहले चुप्पी, सामाजिक भय और अस्पष्टता हावी थे, वहां अब शब्द, भाषा, अभिनय हैं, नाम हैं, श्रेणियां हैं और परिभाषाएं हैं। यह परिवर्तन प्रगतिशील तो है, लेकिन इसमें एक प्रकार की जल्दबाजी भी दिखाई देती है। भावनाओं को समय देने के बजाय, उन्हें तुरंत पहचान और लेबल चाहिए। क्रश, सिचुएशनशिप, रिलेशनशिप, एक्स आदि-आदि। जैसे प्रेम कोई प्रक्रिया नहीं, बल्कि चरणबद्ध फॉर्म हो, जिसे भरते ही अगला विकल्प खुल जाए। इस क्रम में प्रेम का वह हिस्सा पीछे छूट जाता है, जो अनिश्चित होता है, जो स्पष्ट नहीं होता, जो खुद को समझने के लिए समय मांगता है। वह भावनात्मक क्षेत्र, जहां सवाल होते हैं, पर जवाब तुरंत नहीं मिलते, जहां ठहराव जरूरी होता है, अब असुविधाजनक लगने लगा है। इसके ठीक उलट, परंपरागत प्रेम अक्सर एक धुन की तरह जिया जाता था। धीमी, दोहराव भरी और समय के साथ गहराती हुई। उसमें नाम देर से मिलते थे, लेकिन साथ होने का अनुभव पहले आता था। यह भी सच है कि उस मौन में हमेशा गरिमा नहीं थी। कई बार वह मौन स्त्री की असहाय चुप्पी का रूप भी ले लेता था। इसलिए उस अतीत को आदर्श मानना उचित नहीं। फिर भी, प्रेम को समय की जरूरत आज भी है-सुनने के लिए, बदलने के लिए और कभी-कभी बिना तुरंत निष्कर्ष निकाले साथ बने रहने के लिए। जब प्रेम स्टेटस अपडेट में बदल जाता है, तो वह उस लय से कट जाता है, जिसमें प्रेम केवल कहा नहीं जाता था, बल्कि धीरे-धीरे जिया जाता था।

सोशल मीडिया का प्रेम

वेलेंटाइन, जेन-जी के लिए अब निजी अनुभव कम और सार्वजनिक प्रस्तुति अधिक बन गया है। प्रेम की घोषणा अब केवल शब्दों में नहीं होती, वह दृश्य में बदल जाती है। तस्वीरों, स्टोरीज और प्रतिक्रियाओं के जरिए। "हम खुश हैं" अब बताया नहीं जाता, दिखाया जाता है। प्रेम का मूल्य उसकी दृश्यता से तय होने लगा है। कितनी स्टोरीज, कितनी पोस्ट, कितना रिएक्शन, जो प्रेम दिखा नहीं, वह जैसे घटित ही नहीं हुआ। अनुभव अब स्मृति में नहीं, फीड में दर्ज होता है। यह दृश्यता अपने-आप में साहस भी है- प्रेम को छुपाने के पुराने डर से एक तरह की मुक्ति भी, लेकिन समझना ये भी होगा कि इसके साथ ही तुलना की एक कठोर संस्कृति भी जन्म लेती है। किसका गिफ्ट बड़ा, किसकी पोस्ट ज्यादा वायरल, किसका रिश्ता अधिक 'क्यूट'। किसकी प्रेमी और प्रेमिका कितनी क्यूट। प्रेम अनुभव कम, प्रतिस्पर्धी ज्यादा होने लगता है। इस दौड़ में वह प्रेम, जो कैमरे में नहीं आ पाया, जो चुपचाप जिया गया, अक्सर कमतर मान लिया जाता है। यद्यपि यह दबाव सभी पर है, इसका भावनात्मक भार प्रायः स्त्रियां अधिक ढोती हैं। खुश न दिख पाने का, पर्याप्त न होने का, और "सही तरीके से" प्रेम न कर पाने का अपराधबोध।

बाजार व रोमांस

वेलेंटाइन जेन-जी के लिए प्रेम से अधिक एक कंज्यूमर इवेंट में बदलता जा रहा है। फूल, चॉकलेट, डेट, ट्रिप मानो भावनाएं तब तक वैध न हों, जब तक उनकी कोई रसीद न हो। प्रेम का उत्सव बाजार की भाषा में आयोजित होने लगता है, जिनके पास साधन सीमित हैं, उनका प्रेम जैसे अधूरा ठहर जाता है और जिनके पास साधन हैं, वे भी प्रेम से ज्यादा उसके पैकेज में उलझ जाते हैं। कौन सा सरप्राइज, कौन सा रेस्तरां, कौन सा ट्रेंड। बाजार प्रेम को उत्पाद में बदल देता है। संवेदना महंगी होती जाती है और प्रेम अपनी सहजता खोने लगता है।

स्वतंत्रता बनाम असुरक्षा

जेन-जी स्वतंत्रता की बात करती है- "स्पेस चाहिए", "बाउंड्रीज जरूरी हैं।" यह एक जरूरी सुधार है, क्योंकि पुराने रिश्ते अक्सर नियंत्रण, त्याग और चुप सहने पर टिके थे। आज संबंधों में व्यक्तिगत सीमाओं की पहचान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसी स्वतंत्रता के साथ एक नई असुरक्षा भी जन्म लेती है। हर रिश्ता रिवर्सिबल है-अनफॉलो, ब्लॉक, मूव-ऑन। यह सुविधा रिश्तों को हल्का नहीं, बल्कि अस्थिर बना देती है। ठहराव की जगह विकल्प ले लेते हैं। धैर्य घटता है। कठिन समय में साथ बने रहना, असहमति सहना और रिश्ते की मरम्मत करना- ये गुण धीरे-धीरे दुर्लभ होते जा रहे हैं। इस अस्थिरता का प्रभाव अक्सर स्त्रियों पर अधिक पड़ता है, जिन्हें भावनात्मक रूप से 'एडजस्ट' करने की सामाजिक ट्रेनिंग अब भी मिली हुई है।

सहमति और सतर्कता

ये भी कहना अनुचित न होगा कि जेन-जी का एक बड़ा योगदान भी है। स्पर्श हो, डेट हो या कमिटमेंट हर स्तर पर बातचीत। यह प्रेम को पहले से अधिक सुरक्षित बनाता है, विशेषकर स्त्रियों के लिए, लेकिन जब हर भावना नियमों और शर्तों में बंधने लगे, तब प्रेम धीरे-धीरे अनुबंध में बदलने लगता है। सहजता पर सतर्कता हावी हो जाती है- कुछ गलत न हो जाए। प्रेम को नियमों की जरूरत है, लेकिन उससे ज्यादा भरोसे की, उस भरोसे की, जिसमें स्त्री को बार-बार अपनी मंशा साबित न करनी पड़े।

तात्कालिकता का प्रेम

जेन-जी तेजस पीढ़ी है। रिप्लाई देर से आए तो बेचैनी, समस्या आए तो ब्रेक-अप। संवाद और मरम्मत की जगह त्वरित समाधान ने ले ली है। रिश्ते भी अब उसी गति से जीए जाने लगे हैं, जिस गति से ऐप्स अपडेट होते हैं, लेकिन गहराई समय से आती है। साथ रहने से, असहमति सहने से और एक-दूसरे को बदलते हुए देखने से। वेलेंटाइन का एक दिन यह धैर्य नहीं सिखाता। प्रेम का अभ्यास रोज का होता है, बिना कैमरे, बिना तालियों के।

स्लैप डे और उसके बाद

वेलेंटाइन सप्ताह का कैलेंडर जब "स्लैप डे" तक पहुंचता है, तो वह प्रेम के उत्सव को अचानक एक अजीब व्यंग्य में बदल देता है। यह दिन मजाक, मीम और हंसी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके भीतर एक गहरी असहजता छिपी होती है। प्रेम, जो अब तक प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा का विषय था, यहां आकर अस्वीकृति और अपमान के रूपक में बदल जाता है। "स्लैप डे" दरअसल इस बात का संकेत है कि आधुनिक प्रेम केवल जुड़ने का नहीं, बल्कि तुरंत अलग हो जाने का भी उत्सव मनाता है। जहां पहले संबंधों के टूटने को निजी पीड़ा माना जाता था, वहां अब वह सार्वजनिक मनोरंजन बनता जा रहा है। असफल रिश्ते भी अब साझा किए जाते हैं- कभी कटाक्ष में, कभी व्यंग्य में, कभी मजाक की भाषा में। यह प्रवृत्ति भावनाओं को हल्का नहीं, बल्कि सतही बना देती है। असहमति, दूरी या टूटन को समझने और संभालने की जगह, उन्हें जल्दी-जल्दी खारिज कर देना आसान विकल्प लगता है। संबंधों में ठहराव, आत्ममंथन और मरम्मत की गुंजाइश कम होती जाती है। स्लैप डे और उसके बाद का यह दौर हमें यह सोचने पर विवश करता है कि प्रेम केवल घटित होने और समाप्त हो जाने की घटनाओं का नाम नहीं है। वह उन क्षणों में भी मौजूद रहता है, जहां कोई उत्सव नहीं होता, कोई दर्शक नहीं होते और कोई त्वरित निर्णय नहीं लिया जाता। प्रेम शायद उस ठहराव का अभ्यास है, जिसमें मनुष्य जल्दीबाजी के विरुद्ध खड़ा रहता है। समय को सुनता है, असुविधा से भागता नहीं और हर टूटन को तत्काल त्याग में नहीं बदलता। जेन-जी की तेज गति के पीछे, यह प्रेम भले ही अप्रासंगिक या पुराना प्रतीत हो, लेकिन वही प्रेम सत्य के अधिक निकट है। वह शुरू होने या टूटने से परिभाषित नहीं होता, बल्कि साथ टिके रहने की इच्छा से उस धैर्य से, जिसे हमने सुविधा और तात्कालिकता के शोर में धीरे-धीरे भुला दिया है, रुका रहता है।

आरोग्य का मूल मंत्र

सही समय पर, सही भोजन

स्वस्थ जीवन मानव जीवन की सबसे बड़ी संपदा है। आधुनिक युग में भौतिक प्रगति, सुविधाओं और व्यस्त जीवनशैली ने मनुष्य को आराम तो दिया है, परंतु स्वास्थ्य के मूल सिद्धांतों से दूर भी कर दिया है। अनियमित दिनचर्या, देर रात भोजन करना, जंक फूड का बढ़ता सेवन और शारीरिक श्रम की कमी के कारण आज छोटी आयु में ही अनेक रोग देखने को मिल रहे हैं। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, पाचन विकार और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं सामान्य होती जा रही हैं। आयुर्वेद में इन सभी रोगों का मूल कारण आहार एवं विहार में असंतुलन माना गया है। रुहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली निरंतर जन-स्वास्थ्य जागरूकता के माध्यम से यह संदेश देता रहा है कि यदि व्यक्ति सही भोजन और सही समय पर भोजन को अपने जीवन में अपनाए, तो वह दीर्घकाल तक स्वस्थ रह सकता है। यही आरोग्य का मूल मंत्र है।

संतुलित आहार की अवधारणा

- संतुलित आहार वह है, जिसमें सभी पोषक तत्व उचित मात्रा में उपस्थित हों।
- अनाज शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।
- दालें और फलियां प्रोटीन का स्रोत होती हैं।
- सब्जियां विटामिन और खनिज प्रदान करती हैं।
- घी और तेल शरीर में स्निग्धता बनाए रखते हैं।
- आयुर्वेद में घी को विशेष महत्व दिया गया है, क्योंकि यह पाचन अग्नि को संतुलित रखता है और मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ करता है। संतुलित आहार से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति स्फूर्तिवान रहता है।

भोजन और शयन का अंतर

आयुर्वेद के अनुसार रात्रि भोजन और शयन के बीच कम से कम 2 से 3 घंटे का अंतर होना चाहिए। भोजन के तुरंत बाद सोना पाचन के लिए हानिकारक है और इससे अनेक रोग उत्पन्न होते हैं।

ऋतु के अनुसार भोजन

आयुर्वेद में ऋतुचर्या का विशेष महत्व है। ग्रीष्म ऋतु में हल्का और शीतल भोजन, वर्षा ऋतु में सुपाच्य भोजन तथा शीत ऋतु में पौष्टिक और गरम तासीर वाला भोजन शरीर को संतुलन में रखता है। ऋतु के अनुसार भोजन करने से दोषों का संतुलन बना रहता है और रोगों से बचाव होता है।

भोजन और मानसिक स्वास्थ्य

भोजन का प्रभाव केवल शरीर पर ही नहीं, बल्कि मन पर भी पड़ता है। सात्विक आहार मन को शांत, स्थिर और सकारात्मक बनाता है, जबकि तामसिक आहार आलस्य और नकारात्मकता को बढ़ाता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए सात्विक भोजन और नियमित दिनचर्या अत्यंत आवश्यक है।

स्वास्थ्य किसी एक औषधि से नहीं, बल्कि सही जीवनशैली से प्राप्त होता है। आयुर्वेद का सरल और प्रभावी सिद्धांत- सही भोजन और सही समय पर भोजन- आज के युग में अत्यंत प्रासंगिक है। **रुहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली** निरंतर समाज को इस दिशा में जागरूक कर रहा है कि यदि आहार और समय का संतुलन बना लिया जाए, तो अधिकांश रोगों से बचाव संभव है और जीवन स्वस्थ, सुखी व दीर्घायु बन सकता है। यही आरोग्य का सच्चा मूल मंत्र है।

सही भोजन का वास्तविक अर्थ

सही भोजन का अर्थ केवल स्वाद या पेट भरने से नहीं है, बल्कि ऐसा आहार है, जो शरीर की प्रकृति, आयु, ऋतु और कार्य-क्षमता के अनुरूप हो। अत्यधिक तला, मसालेदार, बासी अथवा जंक फूड पाचन शक्ति को कमजोर करता है और रोगों को जन्म देता है। इसके विपरीत ताजा, सुपाच्य और संतुलित भोजन शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करता है। आयुर्वेद में भोजन की मात्रा, गुणवत्ता और संयोजन, तीनों पर समान बल दिया गया है। यही कारण है कि सही भोजन को आयुर्वेदिक चिकित्सा का प्रथम चरण माना गया है। आयुर्वेद में आहार को औषधि के समान महत्व दिया गया है। चरक संहिता में वर्णित है कि उचित आहार का सेवन करने वाले व्यक्ति को औषधियों की आवश्यकता बहुत कम पड़ती है। आहार से ही शरीर की वृद्धि, बल, वर्ण, ओज और आयु का निर्धारण होता है। दोष, धातु और मल, इन तीनों का संतुलन आहार पर ही निर्भर करता है। यदि आहार शुद्ध, संतुलित और समयानुकूल हो, तो शरीर स्वाभाविक रूप से रोगों से सुरक्षित रहता है।

भोजन का सही समय और जठराग्नि

आयुर्वेद के अनुसार जठराग्नि स्वास्थ्य की कुंजी है। जठराग्नि भोजन को पचाकर शरीर को ऊर्जा और पोषण प्रदान करती है। यह अग्नि दिन के विभिन्न समयों में अलग-अलग स्तर पर सक्रिय रहती है। यदि भोजन जठराग्नि के अनुकूल समय पर किया जाए, तो वह पूरी तरह पचता है, जबकि गलत समय पर किया गया भोजन अपच और रोगों का कारण बनता है। इसलिए सही भोजन के साथ-साथ सही समय पर भोजन करना भी अत्यंत आवश्यक है।

- प्रातः काल जल सेवन (सुबह 5:30 से 6:30 बजे)
  आयुर्वेद में दिन की शुरुआत गुनगुने जल से करने की सलाह दी गई है। यह शरीर की शुद्धि करता है, पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और मल त्याग को नियमित बनाता है। इस समय भारी भोजन नहीं करना चाहिए, क्योंकि जठराग्नि अभी पूर्ण रूप से सक्रिय नहीं होती।
- प्रातः काल नाश्ता (सुबह 7:30 से 9:00 बजे)
  नाश्ता हल्का, सुपाच्य और पोषणयुक्त होना चाहिए। फल, दलिया, अंकुरित अनाज या हल्की खिचड़ी इस समय उपयुक्त मानी जाती है। अत्यधिक भारी या तला नाश्ता करने से पाचन प्रभावित होता है और दिनभर आलस्य बना रहता है।
- मध्याह्न भोजन- दिन का मुख्य भोजन (दोपहर 12:00 से 2:00 बजे)
  दोपहर का समय भोजन के लिए सर्वोत्तम माना गया है। इस समय सूर्य अपने उच्चतम स्थान पर होता है और जठराग्नि सबसे प्रबल रहती है। आयुर्वेद के अनुसार दिन का सबसे भारी और पौष्टिक भोजन इसी समय करना चाहिए। इस समय लिया गया भोजन अच्छी तरह पचता है और शरीर को बल, ऊर्जा तथा आवश्यक पोषण प्रदान करता है।
- सायंकाल हल्का आहार (शाम 4:30 से 5:30 बजे)
  सायंकाल हल्का आहार जैसे फल, सूप या हर्बल पेय लेना उपयुक्त होता है। इस समय अधिक तला-भुना या मीठा भोजन करने से रात्रि के पाचन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- रात्रि भोजन (शाम 6:30 से 8:00 बजे)
  रात्रि भोजन हल्का, सुपाच्य और सीमित मात्रा में होना चाहिए। खिचड़ी, सूप या उबली सब्जियां इस समय के लिए उपयुक्त मानी जाती हैं। देर रात भोजन करने से जठराग्नि कमजोर हो जाती है और गैस, कब्ज तथा मोटापा जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

बबूल की फलियां स्वाद भी, सेहत भी

क्या आपको पता है कि बबूल यानी कीकर की ये फलियां आयुर्वेद में औषधीय महत्व वाली मानी जाती हैं और हमारे देश के राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में इन्हें सब्जी के रूप में खाया भी जाता है। गांवों की पारंपरिक मान्यता अब वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सिद्ध हो चुकी है कि इन्हें खाने से शरीर को एक साथ कई लाभ मिलते हैं। चूंकि इनमें बहुत सारे प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो पेट की समस्याओं जैसे गैस, अपच और दस्त में राहत देते हैं। इनमें कैल्शियम जैसे खनिज भी पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूत करते हैं और जोड़ों के दर्द से राहत दिलाते हैं। साथ ही इसमें घाव भरने और त्वचा को स्वस्थ रखने के भी गुण हैं। इनका कसैला स्वाद इन्हें शुगर नियंत्रण करने योग्य बनाता है।

आयुर्वेदिक ग्रंथों के अनुसार बबूल की फलियों के नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे मौसमी बीमारियों से बचाव होता है। इन सबके अतिरिक्त इसके बीजों में ऊर्जा का भंडार भरा हुआ है, जो दुर्बल शरीर वालों को पुष्ट बना देता है, दुर्बलता दूर कर ऊर्जा से परिपूर्ण कर देता है। इतने सारे स्वास्थ्य लाभ के अलावा बबूल की इन फलियों की सब्जी बहुत स्वादिष्ट लगती है, शर्त यही है कि सही ढंग से, सही विधि से बनाया जाए। वैसे तो औषधीय गुणों के कारण इसे नियमित भोजन का हिस्सा बनाया जा सकता है, लेकिन अति सेवन से नुकसान हो सकता है। अतः सीमित मात्रा में सेवन किया जाना चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा में खाने से कब्ज की समस्या हो सकती है। हां, कच्ची फलियों का सेवन नहीं किया जाना चाहिए, हमेशा इन्हें पकाकर ही खाना चाहिए। हमारे घर के आसपास बबूल के पेड़ बहुतायत से उपलब्ध हैं, तो इसकी फलियों के लिए हमें बाजार का मुंह नहीं देखना पड़ता।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह परिश्रम और प्रयास करने पर पूरा फल प्राप्त होगा। आपके कार्य में आ रही अड़चनें स्वतः दूर होती हुई नजर आएंगी। स्वजनों एवं शुभचिंतकों का पूरा सहयोग और समर्थन मिलता रहेगा। करियर और कारोबार की दृष्टि से सप्ताह आपके लिए शुभता लिए हुए है।

वृष
यह सप्ताह थोड़ा-उतार चढ़ाव लिए रह सकता है। करियर हो या कारोबार में आपको योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर ही मनचाही सफलता मिल पाएगी। नौकरीपेशा लोगों को अपना कार्य किसी दूसरे पर छोड़ने की भूल करने से बचना होगा, अन्यथा उसके बिगड़ने पर मान-सम्मान को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

मिथुन
इस सप्ताह आपके लिए कुछ चीजों को लेकर मौन धारण कर लेना श्रेयस्कर साबित हो जाएगा। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो आपको कार्यक्षेत्र में विरोधियों से उलझने की बजाए अपने कार्य को बेहतर करने पर फोकस करना चाहिए। सप्ताह के उत्तरार्ध तक सभी चीजें पटरी पर आती हुई नजर आएंगी।

कर्क
इस सप्ताह नुकसान का सौदा साबित हो सकता है। ऐसे में किसी भी कार्य को कल पर न टालें और लोगों के साथ विनम्रता से बात-व्यवहार करें। इस सप्ताह बोलने की बजाय लोगों को अधिक सुनना आपके लिए अधिक श्रेयस्कर साबित होगा।

सिंह
यह सप्ताह मिश्रित फलदायक है। सप्ताह की शुरुआत के मुकाबले उत्तरार्ध में आपको ज्यादा सचेत रहने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान आपके विरोधी सक्रिय रहते हुए आपके मान-सम्मान आदि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। यह सप्ताह आर्थिक दृष्टि से कठिनाई भरा रह सकता है।

कन्या
इस सप्ताह बीते कुछ समय से चले आ रही परेशानियों से उबरने का अवसर प्राप्त होगा, लेकिन एक बार फिर परिस्थितियां आपके प्रतिकूल होती नजर आएंगीं। आपको अपने किसी भी कार्य में लापरवाही बरतने से बचना चाहिए अन्यथा हाथ आई सफलता भी फिसल कर निकल सकती है। आपको समर्पित भाव से प्रयास करने पर ही लक्ष्य की प्राप्ति संभव हो पाएगी।

तुला
इस सप्ताह कार्य में शार्टकट लेने अथवा नियमों का उल्लंघन करन से बचना चाहिए अन्यथा लाभ की जगह नुकसान होने की आशंका बनी रहेगी। किसी कार्य विशेष को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को लेकर मन परेशान रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने उच्च अधिकारियों से अपेक्षित सहयोग और समर्थन कम मिल पाएगा।

वृश्चिक
इस सप्ताह सामान्य फलदायी रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों और अधीनस्थों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ लोगों के दिशा-निर्देश का पालन करते हुए अपने कार्य को समय पर पूरा करने का प्रयास करें अन्यथा आपको परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

धनु
इस सप्ताह सोचे हुए अधिकांश समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होते हुए नजर आएंगे। घर और बाहर दोनों जगह लोगों का समर्थन और सहयोग प्राप्त होगा, जिसके कारण आपके भीतर उत्साह और सकारात्मकता बनी रहेगी। इस सप्ताह सौभाग्य का साथ मिलने के कारण न सिर्फ आपको कार्यों में सफलता प्राप्त होगी, बल्कि अटके हुए कार्य भी तेजी से पूरे होते हुए नजर आएंगे।

मकर
इस सप्ताह जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते समय तमाम तरह की अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। सोचे हुए कार्य समय पर न पूरे होने अथवा उसमें अड़चन आने से आपके भीतर झुंझलाहट और क्रोध की अधिकता देखने को मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों की जिम्मेदारियों में बदलाव होने की आशंका है।

कुंभ
इस सप्ताह किसी भी कार्य में यदि कोई समस्या आती है, तो अपना आपा न खोएं और शांत मन से उसका समाधान खोजने का प्रयास करें। नौकरीपेशा लोगों के प्रारंभ में कामकाज का अतिरिक्त दबाव बना रह सकता है, लेकिन सुखद पहलू यह है कि उसे निपटाने में आपके अधीनस्थ और शुभचिंतक काफी मददगार साबित होंगे।

मीन
यह सप्ताह काफी आपाधापी भरा रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही आप पर कामकाज का अतिरिक्त दबाव बना रहेगा। इस सप्ताह आपको सोचे हुए कार्यों को समय पर मनचाहे तरीके से पूरा करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करने पड़ेंगे। दूसरों पर निर्भर रहने की बजाय स्वयं अपने कार्यों को सही तरीके से करने का प्रयास करना उचित रहेगा।

खजूर: स्वास्थ्य, शक्ति और पोषण का अद्भुत खजाना

खजूर को पूर्ण आहार कहा जाता है, इसलिए उसे सभी उपवास में उपयोग में लाया जाता है, ताजे, हरे खजूर का रायता बनाया जाता है, खजूर की चटनी बनती है, केक और पुडींग में खजूर का उपयोग किया जाता है। छुहारा सूखे मेवे का हिस्सा है, खजूर के पत्तों से घर का छप्पर, झाड़ू, ब्रश आदि बनाया जाता है, इसके तने इमारतों के आधार के तौर पर उपयोगी हैं। इसके रेशे रस्सियां बनाने के काम आते हैं।

खजूर खाने के फायदे

- एनीमिया (खून की कमी) में रामबाण, गठिया के लिए एक उत्तम औषधि है।
- महिलाओं के पैर दर्द, कमर दर्द में आराम देता है।
- कब्ज से छुटकारा मिलता है।
- पाचन विकार दूर करता है। अल्सर, एसिडिटी में राहत देता है।
- शरीर में शक्ति बढ़ाने के लिए बहुत उत्तम, मधुर, पौष्टिक, बलवर्धक, श्रम हारक और संतोष दिलाने वाला खजूर शीतल गुण वाला है। सुखाए हुए खजूर को खारक कहा जाता है। खजूर के सारे गुण खारक में पाए जाते हैं।
- एनीमिया (खून की कमी) में रामबाणः- खून में आयरन की मात्रा कम हो जाने से थकान, घबराहट, दिल की धड़कन बढ़ना जैसी तकलीफ होती है। ऐसे में इक्कीस दिन लगातार 4-5 खजूर खाने चाहिए। पुराने एनीमिया में, दिमाग को खून की आपूर्ति कम होती है, जिसके कारण भूल जाना, चक्कर आना, अवसाद आदि लक्षण पाए जाएं, तो छह महीने तक आहार में 7-8 खजूर लें। इससे राहत मिलती है।
- खजूर गठिया के लिए एक उत्तम औषधिः- दुर्बलता में पैर दर्द तथा गठिया में, एक कप गरम दूध में एक चम्मच गाय का घी और एक चम्मच खजूर का पाउडर मिलाकर, गर्म ही पिलाएं।
- महिलाओं के पैर दर्द, कमर दर्द में आराम देता हैः- ज्यादातर महिलाओं में पैर दर्द, कमर दर्द की शिकायत होती है। ऐसे में 5 खजूर आधा चम्मच मेथी के साथ दो ग्लास पानी में, आधा होने तक उबालें। गुनगुना होने के बाद पिलाएं। इस से राहत मिलती है।
- कब्ज से छुटकारा मिलता हैः- अगर सुबह पेट साफ न हो, तो 5-6 खजूर रात में पानी में भिगोए। सुबह अच्छी तरह खजूर निचोड़कर वह पानी पिलाएं। खजूर रेचक है। पेट साफ करता है।
- पाचन विकार दूर होता हैः- आंतों में पाचन के लिए जरूरी विशिष्ट सूक्ष्म जीवों की संख्या खजूर से बढ़ती है। उससे पाचन क्रिया में सुधार होता है।
- अल्सर, एसिडिटी में राहत मिलती हैः- खजूर पाचन क्रिया को सुधारता है, जिससे अल्सर और एसिडिटी जैसी बीमारियां ठीक होने में मदद होती है।
- शरीर में शक्ति बढ़ाने के लिए बहुत उत्तमः- छोटे बच्चों की अच्छी सेहत के लिए हर रोज एक खजूर, दस ग्राम चावल के पानी में पीस लें। उसी में थोड़ा पानी मिलाकर दिन में तीन बार पिलाएं।
- बढ़ती उम्र के बच्चों को खजूर घी में भिगोकर खिलाएं। नियमित तौर पर खजूर खाने से वजन बढ़ने में एवं शरीर बलवान होने में मदद मिलती है। घी जोड़ों को स्नेहन दिलाता है तथा खारक हड्डियों को मजबूत करता है।
- ढलती उम्र के लोगों को खारक और गर्म दूध नियमित तौर पर लेने से शक्ति बढ़ती है। शरीर में नया खून बनता रहता है।

खजूर में पाए जाने वाले तत्व

विटामिन-ए से शरीर के अंग अच्छी तरह से विकसित होते हैं। विटामिन-बी हृदय के लिए लाभदायी होता है। इससे दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। भूख बढ़ती है। विटामिन-सी से शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। टी.बी.रोगियों की दुर्बलता दूर कर, उन्हें बल प्रदान करता है। खजूर धातुवर्धक तथा कफनाशक है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 45

	4	21		7	5		
5			4 10				
16						3	4
	9 6				4 10		
7				6 3			
15						5	
3			6				
				3			

काकुरो 44 का हल

	4	7			3	27	
3	1	2	4	4 11	1	3	
22	3	4	1	5	2	7	11 16
	6	1	3	2	23 10	8	6 9
	4	10	28 11	3	4	9	5 7
17	3	6	5	1	2	6	18
7	1	4	2	3 7	1	2	4 16
		23	1	2	3	4	6 7
		4	3	1		17	8 9

संस्मरण

प्राइवेट टीचर

छुट्टी की घंटी बजते ही उस छोटे से स्कूल के छोटे से परिसर में एक अलग ही हलचल शुरू हो जाती थी। एक तरफ छोटे-छोटे कदम, रंग-बिरंगे बैग, आपस में टकराती हंसी और शोर, साथ ही सबसे पहले अपने अभिभावक तक पहुंचने की प्यारी सी नटखट होड़ होती थी। वहीं दूसरी तरफ अभिभावकों की बेचैन निगाहें, जो बच्चों की भीड़ में से अपने बच्चे को पाने के लिए बेताब होती थीं। दरअसल उनके बीच भी एक होड़ ही होती थी कि किसको अपना बच्चा पहले मिल जाए। यह दृश्य हुआ करता था मेरी बेटी अन्वी की पहली पाठशाला का। मैं इसे देखकर इतना रोमांचित हो जाता था कि बारंबार देखकर भी मेरा मन नहीं भरता था। चूंकि मैं खुद एक शिक्षक हूं, इसलिए कभी कभार ही, जब मैं संयोग से घर पर होता था, मुझे अपनी बेटी को छुट्टी के वक्त स्कूल से लाने का मौका मिलता था।

एक तरफ सौ से ज्यादा बच्चों की उतावलेपन से भरी चहचहाहट और दूसरी तरफ उतने ही अभिभावकों की बेचैन निगाहों के साथ उनके मुंह से अपने बच्चों का नाम लेकर गूंजती हुई आवाजें, इस दृश्य से कहीं ज्यादा जो मुझे आकर्षित और प्रभावित करता था, वो था धीरे-धीरे इस भीड़ के कम होने का खूबसूरत सा तरीका। दो तरफ की बेचैन भीड़ को बेहद कुशल, बल्कि अगर सच कहूं, तो बेहद स्मार्ट ढंग से मैनेज करके नियंत्रित रफ्तार से कम करते हुए और आखिर में खत्म करने का हुनर रखना सबके बस की बात नहीं होती।

शिशिर शुक्ला
साहित्यकार

यह चुनौतीपूर्ण कार्य, वो भी एक बेहतरीन ढंग से, स्कूल की ही एक शिक्षिका करती थीं, जिनको बच्चे 'कनिष्का मैम' कहकर बुलाया करते थे। खास बात तो ये थी कि किसी एक बच्चे को लेने कोई एक ही अभिभावक नहीं आता था, बच्चे के पापा, मम्मी, दादी, बाबा, चाचा, चाची, पड़ोसी इनमें से कोई भी किसी भी दिन छुट्टी के वक्त प्रकट हो सकता था, लेकिन अभिभावक के चेहरे पर नजर पड़ते ही बिना एक पल की देरी के बच्चे का नाम जुबान पर आ जाना, ये कनिष्का मैम का स्पेशल टैलेंट था। मैं अगर अपनी बात करूं, तो भाई मेरे पास तो एक ही अभिभावक रोज आए, तो भी मैं रोज उससे पूछूंगा कि "आप, किसे लेने आए हैं।" लेकिन कनिष्का मैम को मैंने कभी भूल से भी किसी अभिभावक से यह प्रश्न पूछते नहीं पाया। इस बड़ी जिम्मेदारी को निभाते वक्त उनके स्टाइल में केवल दो ही स्टेप होते थे- एक अभिभावक का चेहरा देखना और दूसरा बच्चे का नाम बोल देना।

दरअसल अन्वी का पहला स्कूल नगर का ही एक छोटा सा स्कूल था, जो घर से बहुत ज्यादा दूर नहीं था। स्कूल इंग्लिश मीडियम था लेकिन केवल कक्षा पांच तक था। स्कूल में सभी शिक्षक महिला थीं। कम वेतन, सीमित संसाधन और छोटे-छोटे बच्चों की जिम्मेदारियों का पहाड़, लेकिन फिर भी उनमें से किसी के चेहरे पर कभी कोई तनाव या शिकन नहीं नजर आती थी।

कनिष्का मैम मेरी बेटी की पहली और सबसे पसंदीदा शिक्षिका थीं। मैंने अन्वी का एडमिशन नर्सरी क्लास में कराया था। धीरे-धीरे चार साल के वक्त ने मेरी नजरों के सामने ही मेरी बेटी को बड़ा करके कब सेकंड क्लास में पहुंचा दिया, मुझे खुद नहीं पता चला। टीचर वेतन पर ध्यान न देते हुए बच्चों को गढ़ने, तराशने और संवारने की जीतोड़ कोशिश, ये सब मैंने अपनी बेटी के पहले स्कूल में बड़ी खूबसूरती के साथ देखा था। स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती प्रिया से सीखा जा सकता था कि परिवार और पाठशाला दोनों का बेहतरीन नेतृत्व एक साथ कैसे किया जाए। 30 किलोमीटर की दूरी से रोज आना जाना, 7 घंटे का समय पूरी सक्रियता के साथ स्कूल को देना और बचा हुआ समय परिवार को, इस व्यस्त दिनचर्या में भी उनका चेहरा हमेशा ऊर्जा और मुस्कान से खिला हुआ नजर आता था। स्कूल की सारी शिक्षिकाएं केवल क्लास में ही सक्रिय नहीं रहतीं, बल्कि हर एक एक्टिविटी और कार्यक्रम में उनके परिश्रम का एक अलग ही रूप दिख जाता था। चाहे पीटीएम हो या कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय पर्व हो या फिर कभी किसी बच्चे की तबीयत खराब हो, हर मौके पर सारी शिक्षिकाएं पूरी लगन से आगे खड़ी दिखतीं। स्कूल की वाइस प्रिंसिपल अनन्या मैम, अनूजा मैम, श्रद्धा मैम, खुशी मैम, कल्पना मैम और सारी टीचर सभी के स्वभाव में एक खास बात थी और वो थी बच्चों के प्रति अपनापन। समय-समय पर बच्चों को बाहर विजिट करवाना, तरह-तरह के खेल आयोजित करना, संगीत, नृत्य, कम्प्यूटर, नाटक कुछ भी ऐसा नहीं था, जो स्कूल में बच्चों को सिखाने का प्रयास न किया जाता हो। बच्चों की छुट्टी के बाद साथ बैठकर कॉपी चेक करना, अटेंडेंस रजिस्टर मेन्टेन करना, रिजल्ट शीट तैयार करना, काम तो बहुत सारे थे, लेकिन शिक्षिकाएं इनको हंसी-खुशी के माहौल में ही बखूबी पूरा कर देती थीं।

दिन यूं ही बीतते रहे। कक्षा नर्सरी से जूनियर केजी, फिर सीनियर केजी, फर्स्ट, सेकंड और अब आगे की तैयारी, लेकिन जिंदगी यहां पहुंचकर अब एक नया मोड़ ले चुकी थी। जल्द ही हम लोगों को शहर में अपने नए घर में शिफ्ट होना था। दूसरे शब्दों में कहूं तो मेरी बेटी का पहला स्कूल छूटने वाला था। यह सोचकर हम दोनों की आंखों में नमी उतर आई थी, क्योंकि चार साल के वक्त ने स्कूल के साथ एक अजीब सा, लेकिन बहुत गहरा रिश्ता जोड़ दिया था। आखिरकार वो दिन आया जब मेरी बेटी का सेकंड क्लास का रिजल्ट मिलना था, लेकिन इस बार का रिजल्ट डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम हर बार से थोड़ा अलग था। स्कूल में कदम रखते ही मेरी बेटी की नजरें एक-एक करके हर उस क्लासरूम पर जा रही थीं, जिसमें वो कभी कुछ सीखने के लिए बैठी थी। वो हर उस टीचर को बार-बार देख रही थी, जिनसे सीखते-सीखते उसका बचपन समझदारी की गोद में बैठा था। वो उस छोटी सी जगह को देखकर भावुक हो जा रही थी, जहां वो असेंबली और खेल के लिए जाया करती थी। सब कुछ तो वही था, लेकिन आज मेरी बेटी अन्वी की मासूमियत को एक गहरी मायूसी ने ढक लिया था। आखिरकार प्रिंसिपल मैम ने अन्वी को रिजल्ट दिया। अब अन्वी की आंखों में आंसू छलकने लगे थे। रुंधे गले से उसने सिर्फ इतना कह पाई, "मैम, मैं आप लोगों के साथ एक फोटो लेना चाहती हूं।" यह सब देखकर अजीब सी भावनाएं मुझे भी अपने आगोश में लिए जा रही थीं। फोटो के बाद प्रिंसिपल और कनिष्का मैम ने मेरी बेटी को समझाते हुए कहा, "बेटा, कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है। तुम खूब पढ़ना और आगे बढ़ना।" यह कहते हुए हम लोग स्कूल के गेट पर आ गए थे। मेरी बेटी ने अपनी टीचर्स को दुःखी मन से नमस्ते किया और मेरे साथ स्कूटी पर बैठ गई। स्कूटी आगे बढ़ रही थी, लेकिन मेरी बेटी की नजरें पीछे मुड़कर अपने स्कूल को देखे जा रही थीं। न जाने क्यों ऐसा लग रहा था कि मानो उससे कुछ ऐसा छूट रहा हो, जिससे उसे बेहद प्यार था। घर आकर मैंने भी अपनी उदास बेटी को समझाने की कोशिश की। धीरे-धीरे हम लोग नए घर में शिफ्ट हो गए। मेरी बेटी को भी एक नया स्कूल और नया माहौल मिल गया।

अब मेरी बेटी बड़ी हो चुकी थी। उसकी पढ़ाई पूरी हो चुकी थी। ईश्वर की कृपा से एक अच्छी नौकरी पाने के बाद एक अच्छे घर में उसकी शादी तय हो चुकी थी। एक शाम, यूं ही हम लोग उस पुराने रास्ते से गुजरे। अचानक से मेरी नजर बाईं ओर गई। वही स्कूल, वही गेट, वही दीवारें। मेरी बेटी ने भी अपनी पहली पाठशाला को पहचान लिया था। "पापा यही मेरा पहला स्कूल था न?" उसके सवाल में उत्सुकता नहीं, स्मृतियां झलक रही थीं। मेरे और मेरी बेटी दोनों के मन में मानो एक साथ कई दृश्य उभर आए थे- अपना बैग लेकर बाहर निकलती छोटी सी अन्वी, उसकी पसंदीदा टीचर कनिष्का मैम की आवाज, छुट्टी की घंटी, शिक्षिकाओं की मुस्कान। हम दोनों एकटक स्कूल की तरफ देख रहे थे। स्कूल के बाहर उस वक्त भीड़ नहीं थी, मगर मुझे यकीन था कि अंदर वही समर्पण आज भी सांस ले रहा होगा। शायद कोई नई शिक्षिकाएं होंगी, नया बचपन होगा, मगर अपनेपन की भावना वही होगी। मैंने अन्वी से कहा- "बेटा, तुम आज जो कुछ भी हो, उसमें उन शिक्षिकाओं का बहुत बड़ा योगदान है, जो तुमको इस स्कूल में मिली थीं।" वह कुछ नहीं बोली और चुपचाप खिड़की से स्कूल को देखती रही।

कुछ पल बाद उसने कहा, "पापा, प्राइवेट टीचर होना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है न?" मैंने हां में सिर हिलाया। क्योंकि मैं जानता हूं कि कम वेतन, लंबा समय, समाज की अनदेखी, काम का बोझ, इन सबके बावजूद, जो बच्चों के लिए हर वक्त अपने चेहरे पर मुस्कान का लिबास ओढ़ लेता है, वो प्राइवेट टीचर है। गाड़ी धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी। स्कूल पीछे छूट गया, लेकिन साथ चल पड़ीं कुछ प्यारी सी यादें। मुझे और मेरी बेटी को यकीन था कि स्कूल में आज भी छुट्टी की घंटी के बाद, कनिष्का मैम जैसी किसी शिक्षिका की आवाज गूंजती होगी- "अन्वी! क्लास सेकंड...प्लीज गो बेटा...।"

काव्य

पिता आलपिन-से

संघर्षों की कड़ी धूप में
पिता तपे दिन-से

जरूरतों की वर्ग पहेली
उलझी रही सदा
और हुईं इच्छाएं हावी
दिन भर यदा-कदा
सपनों की यह व्यथा-कथा
अब पिता कहें किन से

आंगन में जब अपनेपन की
तुलसी सूख गई
उसे देखकर नींद रात की
दिन की भूख गई
गीली आंखें रहे पोंछते
पिता नैपकिन-से

आने वाले कल को उजला
करने की खातिर
अनुशासन की फटी डायरी
सिलते हैं फिर-फिर
चुभते हैं पर जोड़े रखते
पिता आलपिन-से।

योगेन्द्र वर्मा 'व्योम'
वरिष्ठ गीतकार

पराभूत में विसर्जित

अरे क्रूरात्मा ! जरा सुन मेरी कहानी
अगर सुन सकता है तो
मां की कोख से जन्म लिया
धीरे-धीरे कदम-दर-कदम
बड़ी होती गई।
थोपी गईं वर्जनाएं अनेक
क्योंकि मैं एक लड़की हूं
पुरुष की जननी हूं, बहन हूं
एक प्रेमिका हूं और हूं तेरी पत्नी भी
नहीं रह सकती अपने अनुसार
शिक्षित हुई, रिश्तों में बांधी गई।
बातें थी बहुत अधिकारों की
छीने गए हक सारे अपने।
रिश्तों और अधिकारों को तोला
मैंने जब यथार्थ की तराजू में,
सहसा टूट गई डोरी तराजू की
कभी सोचा क्या तूने ?

जहां भी देखा सवार हो गया
रूप एक वहशियाने का
अस्मिता को कर दिया चीर-चीर
क्या नहीं हुई मानसिकता
तेरी छिन्न-भिन्न?
इतना सब कुछ सहती फिर भी
स्नेह और ममता का दरिया बहाती
स्वयं को रिक्तता से भरती होती
और शेष होती पराभूत में विसर्जित।

अलका गुप्ता
बरेली

आदमियत

आदमी की जात पर मढ़ जाए
चाहे जितने रंग
घाट शाको के सफर में गुंथ
जाए चाहे जितने रंग
चलता रहे चढ़ना उतरना पर
भाव इतना बचना चाहिए कि
आदमियत जिंदा रहनी चाहिए

आज सितारों की है बुलंदी
कल करेंगे शायद यही
ठिठोली
फितरत बहारों की रही यहां
कभी खफा तो कभी रजा
गुमान हो या गुमनामियां पर
हया इतनी बचनी चाहिए कि
आदमियत जिंदा रहनी चाहिए

भावों की शून्यता और जर्जरता
को भरेगी यंत्र की बर्बरता
कोपले भक्षण करेगी जो
लहू का किस शाक फलेगी
मनुष्यता
पत्थरों में फूल खिलाने की
नियत इतनी बचनी चाहिए कि
आदमियत जिंदा रहनी चाहिए

वक्त ले निष्ठाओं की परीक्षा
जो हो हमीं जिसकी सभ्यता
को प्रतीक्षा
दुष्टता के घाट जब मूल्यों की
अर्थिया टिमटिमाते रहे तब भी
बस एक दिया

युद्ध ही रह जाए, जो अंतिम
विकल्प
तब इतनी तासीर लहू की
चाहिए कि
आदमियत जिंदा रहनी चाहिए

बीना नयाल
स्वतंत्र लेखिका

लघुकथा

संतोष धन

रामधन नाम था उसका। बेहद सीधा साधा, अपना काम मेहनत व ईमानदारी से करने वाला और ईश्वर से डरने वाला। वह मेरे गांव का रहने वाला था और शहर के यूपीटी होटल में माली का काम करता था। सुबह आठ बजे तक वह ड्यूटी के लिए घर से निकल लेता और फिर सात बजे वापस लौटता। वह अक्सर दवा लेने मेरे दुकान पर आता था। जब भी आता, मेरे बिना पूछे अपना हालचाल विस्तार से बताता मुझे। धीरे-धीरे मुझे उसकी बाते सुनने में आनंद आने लगा था। उसका संतोषी स्वभाव मुझे बहुत आकर्षित करता था। महीने में जिस दिन उसे तनख्वाह मिलती, उस दिन वह मेरी दुकान पर जरूर आता अपना महीने भर का बकाया चुकाने।

मेरे पैसे तो देता ही, अपने पूरे वेतन को किस किस मद में खर्च करना है, उसका हिसाब भी मुझे बताता जाता, "भईया तीन हजार मिलत है, अउर दिन मा खाना वही होटल मा खाय लेयित हय चाय पानी तव जब चाही मिल जात हय। अब जायित है सब्जी वाले कै पांच सौ है बकाया वहका देई, अउर किराना वाले गुप्ता के सात सौ है, वह का निपटाए देई गांव मा मिसिर के दुकान पर भी दुय सौ रुपया उधार हय, अरे संझा सवेरे लड़िकवय टाफी बिस्कुट नमकीन खरीदा करत हय, हमहुं रोकित नाही है भईया। अब बाप केरे राज मा न खाय लेहे, तब कब खैहय सबका दिहे केरे बाद मा हजार रुपया जव हमरे जेब मा परा रही, तव कौनव फिकिर न रही हमका।"

प्रदीप मिश्र
बलरामपुर

एक शाम होटल से लौटते वक्त वह दवा लेने मेरी दुकान पर आया, तो बहुत खुश था, मैने हालचाल पूछा, तो बोला, "भईया आज होटल मा एक बड़ा साहेब बहुतय बड़ी गाड़ी से आए रहा, गड़ियां खूब धुरियान रही, तव हम सोचेंन साफ कय देई, कपड़ा उठाक लागेन साफ करय। पांच मिनट मा गाड़ी चमकाए दिहन। तब तक साहेब निकल परे, अव बहुत खुश भए। तुरंतय जेब से निकार कय सौ रुपया हमका दिहिन और कहिन जाओ मिठाई खा लेना।"

उसने वो नोट निकालकर मुझे दिखाया और फिर बोला , "महिना मा दुइ चार सौ ऐसव मिल जात है। अब जायित है खरीदब केला अव सेव (सेब), दुइ दिन लड़िकये खाय ले हय" आत्मसंतोष से भरा वह तो फल के ठेले की ओर चला गया था, पर मेरे लिए एक प्रश्न छोड़ गया लाख रुपए से ऊपर वेतन पाने के बावजूद मेरे कई मित्र हर वक्त बस प्रमोशन, इंक्रीमेंट, पेंशन में ही अपना सिर क्यों खपाते रहते है? क्या अनपढ़ रामधन उन सबके लिए अच्छा मेंटोर साबित हो सकता है शायद हां, शायद नहीं !

अंगूरी

भोली-भाली अंगूरी अमृता से पूछती है- "क्या पढ़ रही हो, बीवी जी?" अमृता इस बात का उत्तर न देकर उल्टे उससे प्रतिप्रश्न कर बैठती है-तुम पढ़ोगी? जानती हैं कि उस अनपढ़ गंवार को-क्या पढ़ा जा रहा है-बताने का कोई फायदा नहीं। शायद अमृता इस समय 'मेटामॉर्फोसिस' पढ़ रहीं हों। अंगूरी कहां समझ पाएगी कि एक दिन एक आदमी सोकर सुबह उठता है और पाता है कि वह एक विशालकाय, कई पैरों वाले, भद्दे से कीड़े में बदल गया है। ये तो वह बिल्कुल भी समझा नहीं पातीं कि मेटामॉर्फोसिस के बाद भी इस आदमी की सबसे बड़ी चिंता यह है कि वह आज काम पर समय से कैसे पहुंच पाएगा?

ट्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका, लखनऊ

अंगूरी कहती है-"औरत को पाप लगता है पढ़ने से।" कितना सही कहती है। सारे पाप औरत के हिस्से पढ़ने के बाद ही तो आए। पहले कम उम्र ब्याह हो जाता था, मां-बाबा कह देते थे, अब तेरी अर्थी ही निकलेगी ससुराल से, तो मान लिया। खाना जितना स्वादिष्ट बना ले, उतनी योग्य बहू। घर जितना अच्छे से संभाल ले, उतनी दक्ष बहू। फिर लड़की ने पढ़ना सीखा और बस उसी क्षण से पापिन हो गई। कितना अडोल है अंगूरी का विश्वास-लड़की तभी प्रेम में पड़ती है, जब उसे 'जंगली बूटी' धोखे से खिला दी जाती है। अन्यथा लड़की के पास इतनी हिम्मत कहां कि वह मां-पिता की इच्छा के विरुद्ध वर चुनने की जुर्रत करे, जिससे मां-बाप बुरा मान जाएं, भला उससे प्रेम कैसे हो सकता है? अंगूरी, जो एक झांझर पैरों में पहनी होती थी, एक हंसी में। वो अंगूरी पहले जब आया करती थी, तो छन-छन करती, बीस गज दूर से ही उसके आने की आवाज सुनाई दे जाती थी, पर आज जब अमृता के पास नीम के पेड़ के नीचे आ खड़ी हुई, तो उसके पैरों की झांझरें भी पता नहीं कहां खोई हुई थीं। बड़े धीमे से उसने अनुग्रह किया-मेरा नाम लिखना सिखा दो। अमृता ने पूछा-खत लिखोगी किसी को? अंगूरी ने एक चुप धर ली होंठों पर। एक अपराध कर चुकी थी अंगूरी-अपने से दुगुनी-तिगुनी उम्र वाले की ब्याहता होने के बाद भी किसी अन्य के प्रेम की मजूरी। लाख कसम खाए कि उसके हाथ से न कभी मिठाई खाई, न कभी पान, जाने कैसे उसने जंगली बूटी खिला दी। सिर्फ चाय साथ पीते थे, जाने चाय में...

अब दूसरा पाप भी कर ले, तो क्या बुरा है, लिखना-पढ़ना सीख जाए। पर अंगूरी ने ये कहां कहा कि उसे लिखना-पढ़ना सीखना है, उसने तो कहा- नाम लिखना सिखा दो। क्या अंगूरी को अंदेशा है, इहलोक में या परलोक में या किसी लोक में, इस पाप के इकरारनामे पर उसे हस्ताक्षर करने होंगे? और हस्ताक्षर तो एक पापिन ही कर सकती है। इतना मेटामॉर्फोसिस तो समझती ही है भोली-भाली अंगूरी।

भगत केवल बम और बंदूक नहीं

समीक्षा

शहीद भगत सिंह पर इतना कुछ लिखा जा चुका है, उसके बाद भी लेखक ने इस पुस्तक को इतने सुंदर ढंग से संपादित किया है कि पाठकों को भगत सिंह के बारे में बहुत कुछ नया और नए ढंग से पढ़ने को मिलता है। ऐतिहासिक पुस्तक के लेखन में प्रामाणिकता, रोचकता और सरल प्रस्तुतीकरण महत्वपूर्ण मापदंड होते हैं। यह पुस्तक इन तीनों मापदंडों पर पूर्णतः खरी उतरती है।

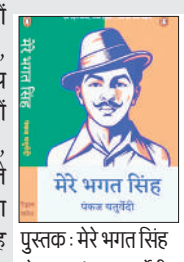

पुस्तक : मेरे भगत सिंह
लेखक : पंकज चतुर्वेदी
पृष्ठ : 324,
मूल्य : 350.00
प्रकाशन : पेंगुइन स्वदेश, नई दिल्ली
समीक्षक :अनुज मिश्रा, पीलीभीत

लेखक ने भगत सिंह को संपूर्णता में प्रस्तुत करने का सफल प्रयास किया है। उनके बचपन के बारे में उनकी माता जी शिक्षक और मित्रों के द्वारा एक समग्र चित्र प्रस्तुत किया गया है, जिसमें उनका बचपन भी आम मध्यमवर्गीय बालक की तरह ही बीता है। वे आम बालकों की तरह ही हर तरह की शरारतें करते थे, सिनेमा देखते थे गीत गाते थे, अभिनय करते थे, लेकिन इस सबके साथ ही वे अपने देश से अगाध प्रेम करते थे। लेखक ने भगत सिंह के मित्रों बटुकेश्वर दत्त, भगवानदास माहौर, विजय कुमार सिन्हा, यशपाल, जयदेव कपूर, शिव वर्मा, दुर्गा भाभी, अजय कुमार घोष आदि के द्वारा भगत सिंह की आजादी के प्रति दीवानगी, त्याग और संघर्ष का चित्रात्मक और हृदयस्पर्शी वर्णन किया है, जिसे पढ़कर सहृदय पाठक भावुक हुए बिना रह नहीं सकते। इस पुस्तक में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जो ये प्रमाणित करते हैं कि भगत सिंह को मृत्यु का लेशमात्र भय नहीं था और वे मृत्यु के बाद उनके देश और उनके साथियों का क्या होगा इसकी ही चिंता करते दिखाई देते हैं। लेखक ने भगत सिंह के गहन अध्ययन और क्रांति की अत्यंत गहरी वैचारिक समझ को भी बड़े प्रामाणिक ढंग से विश्लेषित किया है। इस पुस्तक में लेखक ने गांधी, नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, जिन्ना, मदन मोहन मालवीय डॉ. आंबेडकर आदि नेताओं के भगत सिंह के बारे में क्या विचार थे को स्पष्ट रूप से विश्लेषित किया है। यह पुस्तक भगत सिंह की फांसी के बाद भारत और वैश्विक मीडिया की राय को भी सिलसिलेवार ढंग से प्रस्तुत करती है और तत्कालीन समय में उस 23 वर्षीय अद्भुत नवयुवक के कद को भी दर्शाती है, जो लोग शहीद भगत सिंह के इतिहास को साहित्यिक आस्वाद के साथ पढ़ना चाहते हैं, उन्हें इस पुस्तक को अवश्य पढ़ना चाहिए।

व्यंग्य

बजट और बंटू ब्लॉगर

रविवार को बजट पेश होने के बाद यूट्यूबर बंटू ब्लॉगर आम आदमी की राय जानने मोबाइल और माइक लेकर मुंह उठाकर निकल पड़े। चौराहे की चाय दुकान पर बीड़ी सुलगाते हुए एक बुजुर्ग पर उनकी नजर पड़ गई। मोबाइल फोन का फ्रंट कैमरा ऑन कर उन्होंने अपनी यूट्यूबिया दुकान सजा दी। "नमस्कार! हम 'बात का बतंगड़' चैनल से बंटू विद्रोही। आज फरवरी का पहला रविवार है। जब माघ पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाकर वार्षिक बजट की नौका पर सवार हो चुके हैं, कैसा है आम बजट? जनता-जनार्दन के विचारों से रूबरू करवाते हैं। हमारे सामने बीड़ी से धुआं उगलते एक सम्मानित शख्स हैं। आइए, जानते हैं बजट पर इनकी राय। नमस्कार चाचा, हम 'बात का बतंगड़' चैनल से" "बाबू, किस पार्टी का चैनल है?" चाचा ने बीच में टोका। "अरे चच्चा, हमारा निजी और पुराना चैनल है-शत-प्रतिशत आत्मनिर्भर!" बंटू ने स्पष्ट किया।

"कितने सब्सक्राइबर हैं बाबू?" इस प्रश्न पर बंटू बगले झांकते हुए धीरे से बोला, "अरे चाचा, अभी स्ट्रगलिंग रिपोर्टर हूं। फिलहाल कोई चार-पांच सब्सक्राइबर हैं। दरअसल वायरल नहीं हुए हैं अब तक! खैर, आप हमारा छोड़िए और बजट के बारे में कुछ बताइए।"

विनोद कुमार विक्की
व्यंग्यकार

बंटू के सवाल पर चाचा बिफर पड़े- "देखो बबुआ, हमारा नाम है बंगाली मंडल। हम खांटी गांधीवादी हैं। गांधी जी कहते थे-बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो, बुरा मत सुनो। सो हम बुरा बोलने के पक्षधर नहीं हैं।" "अरे बंगाली चाचा, मैं बजट के बारे में बोलने के लिए कह रहा हूं, बुरा बोलने के लिए नहीं।" " हां, मैं भी वहीं कह रहा हूं-बजट के बारे में मेरे मुंह से बुरा मत बुलवाओ। आम बजट, अलुआ बजट! यह बजट-गजट सब अमीरों के चोंचले हैं।" "ऐसा क्यों कह रहे हैं? बजट में आम आदमी का भी ध्यान रखा गया है। उदाहरण के लिए, आप जो बीड़ी पी रहे हैं, वह तो सस्ती कर दी गई है।"

"देखो, हमारा भेजा खराब मत करो। पहले मैं सिगरेट पीता था, लेकिन बजट और औकात से बाहर होने की स्थिति में आज से बीड़ी से काम चलाना पड़ रहा है। वैश्विक उदारीकरण के बाद से अब तक के बजटों में सरकार ने सबसे ज्यादा शोषण तंबाकू सेवन करने वालों का ही किया है। जब से होश संभाला और हाथ में सिगरेट पकड़ी, तब से 'वैधानिक चेतावनी' वाले उत्पादों की कीमतों में उछाल ही देखा है। इतिहास साक्षी है-हर बार तंबाकू की कीमत बढ़ने के बावजूद उपभोक्ताओं की ओर से कभी कोई विरोध का स्वर नहीं उठा।"

"ओह, सॉरी अंकल! मैं आपके तंबाकू प्रेम को समझ सकता हूं, लेकिन टीसीएस दो प्रतिशत कर दिया गया है।" "यह क्या होता है?" "अंकल, विदेशी टूर पैकेज और विदेशी वस्तुएं सस्ती हो गई हैं।" "अरे, हम बचपन से अब तक गृह जिला मुंगेर से परबत्ता (ससुराल) के अलावा पटना तक नहीं गए और तुम विदेश यात्रा की बात कर रहे हो। दूसरी बात, हमने पहले ही बताया कि हम प्योर गांधीवादी हैं। स्वदेशी छोड़कर विदेशी उत्पाद क्यों खरीदें? अगर बजट में स्वदेशी वस्तुएं सस्ती होतीं, तो हम भी लाभ उठाते।" चाचा तुनकते हुए बोले। "पर चाचा, प्रत्येक जिले में लड़कियों के लिए छात्रावास का भी प्रावधान किया गया है।" "बकलोल रिपोर्टर हो क्या जी! यहां लैंगिक भेदभाव दिखाई नहीं देता तुमको? लड़कियों के लिए छात्रावास खुलना अच्छी बात है, लेकिन लड़के क्या फुटपाथ पर रहेंगे?" "अरे चाचा, भड़क क्यों रहे हैं? सात हाई-स्पीड रेलवे कॉरिडोर की घोषणा की गई है, यह तो विकास का द्योतक है।"

"पहले जो ट्रेनें चल रही हैं, उन्हें तो समय पर चलवा लो मुन्ना। बैठने की समुचित व्यवस्था तो कर दो। कभी मुंगेर-महेशखूंट पैसेंजर ट्रेन में सफर किए हो? चालीस किलोमीटर की दूरी को तीन घंटे में तय कराते हैं। इंटरसिटी एक्सप्रेस हटाकर चौगुना किराए वाली वंदे भारत ले आए, जैसे ट्रेन उड़कर गंतव्य तक पहुंच रही हो, बड़ा आए विकास की बात करने!" "आप भी न, चाचा! विपक्षी दल के नेता की तरह बात कर रहे हैं। पशु चिकित्सा पर भी फोकस किया गया है। वाराणसी और पटना में शिप मरम्मत कार्य देखा जाएगा।" "अरे, पशु और निर्जीव की चिंता है, लेकिन आम जीवन का क्या?" "कैसी बात करते हैं, चाचा! कैंसर की दवाएं तो इस बार भी सस्ती कर दी गई हैं।" "मारेंगे मुक्का, मोबाइल समेत नाचते हुए गिर जाओगे! एकदम से झंडू यूट्यूबर हो! अरे, साजिश समझ नहीं आती क्या? कैंसर कब होता है? शराब और सिगरेट पीने से! शराब-सिगरेट की कीमत तो बढ़ा दी, अब लोग कम पीएंगे या पीएंगे ही नहीं। और जब पीएंगे ही नहीं तो कैंसर होने से रहा, तो दवा सस्ती हो या महंगी-घंटा फर्क पड़ता है! हटो, मूड खराब कर दिया। अरे, लाओ सिकरेट नहीं, बीड़ी रे!" बजट से आहत बंगाली मंडल का मूड देखकर बंटू मोबाइल, माइक और मुंह समेटकर खिसक गया।

मातृत्व की परिभाषा

अंततः मातृत्व की परिभाषा वही नहीं रह गई, जो सदियों पहले थी। वह आज जैविकता से कहीं आगे बढ़ गई है-वह इच्छाओं, अधिकारों, विज्ञान, करुणा और मानवीय मूल्य का सम्मिलन है। सरोगेसी इस नई परिभाषा का स्वाभाविक विस्तार है। यह वह क्षण है जब नियति और विज्ञान एक-दूसरे को नहीं काटते, बल्कि मिलकर एक नया जीवन संभव बनाते हैं, जब कोई नवजीवन दुनिया में आता है, तो उसकी पहली सांस यह नहीं पूछती कि उसे किस कोख ने पाला और किस बांह ने अपनाया, वह केवल यह बताती है कि जीवन किसी की जायदाद नहीं होता। वह उस प्रेम का परिणाम होता है, जो किसी न किसी रूप में जन्म लेना चाहता है।

सरोगेसी इसी प्रेम की वह अनोखी यात्रा है, जहां किसी की कोख, किसी की इच्छा, किसी की नियति और किसी का विज्ञान मिलकर वह चमत्कार रचते हैं, जिसे दुनिया 'जन्म' कहती है, जिसके भीतर छुपी अनगिनत कहानियां सिर्फ वही समझ सकता है, जिसने कभी मातृत्व के स्पर्श को अपने हृदय के सबसे भीतर महसूस किया हो।

मातृत्व
अधिकार नहीं, एक गहरी अनुभूति

मनुष्य का जीवन हमेशा से दो विपरीत ध्रुवों के बीच झूलता आया है। एक ओर नियति की निष्ठुर सीमाएं और दूसरी ओर विज्ञान का साहसिक विस्तार। कभी समय ऐसे प्रश्न खड़े करता है, जिनके उत्तर खोजने में जीवन की पूरी परिभाषा बदल जाती है। मातृत्व भी ऐसा ही एक प्रश्न है। मातृत्व एक योजना नहीं, एक अनुभूति, एक अधिकार नहीं, एक आंतरिक तृप्ति, एक भूमिका नहीं, बल्कि अस्तित्व की सबसे कोमल, सबसे तप्त परत है। किसी स्त्री की बांहों में जब नवजीवन का भार नहीं उतर पाता, तो भीतर कहीं बहुत गहरी, बहुत धीमी और बहुत पुरानी वेदना आहिस्ता-आहिस्ता फैलने लगती है। उसी वेदना को विज्ञान ने छुआ और सरोगेसी नाम की संभावना जन्मी।

डॉ. योगिता जोशी
शिक्षाविद् व साहित्यकार

चिकित्सा से आगे मानवीय साहस

मातृत्व की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह किसी भाषा, किसी कानून, किसी देश से बंधा नहीं रहता। वह एक आंतरिक पुल है-देह और आत्मा के बीच, स्त्री और जीवन के बीच, जब यह पुल किसी स्त्री के भीतर बन ही न सके, तब विज्ञान उसके लिए रास्ता बनाता है। सरोगेसी इसीलिए केवल 'प्रक्रिया' नहीं है। यह वह द्वार है, जिससे होकर कई अधूरे जीवन पूर्णता की ओर बढ़ते हैं। फिर भी यह द्वार जितना उजला दिखता है, उतना ही जटिल भी है। उस जटिलता का कारण है-एक स्त्री की कोख, दूसरी स्त्री का दर्द, तीसरे पक्ष की आशाएं और समाज की सदियों पुरानी धारणाएं।

मातृत्व के प्रश्न : देह, करुणा और संबंध

बहुत से दंपत्ति ऐसे हैं, जिनके घर वर्षों से सूने पड़े हैं। उनकी सुबहें किसी के रोने की आवाज से नहीं गूंजतीं और रातें किसी छोटे हाथ के स्पर्श के बिना बीतती हैं। ऐसे लोग सरोगेसी को एक वरदान की तरह देखते हैं। उनके लिए यह विज्ञान का सबसे सुंदर उपहार है-एक उम्मीद, एक जीवन का संकेत, एक भविष्य की रोशनी। इस सुंदरता के भीतर कुछ दर्द भी छिपे हैं, जिनका सामना सरोगेट मां करती है-वह स्त्री जिसका नाम अक्सर जाने बिना, जिसने शायद दुनिया को मातृत्व का सबसे कठिन, सबसे उदार रूप दिखाया है।

विज्ञान, संवेदना और समाज

सरोगेसी, केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, यह नियति को चुनौती देने वाला मानवीय साहस है, जो कोख को एक नए अर्थ में बदल देता है। यह वह क्षण है जहां विज्ञान, संवेदना और समाज-तीनों की कड़ी परीक्षा होती है। इसी संगम में कई कहानियां जन्म लेती हैं-करुणा की, उम्मीद की, संघर्ष की और कभी-कभी अंतर्द्वंद की भी, लेकिन हर कहानी के भीतर एक प्रश्न धड़कता रहता है, क्या मातृत्व को किसी दूसरी देह में रोपा जा सकता है? क्या जन्म का रिश्ता रक्त से ज्यादा करुणा का होता है? सबसे कठिन प्रश्न-क्या सरोगेसी कोई लेन-देन है या यह किसी स्त्री की मनुष्यता का सबसे उजला पक्ष?

वेदना से जन्मी संभावना

भारत में सरोगेसी की यात्रा बहुत लंबी है। पुराने समय में यह कल्पना का हिस्सा भर थी कि कोई दूसरी स्त्री किसी और की संतान को जन्म दे सकती है। पर आज यह कल्पना वास्तविकता का चेहरा बन चुकी है। विज्ञान ने वही किया, जो वह सदियों से करता आया है। मानव जीवन की असंभवताओं को संभव बनाना,लेकिन विज्ञान कभी अपने आप में पूर्ण समाधान नहीं होता, समाधान तो तब मिलता है, जब समाज उसकी प्रक्रियाओं को संवेदना के साथ स्वीकार करता है। सरोगेसी इसी स्वीकार्यता की अग्निपरीक्षा रही है।

भारत में सरोगेसी : कल्पना से यथार्थ

वह अपनी सिर्फ कोख ही उधार नहीं देती, नौ महीनों का श्रम, अपनी भावनाओं का अनुशासन, अपने शरीर का त्याग और जीवन को जन्म देने की वह पीड़ा, जिसे शब्दों में कैद नहीं किया जा सकता। सरोगेसी में सबसे कठिन काम गर्भ धारण करना नहीं है, बल्कि गर्भ से जन्मे जीवन को अपने से अलग कर देना है। यह त्याग है और त्याग हमेशा साधारण नहीं होता, वह एक युद्ध होता है। कई सरोगेट मांएं अपने भीतर उस बच्चे की धड़कन महसूस करती हैं, उसे संभालती हैं, अपने रक्त से सींचती हैं, उसे अपनी सांसों से पोषित करती हैं और फिर एक दिन उसे उन लोगों के हाथों में सौंप देती हैं, जिनका वह जैविक रूप से होता है। वे आंसू सिर्फ दुख के नहीं होते, वे उस करुणा के प्रतीक होते हैं, जिसे दुनिया अक्सर समझ ही नहीं पाती।

विज्ञान तब पूर्ण होता है, जब समाज स्वीकार करे

इस त्याग को समाज हमेशा उसी आदर की दृष्टि से नहीं देखता। बहुत से लोग इसे 'किराए की कोख' कहकर छोटा कर देते हैं। यह शब्द जितना कठोर है, उतना ही गलत भी। क्योंकि कोख कोई खाली कमरा नहीं है, जिसे किराए पर दे दिया जाए। कोख वह जगह है, जहां जीवन पलता है, जहां पहला स्पर्श मिलता है, जहां अस्तित्व की मिट्टी गुंथती है। इसे किराया कहकर हम उस भावनात्मक श्रम को नकार देते हैं, जो एक स्त्री समर्पित करती है। सरोगेसी की आलोचना के पीछे यही असंवेदनशील दृष्टि बहुत बार छिपी मिलती है।

मातृत्व : देह और आत्मा के बीच पुल

हर समाज में दो तरह की सच्चाइयां होती हैं। एक वह जिसे हम देखना चाहते हैं और एक वह जिसे हम छिपा देना चाहते हैं। सरोगेसी में भी यही दो परतें हैं। एक तरफ वह परिवार है, जो वर्षों से बच्चे के लिए तरस रहा है, दूसरी तरफ वह स्त्री है, जो अपने परिवार की आर्थिक मजबूरियों के चलते सरोगेट बनती है। दोनों अपनी-अपनी जगह सही हैं। एक को मातृत्व चाहिए, दूसरे को जीविका, एक को भविष्य चाहिए, दूसरे को वर्तमान बचाना होता है। फिर भी इस संबंध में असमानता का भाव बना रहता है। यह असमानता आर्थिक भी है और सामाजिक भी।

कोख से आगे : नौ महीनों का समर्पण

फिर भी, सरोगेसी एक ऐसा विषय है जिसके चारों ओर कई प्रकार की बहसें हैं-नैतिक, सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक। पर इन बहसों के केंद्र में एक प्रश्न हमेशा छिपा रहता है-क्या बच्चा जन्म देने वाली स्त्री को केवल एक 'माध्यम' मानना उचित है? इसका उत्तर "नहीं" है-क्योंकि मां होना केवल जैविक घटना नहीं है, यह एक भावनात्मक ऊर्जा है। और यही कारण है कि सरोगेसी में भावनाओं का संतुलन सबसे कठिन कार्य होता है।

समय बदल रहा है। विज्ञान आगे बढ़ रहा है। समाज की धारणाएं धीरे-धीरे रूपांतरित हो रही हैं। आज सरोगेसी को केवल सहानुभूति की दृष्टि से नहीं देखा जाता, इसे समझने की आवश्यकता है-उस गहराई में जहां एक स्त्री, एक परिवार और एक नवजीवन तीनों अपनी जगह खोज रहे हैं। सरोगेसी कोई विवाद नहीं, यह एक संवेदनात्मक पुल है जो कई टूटे हुए सपनों को जोड़ता है।

अधूरे जीवनों के लिए एक द्वार

समस्या तब नहीं होती, जब सरोगेसी करुणा और समझदारी से की जाए, समस्या तब होती है, जब इसमें व्यापार की गंध आने लगे। कई बार सरोगेसी को एक 'उद्योग' की तरह देखा जाने लगा है। यह भय का कारण भी है और चिंता का विषय भी। जिस प्रक्रिया में जीवन का जन्म हो रहा हो, वहां शुद्ध आर्थिक लेन-देन का भाव आ जाए, तो वह मानवीय मूल्यों को कमजोर कर देता है। यही वह बिंदु है, जहां कानून को हस्तक्षेप करना पड़ता है और भारत ने इस दिशा में कदम भी उठाए हैं।

कानून जितना शरीर की सुरक्षा कर सकता है, उतना हृदय की पीड़ा या संवेदना का नहीं। यह तो समाज के हाथ में है कि वह सरोगेसी को कैसे देखता है। शोषण के रूप में या करुणा के रूप में, मजबूरी के रूप में या उदारता के। यही सामाजिक दृष्टि सबसे बड़ा प्रश्न है।

उजाले के भीतर छिपी जटिलताएं

सरोगेसी किसी एक कहानी से नहीं बनती, हजारों कहानियां इसकी रीढ़ हैं। एक कहानी उस दंपत्ति की है, जिनकी शादी के दस साल बाद भी घर में बच्चे की खिलखिलाहट नहीं गूंजी। डॉक्टरों, इलाजों और आशंकाओं के बाद जब सारी उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी थीं, तभी सरोगेसी उनके लिए एक नया रास्ता लेकर आई। उनका बच्चा जब पैदा हुआ, तो उनकी आंखें उस भावना से भर गईं, जिसे वे वर्षों से खोज रहे थे। उनके लिए यह विज्ञान और नियति दोनों की मिली-जुली कृपा थी।

सूने घरों की सबसे बड़ी उम्मीद

एक दूसरी कहानी सरोगेट मां की है, जो अपने दो बच्चों का भविष्य संवारने के लिए इस प्रक्रिया का हिस्सा बनी। उसने अपने भीतर नौ महीने एक ऐसा जीवन पाला, जिसका वह मां होते हुए भी मां नहीं थी। पर उस दिन जब उसने बच्चे को जन्म दिया और उसे उसके माता-पिता की बांहों में जाते देखा, तो उसकी आंखों में विचित्र मिश्रित भाव थे-बिछोह भी, संतोष भी और कहीं गहराई में एक गर्व भी कि उसने किसी अधूरे जीवन को पूर्णता दी।

सरोगेट मां : त्याग की मौन नायिका

समाज इन दोनों कहानियों को एक-दूसरे से अलग समझता है, जबकि दोनों एक-दूसरे के बिना अधूरी हैं। सरोगेसी उन भावनाओं की कड़ी है, जो नियति और विज्ञान के बीच पुल बनाती है। यह संबंध किसी एक के दुख को दूसरे की आशा से जोड़ता है। यहां कोई विजेता या पराजित नहीं होता, सिर्फ दो दिल होते हैं, जो जीवन की एक साझा धड़कन को जन्म देते हैं।

बच्चों की फिटनेस के लिए अहम फिजिकल एक्टिविटी

अक्सर भारतीय समाज में यह धारणा देखने को मिलती है कि एक्सरसाइज या वर्कआउट केवल वयस्कों और बुजुर्गों के लिए जरूरी होता है। बच्चों के संदर्भ में माना जाता है कि पढ़ाई ही उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और खेल-कूद या शारीरिक गतिविधियां समय की बर्बादी हैं, लेकिन आधुनिक शोध और विशेषज्ञों की राय इस सोच को पूरी तरह खारिज करती है। आज यह स्पष्ट हो चुका है कि बच्चों के शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके मानसिक विकास के लिए भी एक्सरसाइज उतनी ही जरूरी है। हाल ही में प्रकाशित एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, थोड़ी-सी नियमित एक्सरसाइज भी बच्चों की याददाश्त, एकाग्रता और सीखने की क्षमता को बेहतर बना सकती है। यह अध्ययन उन माता-पिता और शिक्षकों के लिए आंख खोलने वाला है, जो बच्चों की दिनचर्या से खेल और फिजिकल एक्टिविटी को धीरे-धीरे बाहर कर चुके हैं।

बदलती जीवनशैली और सेहत

आज के डिजिटल युग में बच्चों की जीवनशैली तेजी से बदल रही है। मोबाइल फोन, टैबलेट, ऑनलाइन क्लासेस और वीडियो गेम्स ने बच्चों की शारीरिक गतिविधियों को काफी हद तक सीमित कर दिया है। पहले जहां बच्चे घंटों बाहर खेलते थे, वहीं अब उनका ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बीतता है। इसका सीधा असर न केवल उनके शरीर पर पड़ रहा है, बल्कि उनके दिमाग पर भी दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि शारीरिक निष्क्रियता बच्चों में चिड़चिड़ापन, ध्यान की कमी, याद्दाश्त कमजोर होना और पढ़ाई में रुचि घटने जैसी समस्याओं को जन्म दे सकती है। ऐसे में एक्सरसाइज बच्चों के लिए केवल फिटनेस का साधन नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने का भी एक प्रभावी उपाय बनकर सामने आई है।

बच्चों के लिए कैसी हो एक्सरसाइज

बच्चों के लिए एक्सरसाइज का मतलब जिम में भारी वजन उठाना या कठिन ट्रेनिंग करना नहीं है। दरअसल बच्चे स्वाभाविक रूप से काफी एक्टिव होते हैं। दौड़ना, कूदना, खेलना, साइकिल चलाना, तैरना या दोस्तों के साथ आउटडोर गेम्स खेलना, ये सभी गतिविधियां एक्सरसाइज का ही रूप हैं। हालांकि हालिया अध्ययन में यह भी सामने आया है कि हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग बच्चों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकती है। यह एक ऐसा वर्कआउट होता है, जिसमें कम समय में ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, सप्ताह में कुछ दिन केवल 10 मिनट का हाई इंटेंसिटी सेशन बच्चों के दिमागी विकास में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

क्या कहती है स्टडी

यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड के शोधकर्ताओं द्वारा की गई। इस स्टडी में 7 से 13 साल की उम्र के 318 बच्चों को शामिल किया गया। अध्ययन का उद्देश्य यह जानना था कि नियमित एरोबिक एक्सरसाइज बच्चों की बौद्धिक क्षमताओं पर किस तरह का प्रभाव डालती है। छह हफ्तों तक चले इस शोध में बच्चों को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह को प्लेसिबो ग्रुप के रूप में रखा गया, जबकि दूसरे समूह को रोजाना हाई इंटेंसिटी वर्कआउट सेशन में शामिल किया गया। दोनों समूहों के बच्चों को याद्दाश्त, ध्यान और सोचने की क्षमता से जुड़े विभिन्न टास्क दिए गए, जिनका समय-समय पर मूल्यांकन किया गया।

क्या कहते हैं स्टडी के नतीजे

स्टडी के अंत में यह स्पष्ट रूप से देखा गया कि जिन बच्चों ने नियमित रूप से हाई इंटेंसिटी वर्कआउट किया था, उन्होंने मानसिक परीक्षणों में बेहतर प्रदर्शन किया। उनकी एकाग्रता, निर्णय लेने की क्षमता और सीखने की गति में सुधार देखने को मिला। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी चेतावनी दी कि एक्सरसाइज को दिमाग तेज करने का एकमात्र उपाय नहीं माना जाना चाहिए। मानसिक विकास एक बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें सही वातावरण, भावनात्मक समर्थन, संतुलित आहार और अच्छी नींद भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एक्सरसाइज और दिमाग का संबंध

वैज्ञानिकों के अनुसार, एक्सरसाइज करने से दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे न्यूरॉन्स को अधिक ऑक्सीजन और पोषक तत्व मिलते हैं। इसके अलावा, शारीरिक गतिविधि से ऐसे हार्मोन निकलते हैं, जो तनाव को कम करते हैं और मूड को बेहतर बनाते हैं। यही कारण है कि नियमित एक्सरसाइज करने वाले बच्चों में आत्मविश्वास अधिक होता है और वे मानसिक रूप से ज्यादा स्थिर रहते हैं।

दिमागी शक्ति बढ़ाने के अन्य प्रभावी तरीके

केवल एक्सरसाइज ही नहीं, बल्कि कुछ अन्य आदतें भी बच्चों की मानसिक क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

- मेडिटेशन : मेडिटेशन बच्चों के लिए ध्यान केंद्रित करने का एक प्रभावी माध्यम है। साउंड मेडिटेशन, लाइट मेडिटेशन या सरल मंत्र जाप से बच्चों का मन शांत रहता है और वे वर्तमान क्षण पर फोकस करना सीखते हैं।
- डिजिटल डिटॉक्स : स्क्रीन टाइम कम करने से बच्चों की एकाग्रता और याद्दाश्त में सुधार हो सकता है। लगातार स्क्रीन देखने से दिमाग पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे ध्यान भटकता है।
- पजल और ब्रेन गेम्स : पजल, सुडोकू, चेस और अन्य ब्रेन गेम्स बच्चों के आईक्यू और सोचने की क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। ये मानसिक एक्सरसाइज का काम करते हैं।

डायट में जरूरी है पौष्टिक आहार

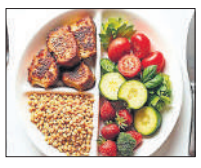

मस्तिष्क समेत शरीर के सभी प्रमुख कार्यों के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार बेहद जरूरी है। बच्चों के भोजन में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, ड्राई फ्रूट्स और हेल्दी फैट्स शामिल होने चाहिए। सही डाइट से न केवल याद्दाश्त मजबूत होती है, बल्कि बच्चों की ऊर्जा और एकाग्रता भी बनी रहती है।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में बच्चों पर पढ़ाई का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एक्सरसाइज, खेल और मानसिक गतिविधियों को नजरअंदाज करना उनके समग्र विकास के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शोध स्पष्ट रूप से बताते हैं कि थोड़ी-सी नियमित शारीरिक गतिविधि भी बच्चों के दिमाग को तेज, मन को शांत और व्यक्तित्व को मजबूत बना सकती है। अंततः एक स्वस्थ बच्चा वही है, जो शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से संतुलित हो। इसलिए जरूरी है कि माता-पिता और शिक्षक मिलकर बच्चों की दिनचर्या में एक्सरसाइज और फिजिकल एक्टिविटी को अनिवार्य रूप से शामिल करें।

खाना खजाना

केर सांगरी की सब्जी

केर सांगरी राजस्थान की ज्यादा तेल और मसाले के साथ बनने वाली चटपटी सब्जी है। ठंडा भोजन बनाते समय ये सब्जी मुख्य रूप से बनाई जाती है। केर और सांगरी के पेड़ राजस्थान में बहुतायत में मिलते हैं। यहां के लोग सीजन में ताजा फलों से कैर, सांगरी की सब्जी बनाते हैं और बाद के लिए केर और सांगरी को अच्छी तरह सुखाकर रख लिया जाता है, जब भी सब्जी बनानी हो इसे पानी या छाछ में भिगोकर बना लिया जाता है। सूखी हुई केर सांगरी बड़े शहरों में किसी बड़ी किराना स्टोर पर मिल जाते हैं, केर सांगरी को राजस्थाने की मेवा भी कहा जाता है। केर सांगरी का स्वाद इतना अच्छा और अलग है कि खाने वाला इसका स्वाद कभी नहीं भूलता है।

मनीष कुमार सोलंकी
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- सांगरी-1 कप
- केर-1/4 कप
- तेल-4-5 टेबल स्पून
- हरा धनियां- 2-3 टेबल स्पून
- किशमिश - 2-3 टेबल स्पून
- जीरा-आधा छोटी चम्मच
- हींग- 2 पिंच
- साबुत लाल मिर्च - 3-4
- लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटी चम्मच
- गरम मसाला - आधा छोटी चम्मच
- नमक-1.5 छोटी चम्मच या स्वादानुसार
- धनियां पाउडर - 1.5 छोटी चम्मच
- अमचूर पाउडर - 1 छोटी चम्मच
- हल्दी पाउडर - आधा छोटी चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले आप केर और सांगरी को अच्छी तरह साफ करके, 4-5 बार अच्छी तरह पानी से धो लीजिए और अलग-अलग 8-10 घंटे या रात भर के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद केर सांगरी को पानी से निकाल लें और 1-2 बार और धो लें।

अब भीगे हुए केर सांगरी को उबालने के लिए कुकर में डालें और 2 कप पानी डाल लें। अब कुकर बंद कर दें, कुकर में एक सीटी आने के बाद, गैस धीमी कर लें और केर सांगरी को धीमी गैस पर 2-3 मिनट और उबलने दें। गैस बंद कर दें, कुकर का प्रेशर खत्म होने पर कुकर खोल लें। अब आपकी केर सांगरी उबलकर तैयार है। कैर सांगरी को छलनी में डालकर निकाल लें और अतिरिक्त पानी हटा दें। साफ पानी से सब्जी को और 1-2 बार धो लीजिए। केर सांगरी सब्जी बनाने के लिए तैयार है।

सब्जी बनाने के लिए कढ़ाई में तेल डालकर गरम लें, जीरा और हींग भी डाल दें, जीरा भुनने के बाद, हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर, साबुत लाल मिर्च डाल लें और मसाले को थोड़ा सा भून लें। अब कैर सांगरी डाल दें, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर, गरम मसाला, नमक और किशमिश डालकर, सब्जी को चलाते हुए 3-4 मिनट तक पका लें। अब आपकी केर सांगरी की सब्जी बनकर तैयार हो गई है, थोड़ा-सा हरा धनियां डालकर मिला दीजिए।

सब्जी को प्याले में निकाल लीजिए, ऊपर से हरा धनियां डालकर गार्निस कर लें। केर सांगरी की स्वादिष्ट सब्जी को पूरी या परांठे के साथ सर्व कीजिए और खाइए। केर सांगरी की सब्जी को फ्रिज में रखकर 3-4 दिन तक खाया जा सकता है।

सुझावः- केर और सांगरी को छाछ में भिगोकर भी सब्जी बना सकते हैं। केर और सांगरी को छाछ (मठा) में भिगो दीजिए और मठे से निकालकर, धोकर, उपरोक्त तरीके से सब्जी बनाकर तैयार कर लें। इस सब्जी में हमारे यहां कुमठिया इमली और सूखे गुंदे भी मिलाए जाते हैं, जिसे पंचकूटे की सब्जी कहते हैं।

दिसंबर तक तैयार होगी गौशाला

मझगवां के फुलासी गांव में 300 पशुओं के लिए बन रही 1.60 करोड़ की गौशाला

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : मझगवां की ग्राम पंचायत फुलासी में 1.60 करोड़ से बन रही वृहद गौशाला का सीडीओ देवयानी सिंह ने निरीक्षण कर गौशाला निर्माण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। अवर अभियंता ने उन्हें गोशाला निर्माण में धन की कमी आने की बात सीडीओ को बताई है।

शनिवार दोपहर फुलासी गांव में बन रही 300 गोवंश क्षमता वाली बृहद गौशाला का निरीक्षण करने पहुंची मुख्य विकास अधिकारी देवयानी सिंह ने गौशाला के निर्माण कार्य में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त न किए जाने की बात कही। जेई विवेक गौतम ने गौशाला का निर्माण कार्य इसी साल तक पूरा होने की बात कही। सीडीओ ने धन की कमी नहीं आने देने की बात कही है।

मझगवां में गौशाला के निर्माण कार्य का निरीक्षण करतीं सीडीओ देवयानी।

यहां के बाद सीडीओ ने ब्लाक क्षेत्र में बन रहे मुख्यमंत्री आवास योजना के 145 मुख्यमंत्री आवासों का निर्माण कार्य फरवरी माह में पूर्ण करने का निर्देश बीडीओ को दिया। उन्होंने ब्लॉक क्षेत्र के सभी राशन कार्ड धारक परिवार की मुखिया को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने का निर्देश दिया।

ओवरहेड लोकार्पण: तीन गांवों को मिलेगा शुद्ध पानी

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : नवाबगंज क्षेत्र के गुलडिया धीमर गांव के मजरा दियोरनिया प्रसादीलाल गांव में शनिवार को जल जीवन मिशन के तहत निर्मित ओवरहेड टैंक को जनता को समर्पित कर दिया गया।

एक करोड़ 92 लाख 48 हजार रुपये की लागत से बने इस ओवरहेड टैंक का सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधायक डॉ. एम.पी. आर्य, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. आशुतोष गंगवार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया। इससे क्षेत्र के तीन गांवों के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति होगी। विधायक डॉ. एम.पी. आर्य ने कहा कि अब गांव में पेयजल संकट दूर हो जाएगा। सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने कहा कि जल जीवन मिशन योजना प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है। अधिशासी अभियंता कुमकुम गंगवार, जेई अमजद अली, प्रधान देवेंद्र कुमार, वीडीओ रविंद्र कुमार मौजूद रहे।

ओवरहेड टैंक के वाल्ब को दबाकर चालू करते सांसद छत्रपाल गंगवार, विधायक डॉक्टर एमपी आर्य। ● अमृत विचार

मिर्जापुर -वंशीपुर मार्ग का उद्घाटन

मीरगंज,अमृत विचार : शनिवार को लोक निर्माण विभाग द्वारा मिर्जापुर चौराहे से आनंदपुर मार्ग तक सड़क चौड़ीकरण कार्य का उदघाटन सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा ने नारियल फोड़कर किया। 12 .570 किलोमीटर लंबे 2609 .24 लाख रुपए की धनराशि से पांच वर्ष के अनुरक्षण के साथ कार्य होगा। सांसद ने कहा कि यह आर्थिक गतिविधियों को गति देने में सहायक सिद्ध होगा। इस दौरान एक्सईन राजीव अग्रवाल,जेई अजीम शाहनवाज़, प्रधानपति चरनसिंह आदि रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ ।
अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

No.: 234/ Nivida(E-T.)/ 2025-26 Date: 31-01-2026

1. महामहिम राज्यपाल, उ0 प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोनिवि बदायूँ के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार वर्षा काल में क्षतिग्रस्त सड़क के सतह सुधार एवं यातायात सुगम किये जाने हेतु अल्पकालीन ऑनलाइन ई–निविदा दि0 10.02.2026 से दि0 17.02.2026 की दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं:–

2. वित्तीय वर्ष 2026–27 में सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण योजनान्तर्गत कार्य:–

Sr. No.	District	Name of work	Cost of Construction	Bid Security (in Rs.lac)	Cost of Bid Document (Rs.)	Time of completion	Address of Executive Engineer Executing the work	Address of Superintending Engineer	Address of Chief Engineer	Category of Contractor (Road Work)
1	Budaun	इस्लामनगर चन्दौसी मार्ग पर नवीनीकरण कार्य हेतु विभीय हॉट मिक्स प्लाण्ट पर ग्रिट एवं डस्ट की आपूर्ति का कार्य	9.00	0.90	856	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
2	Budaun	ओरछी इस्लामनगर मार्ग से कुँवरपुर रफतपुर फेजगंज बेहटा मार्ग पर नवीनीकरण हेतु विभीय हॉट मिक्स प्लाण्ट पर ग्रिट एवं डस्ट की आपूर्ति का कार्य	5.95	0.60	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
3	Budaun	बजीरगंज उरैना से जमालपुर दरावनगर मार्ग पर नवीनीकरण हेतु विभीय हॉट मिक्स प्लाण्ट पर ग्रिट एवं डस्ट की आपूर्ति का कार्य	6.30	0.63	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
4	Budaun	एम0 एफ0 मार्ग से ढिलवारी अड्डूपुरा सिद्धपुर कैथौली होते हुए बिसौली इस्लामनगर मार्ग पर नवीनीकरण हेतु विभीय हॉट मिक्स प्लाण्ट पर ग्रिट एवं डस्ट की आपूर्ति का कार्य	7.00	0.70	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
5	Budaun	दानपुर से गुलड़िया सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	13.36	1.34	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
6	Budaun	जगदीशपुर से जसूपुरा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	11.70	1.17	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
7	Budaun	मौजुद्दीननगर ढकनगला से राजथल सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	19.30	1.93	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
8	Budaun	खंजनपुर से रूकुन्दीनगर सम्पर्क मार्ग की छूटी कड़ी पर नवीनीकरण का कार्य	5.30	0.53	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
9	Budaun	मोहम्मदगंज से गोबरा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	20.20	2.02	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
10	Budaun	बजीरपुर से अम्बियापुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	16.20	1.62	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
11	Budaun	राजथल से जसूपुरा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	9.00	0.90	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
12	Budaun	समसपुर मलिकफत्ता से अम्बियापुर वाया गिरधरपुर पर नवीनीकरण का कार्य	24.70	2.47	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
13	Budaun	सहसवान नाधा दुधवा से सागरपुर वाया भवानीपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	32.66	3.27	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
14	Budaun	कोठरा से बस्ताई फरीदनगर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	24.52	2.46	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
15	Budaun	ढकनगला सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	10.75	1.08	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
16	Budaun	ओईया से किसैरा अब्दुल्लागंज सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	17.00	1.70	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
17	Budaun	करियामई से सोरहा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	12.5	1.25	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
18	Budaun	करियामई सोरहा से गुरीठा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	16.20	1.62	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
19	Budaun	बदायूँ बिजनौर मार्ग के किमी0 46 से उदयपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	13.40	1.34	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
20	Budaun	मई खेड़ा से सुराही सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	11.20	1.12	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
21	Budaun	ईख शेड़ा से गोपालपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	15.70	1.57	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
22	Budaun	बदायूँ बिजनौर मार्ग से फतेहनगला सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	9.00	0.90	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
23	Budaun	बदायूँ बिल्सी मार्ग से पिण्डौल भट्ठे से बढनौमी सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	4.49	0.45	767.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
24	Budaun	बिसौली सहसवान मार्ग से राजबरौलिया एवं बिसौली सहसवान मार्ग से फिरोजपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	9.00	0.90	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
25	Budaun	बिसौली सहसवान मार्ग से बसुपर वाया वृहदपुर तहेरा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	13.47	1.35	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
26	Budaun	बिसौली सहसवान मार्ग से मोहम्मदपुर हज्जाम सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	16.20	1.62	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
27	Budaun	क्यावली से कमनपुर भूढ़ सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	15.75	1.58	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
28	Budaun	भूढ़ खितौरा मार्ग से रफतपुर बंजारा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	10.40	1.15	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
29	Budaun	शरह बरौलिया से बघोली सम्पर्क मार्ग एवं बिसौली सहसवान मार्ग से कोट सम्पर्क मार्ग नवीनीकरण का कार्य	11.80	1.18	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
30	Budaun	सरह बघौली सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	11.50	1.15	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
31	Budaun	बिसौली सहसवान मार्ग शेखपुर सैदपुर सम्पक मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	11.50	1.15	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
32	Budaun	सिरतौल से केशरपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	9.40	0.94	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
33	Budaun	बिसौली सहसवान मार्ग से भूंढ खितौरा मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	17.95	1.80	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
34	Budaun	सहसवान नाधा मार्ग अल्लीपुर ठपपा हवेली सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	19.70	1.97	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
35	Budaun	अफजलपुर बुंधैती से कादरचौक सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	5.90	0.59	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
36	Budaun	सहसवान नाधा से अल्लीपुर शेरपुर होते हुए उस्मानुपर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	17.30	1.73	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
37	Budaun	मलिकपुर बिचौला से खरकोल सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	23.50	2.35	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
38	Budaun	हसनुपर ठपपा वैश्य से दियोहरा शेखपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	14.90	1.49	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
39	Budaun	दहगवॉ ऑतर मार्ग से नवाबगंज सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	7.90	0.79	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
40	Budaun	दहगवॉ धर्मपुर मार्ग गंगुर्रा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	27.40	2.74	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
41	Budaun	चमरपुरा रसूलपुर डांस मार्ग से धोबई सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	22.40	2.24	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
42	Budaun	सदरपुर मकरन्दपुर खाम सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	20.50	2.05	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
43	Budaun	मेरठ बदायूँ मार्ग के किमी0 180 से हिण्डौर से पावड़पुख्ता सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	10.00	1.00	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
44	Budaun	हिण्डौर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	9.00	0.90	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
45	Budaun	बाजपुर से शाहपुर ताहिरखेड़ा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	10.85	1.09	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
46	Budaun	सहसवान डकारापुख्ता मार्ग से भगतानगला बाजपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	15.70	1.57	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
47	Budaun	मेरठ बदायूँ मार्ग से कोल्हार सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	15.70	1.57	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
48	Budaun	दानपुर से रूकुन्दी नगर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	17.95	1.80	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
49	Budaun	मेरठ बदायूँ मार्ग से जरेठा सम्पक मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	8.60	0.86	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
50	Budaun	धर्मपुर से गन्दरौली सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	6.30	0.63	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
51	Budaun	बिसौली दबतोरी मार्ग (अजिमा) से अहरोली सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	12.50	1.25	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
52	Budaun	अतरपुरा करखेड़ी मार्ग से गिरधरपुर सम्पर्क मार्ग एवं परसिया अहरोली से अहरोला सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	10.75	1.08	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
53	Budaun	भूढ़ बिसौली से किशनपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	23.30	2.33	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
54	Budaun	मोहकमपुर लिंक मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	5.50	0.55	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
55	Budaun	बिसौली आसफपर मार्ग गुलड़िया भमौरी सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	8.98	0.90	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
56	Budaun	दबतोरी भरतपुर घ्रुविया ताल से बीघानगला सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	7.20	0.72	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
57	Budaun	खडगपुर से अरिल नदी तक सम्पक मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	8.98	0.90	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
58	Budaun	बिसौली आसफपुर मार्ग से काशीराम नगर आवास मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	4.90	0.49	767.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
59	Budaun	बिसौली आसफपुर मार्ग से शाहवरशाह सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	16.20	1.62	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
60	Budaun	भूढ़ बिसौली से खड़गपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	16.80	1.68	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
61	Budaun	किशनपुर से तखौरा (छूटी कड़ी) सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	17.95	1.80	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
62	Budaun	एम0एफ0 मार्ग किमी0 77 से सहावर खेड़ा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण हेतु विभीय हॉट मिक्स प्लाण्ट पर ग्रिट एवं डस्ट की आपूर्ति का कार्य	4.40	0.44	767.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
63	Budaun	बिल्सी बजीरगंज मार्ग से पस्तौर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	6.30	0.63	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
64	Budaun	बिसौली चन्दौसी मार्ग से महोरी सम्पर्क मार्ग, बिसौली बदायूँ मार्ग से पनोड़ी सम्पर्क मार्ग, एम0 एफ0 मार्ग किमी 72 से बसई सम्पर्क मार्ग एवं बिसौली मुडिया सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण हेतु विभागीय हॉट मिक्स प्लाण्ट बिसौली पर ग्रिट एवं डस्ट की आपूर्ति का कार्य	9.78	0.98	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
65	Budaun	बिसौली इस्लामनगर मार्ग से ब्यौर कुन्दनपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	14.30	1.43	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
66	Budaun	नागपुर से सिरतौला सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	14.90	1.49	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
67	Budaun	बिसौली इस्लामनगर मार्ग से लभारी (पवसरा) मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	5.22	0.53	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
68	Budaun	ग्राम पलई से न्यौली हरनाथपुर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	20.20	2.02	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
69	Budaun	नगला बाराह से ग्राम भवानीपुर तक पर नवीनीकरण का कार्य	11.17	1.12	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
70	Budaun	बिसौली चन्दौसी मार्ग से सैण्डोला मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	9.90	0.99	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
71	Budaun	बिसौली बदायूँ मार्ग से कालूपुर बरखेड़ा मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	9.00	0.90	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
72	Budaun	गदरपुरा पिण्डारा मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	15.25	1.53	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
73	Budaun	बिसौली इस्लामनगर मार्ग से भवानी नगला सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	4.50	0.45	767.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
74	Budaun	बी0 के0 के0 मार्ग से रायपुर जगमन सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	31.00	3.10	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
75	Budaun	रहेड़िया से मालिन की गोटिया सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	4.50	0.45	767.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
76	Budaun	बी0 के0 क0 मार्ग से अहमदगंज सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	13.90	1.39	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
77	Budaun	एम0 एफ0 मार्ग से बगलपुर बरखैड़ा कीचक सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	8.98	0.90	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
78	Budaun	खुर्रमपुर भमौरी मार्ग से न्यौली सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	16.20	1.62	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
79	Budaun	न्यौली हरनाथपुर से धिमरपुरा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	14.30	1.43	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
80	Budaun	सिसईया बगरैन मार्ग से कतगॉव सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	22.00	2.20	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
81	Budaun	बिसौली ऑवला मार्ग से मलिकपुर होते हुए चन्दपुरा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	23.20	2.32	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
82	Budaun	बिसौली ऑवला मार्ग से बरखेड़ा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	13.36	1.34	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
83	Budaun	मुड़िया से करेंगी रेलवे स्टेशन सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	13.00	1.30	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
84	Budaun	बिसौली ऑवला मार्ग से ॲगेई सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	17.95	1.80	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
85	Budaun	सिसईया से रानी की गौटिया सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	15.14	1.52	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
86	Budaun	बरीपुरा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	6.70	0.67	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
87	Budaun	बी0 के0 के0 मार्ग से निजरा सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	5.90	0.59	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
88	Budaun	सिठौली से ब्यौर सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	17.95	1.80	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
89	Budaun	परौली से मोहम्मदगज सम्पर्क मार्ग पर नवीनीकरण का कार्य	22.50	2.25	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D

3–बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in- पर दिनांक 10.02.2026 से 17.02.2026 तक उपलब्ध है, निविदाये दिनांक 17.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 17.02.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP-245346 दिनांक 05.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(देवपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि.
बदायूँ ।

अमृत विचार

रविवार, 8 फरवरी 2026

साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय
सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय

कबीर दास जी कहते हैं, इस संसार में ऐसे सज्जनों की जरूरत है, जैसे अनाज साफ करने वाला सूप होता है। जो सार्थक को बचा लेता है और निरर्थक को उड़ा देता है।

विपक्ष उत्तरदायी बने, प्रश्न पूछे, विकल्प दे, सुझाव रखे

संसद की गरिमा के प्रश्न स्थाई भाव बन रहे हैं। संसद देश काल का दर्पण होती है। यह केवल बजट पास करने या कानून बनाने का ही संवैधानिक निकाय नहीं होती। सदन की गरिमा और मर्यादा बहुधा तार-तार हो रही है। संसद की गरिमा को उच्च स्तर पर बनाए रखने का कर्तव्य सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ही जिम्मेदारी है। उत्तरदायित्व का निर्वाहन शोर-शराबे से नहीं होता। सदन के भीतर शोर शब्दों का विकल्प नहीं होता। कांग्रेस दीर्घकाल तक सत्ता में रही है। देश की संसदीय राजनीतिक संस्कृति को विकसित करने की जिम्मेदारी कांग्रेस की ही रही है, लेकिन विपक्षी दल की भूमिका में कांग्रेस वैचारिक विकल्प नहीं दे पाई। दुनियाभर के संसदीय जनतंत्रों में सत्ता पक्ष का विकल्प देने की जिम्मेदारी विपक्ष की ही होती है। सदन में अचानक किसी मुद्दे पर उबाल आ जाना बड़ी बात नहीं है। तीखी नोक-झोंक भी संभव है, लेकिन योजना बनाकर सदन के भीतर उत्पात करना किसी भी दशा में उचित नहीं कहा जा सकता।

> यूरोपीय संसदीय राजनीति के विद्वान हेराल्ड लास्की ने विपक्ष के तीन कर्तव्य बताए थे। पहला, टू प्रपोज द गवर्नमेंट-सुझाव देना। दूसरा, टू अपोज द गवर्नमेंट-राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक विरोध करना और तीसरा, विकल्प देने के लिए तैयार रहना-टू डिपोज द गवर्नमेंट। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में विपक्ष को 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है, लेकिन यहां शोर और स्थगन ही विपक्ष के हथियार बन गए हैं। संसद के विशेषाधिकार महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय संसद में बहुत कुछ अप्रिय घटित हो रहा है। ऐसा उत्पात सदन की मर्यादा का हनन है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि 'कांग्रेस के सांसद किसी अप्रत्याशित घटना को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम देना चाहते थे।' बिरला ने कहा कि उन्होंने नेता सदन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सतर्क किया था कि ऐसी कोई बड़ी घटना संभव थी। बिरला ने यह भी कहा कि अभी बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने जैसा व्यवहार किया वैसा लोकसभा की शुरुआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ। यद्यपि कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के दावे को झूठ बताया है, लेकिन मूलभूत प्रश्न है कि प्रधानमंत्री के आसन के सामने तीन महिला सदस्यों का खड़े होना किस दृष्टि से संसदीय है। लोकसभा अध्यक्ष के अनुसार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया था कि वे सदन में न आएं।

18वीं संसद में प्रेरक घटनाएं नहीं दिखाई पड़ती। विपक्ष अपने संसदीय दायित्वों के निर्वाहन में सफल नहीं रहा। व्यवधान और शोर बार-बार के स्थगन और संसदीय शब्दों का प्रयोग लगातार हो रहा है। राष्ट्रीय विमर्श के प्रश्न बहस का मुद्दा नहीं बन पाए। वैकल्पिक विषयों पर सदन के पटल पर विकल्प देना, विकल्प के क्रियान्वयन के लिए सुझाव देना विपक्ष की जिम्मेदारी है।

यूरोपीय संसदीय राजनीति के विद्वान हेराल्ड लास्की ने विपक्ष के तीन कर्तव्य बताए थे। पहला, टू प्रपोज द गवर्नमेंट-सुझाव देना। दूसरा, टू अपोज द गवर्नमेंट-राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक विरोध करना और तीसरा, विकल्प देने के लिए तैयार रहना-टू डिपोज द गवर्नमेंट। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में विपक्ष को 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है, लेकिन यहां शोर और स्थगन ही विपक्ष के हथियार बन गए हैं। संसद के विशेषाधिकार महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री सदन का नेता होता है। नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए उसे सरकार की नीतियों की आलोचना करनी चाहिए। उस आलोचना का आधार होना चाहिए। सदन में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा संसदीय व्यवहार का प्रमुख हिस्सा है। अपशब्द विचार प्रकट करने का सही माध्यम नहीं होते। अपशब्दों का प्रयोग संसदीय कर्तव्य के आदर्श निर्वाहन का विकल्प नहीं होता, लेकिन यहां प्रधानमंत्री के आसन के समक्ष खड़े होकर शोर मचाना, महिला सांसदों का आसन को घेर कर खड़े होना जैसे प्रसंग रोजमर्रा की कार्यवाही का हिस्सा बन रहे हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

प्रधानमंत्री के विरुद्ध किसी अनहोनी के संबंध में बिरला का रहस्योद्घाटन गंभीर प्रकृति का है। यह छोटी-मोटी घटना नहीं है। योजना बनाकर संसद की कार्यवाही को किसी भी रूप में प्रभावित करने की इच्छा भी खतरनाक है। यह सदन के विशेषाधिकार का भी उल्लंघन है। लोकसभा अध्यक्ष को घटना के सभी तथ्यों की जानकारी है, इसलिए ऐसे गंभीर मुद्दे पर विशेषाधिकार के अवमानना की कार्यवाही होनी चाहिए।

यद्यपि ब्रिटिश संसद को संसदीय मामलों में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है, लेकिन ब्रिटिश संसद के जन्म के बहुत पहले भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं थीं। लुडविग जैसे विद्वानों ने वैदिक काल में ही भारत की संसदीय संस्थाओं का उल्लेख किया है। सभा और समितियां ऋग्वेद में हैं। अथर्ववेद में हैं। महाभारत में हैं। वैदिक साहित्य में सभा के सदस्य सभासद कहलाते थे, जो सभेय थे, सभा में सुंदर बोलते थे, वे सभ्य कहे जाते थे। उत्तर वैदिक काल और पुराणों के समय भिन्न-भिन्न जनहितकारी विषयों पर विचार गोष्ठियां होती थीं। भाषा में मधुरता थी। आचार और विचार मर्यादित थे, लेकिन आधुनिक भारत की संसद तमाम प्रतिभाओं के बावजूद मर्यादित रूप में नहीं चलती। संसदीय कार्यवाही प्रेरित नहीं करती। यह हताश और निराश करती है।

संविधान सभा की कार्यवाही लंबे समय तक चली थी। सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. आंबेडकर, कमलापति त्रिपाठी, विशंभर दयालु त्रिपाठी, मौलाना हसरत मोहानी, हरि विष्णु कामथ, हृदयनाथ कुंजरू, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे विद्वान सदस्य थे।

इस लंबी कार्यवाही में कहीं कोई कटुता नहीं दिखाई पड़ी। डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा की अध्यक्षता कर रहे थे। संविधान सभा ने देश को एक राज व्यवस्था दी। राष्ट्रवादी मूल और आदर्श दिए, लेकिन आश्चर्य है कि ऐसी परंपराओं के उत्तराधिकारी होकर भी हम अपनी संसद को सुव्यवस्थित नहीं चला पा रहे हैं। दुर्भाग्य का विषय है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास नीतियों के स्तर पर कोई विकल्प नहीं है। शोर स्थाई भाव है।

सदन राष्ट्रीय विमर्श के संवैधानिक मंच हैं। विपक्ष को तथ्य और तर्क सहित चर्चा करनी चाहिए। मूलभूत प्रश्न है कि प्रश्नों का उद्देश्य क्या है? क्या लोकतंत्र की मजबूती हंगामे से ही संभव है। क्या शोर-शराबा और हंगामा ही बहस का उपकरण हो सकते हैं। लोकसभा के मंच से लगातार विपक्ष द्वारा यही कहा जा रहा है कि हंगामा हथियार हो गया है। विपक्ष के पास तथ्य नहीं है। विपक्ष को लगता है कि विपक्ष के पास तथ्य व तर्क से ज्यादा हंगामा और नारेबाजी के उपकरण ही हैं।

विपक्ष सरकार को घेरने के अलावा और किसी लक्ष्य से प्रेरित नहीं है। वह राष्ट्रीय आवश्यकता की रणनीति पर कम और हंगामा द्वारा राजनीतिक बढ़त लेने का हथियार ज्यादा है। सदन में अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर कम से कम विपक्ष से अपेक्षा की जा सकती है कि वह उत्तरदायी बने। प्रश्न पूछे। विकल्प दे। सुझाव रखे। सरकार को जवाबदेह बनाए। विपक्ष का यह भी कर्तव्य है कि वह सदन को हंगामे का मंच न बनाए। वैकल्पिक विचार दे और संसदीय कार्यवाही को राष्ट्रहितैषी बनाए।

संप्रभुता अभद्र नहीं होती। संसद सर्वोच्च संप्रभु संस्था है। विधि निर्मात्री है, संविधान संशोधन के अधिकार से भी लैस है। राज्यों के विधानमंडल इसी की प्रतिछाया हैं, लेकिन संसद और विधानमंडल स्वयं अपनी बनाई कार्य संचालन नियमावली का अनुपालन नहीं करा पाते। राष्ट्र क्षुब्ध है।

नई पीढ़ी में गेमिंग की लत छुड़वाने की चुनौती

पिछले ही सप्ताह भोपाल की छत्रसाल कॉलोनी के एक व्यवसायी के 8वीं क्लास में पढ़ने वाले इकलौते बेटे ने गेमिंग में फंसकर आत्महत्या की थी। घटना चर्चाओं में थी कि वैसा ही एक और मामला गाजियाबाद में घट गया। सिलसिलेवार तरीके से इस तरीके के केस रोजाना प्रकाश में आ ही रहे हैं। बीते 24 महीनों में करीब 180 घटनाएं देशभर में रिपोर्ट की गई हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों में जिस हिसाब से पांच सालों में उछाल आया है, वह निश्चित रूप से रोंगटे खड़े करता है। कौन सी तरकीब अपनाई जाए, जिससे बच्चे फिर से गेमिंग के चुंगल से निकलकर अपने पारंपरिक देशी किस्म के खेलकूदों की ओर मुड़ जाएं। दरअसल, ऐसी जरूरत गाजियाबाद में तीन बहनों के सुसाइड के बाद और ज्यादा महसूस होने लगी है।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

क्यों मॉडर्न बच्चे मैदानी खेलों को छोड़कर मोबाइल गेमिंग जैसी आफतों में घुसते जा रहे हैं? ऐसे सवालों का उत्तर बिना देर किए सामुहिक स्तर पर समाज के प्रत्येक वर्गों को खोजना चाहिए। टीनएजर्स में गेमिंग की लत जानलेवा बीमारी जैसी हो गई है, जिसका ताजातरीन उदाहरण सामने है। कोरियन गेमिंग की आड़ में गाजियाबाद की तीन सगी नाबालिग बहनों ने 'लवर गेम टास्क' में खुद को फंसाकर मौत को गले लगाना पड़ा। उनके सुसाइड की खबर समाज में आग की तरह फैली हुई है। दरअसल तीनों बहनों ने मौत को जिस अंदाज से अपनाया उसने अभिभावकों को सबसे ज्यादा झकझोरा है। बच्चियों ने पिता के नाम चिट्ठी लिखकर मौत की वजह भी बताई। आठ पन्नों के सुसाइड नोट में उन्होंने अपनी अधूरी चाहत की पूरी दास्तां को विस्तार से लिखी है। ऐसी-ऐसी वजहें लिखीं, जिन्हें पढ़-सुनकर समाज सोचने पर विवश हुआ है।

> बीते 24 महीनों में करीब 180 बच्चों के खुदकुशी के मामले देशभर में रिपोर्ट हुए हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों में जिस हिसाब से पांच सालों में उछाल आया है, वह निश्चित रूप से रोंगटे खड़े करता है।

घटना की शुरुआती पड़तालें बताती हैं कि गेम की गिरफ्त में तीनों बहनें ऐसी जकड़ीं कि निकल ही नहीं पाईं, निकलने की तमाम नाकाम कोशिशें जरूर कीं, लेकिन दलदल में इतनी फंस चुकी थीं, वहां से निकला उनके लिए नामुकिन हो गया। अंत में तीनों ने नौवीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला को समाप्त करना ही मुनासिब समझा। पुलिस घटना की तफ्तीश में है। मामला जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, नई-नई अचंभित करने वाली बातें सामने आ रही हैं। कुछ ऐसी भी बातें, जिन पर एकाएक विश्वास करना मुश्किल है।

पुलिस थ्योरी और पड़ोसियों की मानें तो तीनों लड़कियां लगातार गेम खेलती रहती थीं। ये बात अब तथ्यात्मक हो चुकी है कि ज्यादातर गेम साइको टाइप लत परोसने लगे हैं। बच्चों को ज्यादा से ज्यादा अपनेपन का एहसास कराने की जरूरत है। एक बार जो इसकी गिरफ्त में फंसा, तो आसानी से छुटकारा नहीं पा सकता। इस झकझोर देने वाली घटना को ध्यान में रखकर ये समझना होगा कि आखिर कोरियाई कल्चर टीनएजर्स को क्यों लुभा रहा है? दरअसल, कोरियाई कल्चर की कुछ खासियतें हैं। उनका आधुनिक ड्रामा और के-पॉप प्यार और पारिवारिक भावनाएं लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। उनके अपनेपन से लोग आसानी से उनसे जुड़ जाते हैं।

आत्म विश्वास और विधि ही मुख्य है

मानव-प्रतिभा का विकास साधन सुविधाओं पर ही आधरित है यह सत्य नहीं है। मानव-प्रतिभा के विकास के लिए आत्म विश्वास और कार्य करने की सम्यक् विधि ये ही मुख्य आवश्यकता है। साधन सुविधाओं की आवश्यकता इनके बाद आती है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं कि अनेक साधन-सुविधाओं के उपरांत भी कई व्यक्ति अपना विकास नहीं कर पाते हैं और जिनके पास पर्याप्त साधन नहीं है फिर भी ये अपनी प्रतिभा का प्रर्याप्त विकास कर पाए और इतिहास बनाकर चले गए। इससे स्पष्ट हो गया कि साधन ही मुख्य नहीं है। आज देश में भारतीय प्रतिभा का समुचित विकास नहीं हो पा रहा है, तो इसके लिये अधिकतर व्यक्ति साधनों के अभाव को दोष दे रहे हैं, किन्तु यह पूर्ण सत्य नहीं है।

मूल बात तो यह है कि भारतीय जन जीवन में जो विकृतियां इन दिनों व्याप्त हो रही हैं, उनमें ही एक विकृति अपनी विचार विपन्नता की है। अक्सर सुना जाता है कि हम भी बहुत कुछ कर लेते, किंतु हमारे पास साधन नहीं हैं। आलस्य और प्रमाद एक बहाना चाहता है। साधन के अभाव का बहाना आसानी से मिल जाता है। अतः उसे दुहराते रहेंगे और अपने विकास को कुंठित करते रहेंगे।

देश-विदेश के आविष्कारों और श्रेष्ठ आदर्शों का अध्ययन करें, तो यही स्पष्ट होता है कि जितने भी आविष्कार हुए या जो महत्वपूर्ण कार्य हुए, वे अभावों के बीच हुए। साधन संपन्नता से नव सर्जन के द्वार बंद ही हुए हैं खुले नहीं, हां अभावों में अवश्य विकास की किरण जगती हुई दिखाई दी है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

मानव के पास अपना मस्तिष्क और अपनी देह है। ये ही अनमोल सिद्धियां हैं। ये उपलब्ध हैं तो फिर अन्य साधनों का क्या? वे तो मिले या न मिले। मस्तिष्क स्वस्तः मानव के विकास का मार्ग प्रशस्त कर देता है। करोड़ों का धन भी जो सफलता नहीं दे सकता, मस्तिष्क वह सफलता प्रदान कर ही देता है। अपने मस्तिष्क में विकृत विचार न हों और सम्यक् कार्य विधि हों तो बढ़ते हुए प्रगति चरण कोई नहीं रोक सकता। आत्मविश्वास बड़ी चीज है। धैर्य और दक्षता के साथ अपने कदम बढ़ाएं तो साधन अनायास ही सामने उपस्थित रहेंगे।

हम जो मन में आया उसे तत्काल पूर्णता पूर्वक पा लेना चाहते हैं। भावनाओं का तीव्र ज्वार उमड़ता है अभिष्ट को पा लेने को, किंतु क्या उसी समय वह सब कुछ मिल पाता है? स्पष्ट है अभिष्ट तो उपलब्ध नहीं होता, किंतु निराशाएं अवश्य हाथ लगती हैं। वह निराशा जीवन को उत्साह हीन और भंद बना देती है।

आज अनेक व्यक्ति असफलता की कुंठा से ग्रस्त हैं। वे निराश हैं उन्हें कुछ करना सूझता नहीं। उन्हें चाहिए कि वे अपने कार्यों में ढूंढे कि कमी कहां रही। वह देखें और अपना प्रयास फिर शुरू करें। सारी कमियों को दूर कर उत्साहपूर्वक अपने प्रयास करते रहें। सफलता आपके चरण चूमने लगेगी। निराशा और पैर्यहीनता जीवन के सबसे बड़े दोष हैं। ये मानव को भीतर से पंगु बना देते हैं। अतः इन दोषों से अपने आप को बचा लेना चाहिए। कठिन से कठिन प्रसंग में भी हम धैर्य रख सकें यह एक महान बात होगी।

बलूचिस्तान के विद्रोह में महिला फिदायीन

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। बलूचिस्तान लिबरेशन अर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ 31 जनवरी से शुरू किए गए हेरोफ फेज-2 में 200 से अधिक पाक सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं और 17 को कब्जे में भी ले लिया है। इस आपरेशन की मुख्य उपलब्धि दो आत्मघाती विद्रोही बालाओं की हैरतअंगेज कहानी सामने आई है। इनमें 21 साल की हवा बलोच और 24 साल की आसिफ मेंगल ने सुरक्षा बलों से जंग में लोहा लेते हुए अनेक सैन्यकर्मियों के चीथड़े उड़ा दिए। हवा ने जहां सुरक्षाकर्मियों से सीधा मुकाबला किया, वहीं आसिफा ने नोशकी में स्थित आईएसआई के मुख्यालय पर वाहन बम में सवार होकर फिदायीन हमला किया। इसे बलूचिस्तान में दो दशकों का सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है। बीएलए ने इस घटनाक्रम के सत्यापन के लिए हवा बलोच का एक वीडियो भी जारी किया है, जो उनके द्वारा किए हमले से ठीक 12 घंटे पहले का बताया गया है। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने इन हमलों में महिला लड़ाकों की उपस्थिति की पुष्टि की है।

> 21 साल की हवा बलोच और 24 साल की आसिफ मेंगल ने सुरक्षा बलों से जंग में लोहा लेते हुए अनेक सैन्यकर्मियों के चीथड़े उड़ा दिए। हवा ने सुरक्षाकर्मियों से सीधा मुकाबला किया, वहीं आसिफा ने नोशकी में आईएसआई के मुख्यालय पर वाहन बम में सवार होकर फिदायीन हमला किया।

बलूचिस्तान में यह संकट खुद पाकिस्तान की नाकामियों का नतीजा है। महिला आत्मघाती हमले जता रहे हैं कि अब विद्रोहियों ने मर-मिटने की कसम खा ली है। चूंकि पाकिस्तान के पास इन विद्रोहियों से मुकाबला करने का पर्याप्त साहस नहीं है, इसलिए वे हमलों के पीछे भारत का हाथ बताकर भारत विरोधी झूठा नैरेटिव पाकिस्तान से लेकर विदेशी मंचों पर भी गढ़ रहा है। यह खीज उसकी असहायता दर्शाती है। पाकिस्तान के इस झूठ के दुराचरण से दुनिया परिचित है, इसलिए सब जानते हैं कि पाक के ये षड़यंत्रकारी प्रपंच और नापाक इरादे हैं, इसलिए उसे कहीं से भी समर्थन नहीं मिल पा रहा है। पाकिस्तान इस तरह के आडंबर इसलिए भी रचता है, क्योंकि वह अनेक आंतरिक चुनौतियों से झूझ रहा है। अर्थव्यवस्था चौपट है और गरीबी सुरसामुख की तरह बढ़ रही है।

अफगानिस्तान भी सीमाई क्षेत्रों में पाक के लिए संकट का सबब बना हुआ है, जबकि वह इस्लामिक देश है। अफगानिस्तान पाक के विरुद्ध इसलिए है, क्योंकि अफगानिस्तान पर सैन्य हमलों के लिए अमेरिका के लिए जगह पाकिस्तान ही देता रहा है। अतएव अफगानियों के साथ-साथ बलूच पाक के लिए जानलेवा नासूर साबित हो रहे हैं, इसलिए विश्व मंचों पर उठाए सवालों के प्रतिउत्तर में भारत ने कह दिया है कि पाक अपनी आंतरिक विफलताओं को भारत पर न थोपे। उसे अब लंबे समय से चली आ रही अपने नागरिकों की मांगों का समाधान करना होगा। भारत को किसी भी स्तर पर उसकी नापाक इच्छा कभी भी पूरी नहीं होगी।

दरअसल पाकिस्तान अपने गिरेबान में झांकने के बजाय भारत पर आरोप मढ़ने में लगा रहता है, जबकि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लश्कर-ए-तैयबा और आईएसकेपी जैसे आतंकी संगठनों को बीएलए के खिलाफ खड़ा किया गया है। लश्कर-ए-तैयबा भारत पर भी अनेक आतंकी हमलों में शामिल रहा है, लेकिन भारत तो छोड़िए बलूच में भी पाक सेना बलूच विद्रोहियों के विरुद्ध कमजोर पड़ रही है। इस कारण सरकार और सेना दोनों ही हताश है। विदेशी मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि बीएलए वास्तव में अब एक जन आंदोलन के रूप में दिखाई दे रहा है, जिससे मुकाबला करना सरकार और सेना के लिए कठिन हो रहा है।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

बलूचिस्तान के सामाजिक कार्यकर्ता जिब्रान नासिर ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा करके पाक सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा है कि 'बलूचिस्तान जल रहा है और पाक जिम्मेदारी से बचने की मानसिकता के चलते यहां हालात और खराब कर रहा है। पाक को बलपूर्वक शांति स्थापित करने की बजाय बातचीत पर जोर देना चाहिए।' पाक की इस बर्बरतापूर्ण मानसिकता के चलते प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अनुसार पाकिस्तान में इस साल 28 प्रतिशत आतंकी हमले बढ़े हैं और इस साल जनवरी माह में ही इन हमलों से होने वाली मौतों का प्रतिशत 43 बढ़ गया है।

पाक की पीआईसीएसएस रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी में कुल 361 लोग मारे गए हैं, जिनमें 242 आतंकवादी, 73 नागरिक और 46 सेना के जवान हैं। जबकि बीएलए का दावा है कि आपरेशन हेरोफ के दूसरे चरण में बलूच विद्रोहियों ने पाक सेना के 310 सैनिक मार दिए हैं।

जब मृत्यु शैया पर लेटे भीष्म पितामह के ज्ञान देने पर हंस पड़ीं द्रौपदी

जीवन में कभी-कभी ऐसी स्थिति आ जाती है, जब यह तय करने में कठिनाई होती है कि क्या किया जाए, क्या न किया जाए? इसे असमंजस का भाव कहा जाएगा। महाभारत में दो नाम ऐसे आते हैं, जिन्हें असमंजस की स्थिति से गुजरना पड़ा था। पहला नाम भीष्म पितामह का लिया जाता है। भरी सभा में द्रौपदी का चीरहरण दुर्योधन कर रहा था, लेकिन भीष्म पितामह इस अपमानजनक घटना पर बोल नहीं पा रहे थे।

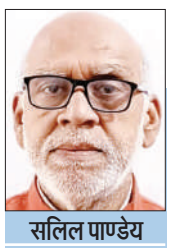

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

असमंजस की हालत का बयान तब उन्होंने किया जब वे शरशय्या पर लेटे थे और श्रीकृष्ण के साथ पांचों पांडव तथा द्रौपदी उनके पास पहुंचे और भीष्म ज्ञान देने लगे, तो द्रौपदी हंस पड़ी। इस पर भीष्म ने हंसने का कारण पूछा तो द्रौपदी ने कहा, 'जब चीरहरण हो रहा था, तब आपका ज्ञान कहां चला गया था?' इस पर भीष्म ने उत्तर दिया, 'द्रौपदी उन दिनों मैं दुर्योधन का अन्न खाता रहा, जिससे दूषित रक्त बन रहा था। जब अर्जुन ने अपने वाणों से उस रक्त को बाहर कर दिया, तब मैं यह ज्ञान दे रहा हूं।

इसी तरह असमंजस युद्ध के मैदान में अर्जुन को भी हो गया था। अपने ही परिवार का वध करने से अर्जुन बचना चाह रहे थे, लेकिन अर्जुन के इस असमंजस की स्थिति को श्रीकृष्ण ने अपने उपदेशों के जरिए खत्म किया और युद्ध के लिए तैयार किया।

इन घटनाओं को लौकिक जीवन में भी देखने को मिलता है। भीष्म पितामह की तरह बड़े-बड़े ओहदे पर बैठे लोग अपने स्वार्थ में गलत को भी सही मानने के लिए मजबूर हो जाते हैं और जब कभी संकट में पड़ते हैं तब अपने बचाव में यही कहते हैं कि उन पर बहुत प्रेशर पड़ रहा था कि गलत को भी सही कहा जाए। यह स्थिति स्वीकार करने योग्य नहीं होती कि प्रेशर में 'हां में हां' मिलाना पड़ रहा था। सचाई तो यह है कि जब कभी अंतरात्मा से आवाज़ उठे कि क्या गलत है और क्या सही, तभी निर्णय लेकर अलग हो जाना चाहिए।

इसी तरह अर्जुन का असमंजस में पड़ना उचित इसलिए नहीं था, क्योंकि यदि अर्जुन युद्ध के मैदान से अलग हो जाते तो समाज व्याप्त दुर्योधन की बुराई समाप्त न होती। लौकिक जीवन में भी यदि कोई अपराध करता है तो उसे अपना समझ कर छोड़ा नहीं जा सकता। उसे दंड देना ही पड़ता है।

सेब से खेजड़ी तक: विकास बनाम पर्यावरण की एक सी लड़ाई

केंद्र सरकार ने हाल ही में कश्मीर में प्रस्तावित तीन रेलवे परियोजनाओं पर रोक लगाकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह फैसला सेब के बागों को बचाने के लिए लिया गया है, जिन पर इन रेल लाइनों के निर्माण से सीधा खतरा मंडरा रहा था। यह कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय है, बल्कि उन किसानों के लिए भी बड़ी राहत है, जिनकी आजीविका सेब के बागों पर निर्भर है।

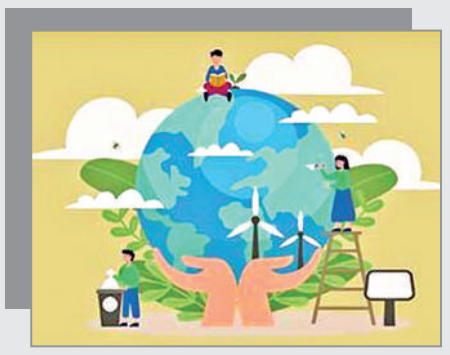

प्रस्तावित रेलवे लाइनों के कारण पुलवामा, शोपिया और अनंतनाग जैसे इलाकों में सेब के हजारों पेड़ों के कटने की आशंका थी। ये इलाके कश्मीर के सेब उत्पादन का केंद्र हैं और वहां की ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। बीते एक साल से किसान इस डर में जी रहे थे कि विकास के नाम पर उनकी जमीन और रोजगार छिन जाएगा। इसी आशंका के चलते किसानों ने विरोध प्रदर्शन भी किए और सरकार से इन परियोजनाओं को रद्द करने की मांग की। रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर सरकार और राज्य के सांसदों की सिफारिश पर इन परियोजनाओं को रोका गया है, ताकि बागों को नुकसान से बचाया जा सके। यह निर्णय इस बात की मिसाल है कि यदि सरकार चाहे, तो वह विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना सकती है। पर बड़ा सवाल यह है कि क्या यही संवेदनशीलता देश के अन्य हिस्सों में भी दिखाई जा रही है?

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

इस सवाल के जवाब में राजस्थान के बीकानेर में चल रहा 'खेजड़ी बचाओ-प्रकृति बचाओ' आंदोलन ध्यान खींचता है। यह आंदोलन राजस्थान में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के नाम पर हो रही पर्यावरणीय क्षति के विरोध में खड़ा हुआ है। इस आंदोलन के तहत पर्यावरण संघर्ष समिति ने बीकानेर में तीन दिन पहले महापड़ाव डाला है। महापड़ाव स्थल पर आमरण अनशन पर पहले 363 पर्यावरण प्रेमी बैठे, जिनकी संख्या बाद में 450 हो गई। इनमें 29 संत, एक साध्वी और 68 महिलाएं हैं। अनशन पर 18 के युवा से लेकर 80 साल तक के बुजुर्ग बैठे हुए हैं। तीसरे दिन आमरण अनशन पर बैठे 17 अनशनकारियों की तबीयत बिगड़ गई। तीन को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती करवाना पड़ा। अब अनशन स्थल पर 75 बेड के दो अस्थायी अस्पताल बनाए गए हैं। यह आंदोलन राजस्थान में खेजड़ी बचाने किया जा रहा है। अनशनकारियों की बिगड़ती तबीयत और अस्थाई अस्पतालों की व्यवस्था इस आंदोलन की गंभीरता को दर्शाती है।

राजस्थान आज देश में सौर ऊर्जा का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर और जोधपुर जैसे जिलों में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं। सरकार और कंपनियों का दावा है कि इससे भविष्य की ऊर्जा जरूरतें पूरी होंगी और देश का ऊर्जा परिदृश्य बदलेगा, लेकिन इस विकास की कीमत क्या है, इस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए राजस्थान में पिछले एक दशक में लाखों पेड़ काटे गए हैं। इनमें खेजड़ी जैसे पारंपरिक और जीवनदायी वृक्ष भी शामिल हैं। खेजड़ी को राजस्थान में 'कल्प वृक्ष' का दर्जा प्राप्त है। यह न केवल मरुस्थलीय पर्यावरण को संतुलन देता है, बल्कि इससे सांगरी जैसी सब्जी, पशुओं के लिए चारा और ग्रामीण समुदाय की आजीविका भी जुड़ी हुई है। जन्म से मृत्यु तक के सामाजिक संस्कारों में भी खेजड़ी की मौजूदगी अपरिहार्य है।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रो. अनिल छंगाणी की स्टडी में यह तथ्य उजागर हुआ है कि सोलर लगाने के लिए 10 साल में 50 लाख पेड़ काटे जा चुके हैं। इनमें खेजड़ी, बेर, केर, रोहिड़ा, बबूल आदि शामिल हैं। अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि सौर प्लांटों के आसपास का तापमान औसतन 4-5 डिग्री तक बढ़ जाता है। पेड़ों की कटाई से कीट-पतंगों, मधुमक्खियों, पक्षियों और अन्य जीवों के आवास नष्ट हो रहे हैं। गोंद और चारे की उपलब्धता घट रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ रहा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

न्यूज ब्रीफ

कर्नल सोफिया पर टिप्पणियों के लिए मंत्री शाह ने फिर मांगी माफी

इंदौर। कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के विवाद से घिरे मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री विजय शाह ने शनिवार को एक बार फिर माफी मांगी और कहा कि विवादास्पद बयान के पीछे उनका मकसद किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज के किसी भी वर्ग के अपमान का कतई नहीं था। शाह ने कहा कि मैंने कई बार कहा है,आज फिर दोहरा रहा हूं कि मेरे बयान के पीछे ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था।

अभिनेता राजू से जुड़े हादसे में बयान दर्ज

तिरुवनंतपुरम। अभिनेता मनियनपिल्ला राजू के खिलाफ दर्ज दुर्घटना के मामले में कथित खामियों की जांच के तहत शनिवार को म्यूजियम पुलिस थाने के प्रभारी का बयान पुलिस उपायुक्त द्वारा दर्ज किया गया। गुरुवार रात करीब साढ़े नौ बजे वेल्लायंबलम-वाझुथक्कड़ मार्ग पर त्रिवेंद्रम क्लब के पास राजू की कार की एक मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई, जिसमें दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि राजू ने दुर्घटना के बाद अपनी गाड़ी नहीं रोकी और घटनास्थल से फरार हो गया।

हाथियों के हमले में मृतक के परिवारों को मदद

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा किबोकारो के गोमिया में हाथियों के हमले में 2 लोगों की मौत और 4 घायल होना बेहद दुखद, मृतक परिवारों को 4-4 लाख की सहायता, घायलों का पूरा इलाज सरकार करेगी। डॉ अंसारी ने कहा कि यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उन परिवारों की असहनीय त्रासदी है जिनके घरों के चिराग बुझ गए।

ऑयल फैक्ट्री में आग उठा धुएं का गुबार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित एक ऑयल फैक्ट्री में शनिवार को अपराह्न में भीषण आग लग गयी। आग इतनी विकराल थी कि उससे उठता धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से दिखाई देता रहा थी, जिससे आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बन गया। फैक्ट्री उरकुरा रेलवे स्टेशन से पहले स्थित है। आग से फैक्ट्री और आसपास अफरा-तफरी मच गयी।

भारत-अमेरिका समझौते पर भाजपा-कांग्रेस में ठनी

देश की आर्थिक वृद्धि के खिलाफ रहती है कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने शनिवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देश के लिए काफी लाभकारी होगा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह हमेशा देश की आर्थिक वृद्धि के खिलाफ रहती है। भाजपा की यह टिप्पणी कांग्रेस के बयान के बाद आई है।

● जयराम रमेश की टिप्पणी पर किया पलटवार

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने जयराम रमेश की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक स्तर पर समझौता करने वाले के रूप में उभरते देखकर कांग्रेस असहज है। भंडारी ने एक्स पर सवाल किया कि कांग्रेस भारत के लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), किसानों और अर्थव्यवस्था के विकास का हमेशा विरोध क्यों करती है? कांग्रेस यह पचा नहीं पा रही है कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने यूरोपीय संघ और अब अमेरिका के साथ बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे हमारे किसानों, निर्यातकों और एमएसएमई के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक अवसर पैदा हुआ है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि यह समझौता देश की महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने अमेरिका के साथ एक अंतरिम व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तैयार की है। ये कदम भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा को मजबूत करते हैं, मेक इन इंडिया को बढ़ावा देते हैं और वस्त्र एवं चमड़ा से लेकर रसायन, मशीनरी और हस्तशिल्प उत्पादों तक के क्षेत्रों के लिए अवसरों का विस्तार करते हैं। भारत के संवेदनशील कृषि और डेयरी क्षेत्रों को दी सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वैश्विक व्यापार के बावजूद किसानों के हितों और ग्रामीण आजीविका की रक्षा हो।

समझौता दबाव में, मोदी ने कर दिया समर्पण : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार दावा किया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते से भारत को फायदा नहीं हुआ, बल्कि अमेरिका का लाभ हुआ है क्योंकि यह समझौता दबाव में किया गया और प्रधानमंत्री मोदी ने समर्पण कर दिया।

● कांग्रेस का दावा- व्यापार समझौते से भारत को फायदा नहीं

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी पर भारी पड़ गया है। नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत एवं अमेरिका के रिश्तों से जुड़े दो बड़े राजनीतिक-कूटनीतिक कार्यक्रम थे,जिनका आयोजन क्रमशः अहमदाबाद और ह्यूस्टन में हुआ था। रमेश ने कहा कि अभी तक इस समझौते के विवरण घोषित नहीं किए गए हैं, उनके बारे में शायद आने वाले कुछ महीनों में बताया जाए। लेकिन जो संयुक्त बयान जारी हुआ है, उससे कुछ बातें बिल्कुल साफ़ हैं। पहली, हम अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क को खत्म करेंगे या कम करेंगे। यह साफ़ तौर पर अमेरिकी किसानों के लिए फ़ायदे की बात है, भारतीय किसानों के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि दूसरी बात, जो बिल्कुल स्पष्ट है, वह यह है कि हम रूसी तेल का आयात बंद करने जा रहे हैं और अलग से अमेरिकी सरकार ने यह भी ऐलान कर दिया है कि अगर हम रूस से सीधे या परोक्ष रूप से तेल आयात करते हैं, तब भी हम पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क लगाया जाएगा। रमेश ने एक्स पर व्हाइट हाउस के एक बयान का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए पोस्ट किया, अमेरिका अब इस पर नजर रखेगा कि भारत रूस से तेल आयात कर रहा है या नहीं।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका के समक्ष समर्पण कर दिया है। भारत अमेरिका के टाइम जोन के हिसाब से चल रही है, क्योंकि सारे निर्णय अमेरिका के हिसाब से हो रहे हैं।

सांसद पप्पू यादव को दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

पटना, एजेंसी

● तबीयत ठीक ने होने पर कोर्ट ने दिए अस्पताल में रखने के निर्देश

बिहार के पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को वर्ष 1995 के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद शनिवार को पटना की एक अदालत ने दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने कहा कि उनकी जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी और तब तक उन्हें इलाज के लिए पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में रखा जाएगा।

पप्पू यादव को शुक्रवार देर रात पटना के मंदिरी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ सांसद/विधायक अदालत द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 467 (दस्तावेजों की जालसाजी) के तहत दर्ज मामले में वारंट जारी किया गया था। पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले यादव ने शुरू में पुलिस की टीम के साथ जाने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि पुलिस के पास संपत्ति कुर्की का वारंट है, गिरफ्तारी का नहीं। हालांकि बाद में उन्हें हिरासत में ले लिया गया। अदालत में यादव की ओर से पेश हुए अधिवक्ता शिवनंदन भारती ने कहा, उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। हालांकि जेल भेजने के बजाय अदालत ने आदेश दिया कि उनकी तबीयत ठीक नहीं होने के कारण उन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच में रखा जाए।

अधिवक्ता ने दावा किया कि यादव ने स्वेच्छा से गिरफ्तारी दी थी, लेकिन पुलिस के काम में बाधा डालने का एक झूठा मामला उनके खिलाफ दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, उनकी जमानत जुलाई 2025 में रद्द हो गई थी और तब से उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी था।

मुंबई में नहीं चलेंगे एप आधारित टैक्सी और ऑटो रिक्शा

मुंबई, एजेंसी

● अवैध बाइक टैक्सी के खिलाफ कार्रवाई को लेकर हड़ताल पर रहे

महाराष्ट्र के मुंबई में ऐप आधारित टैक्सी और ऑटो रिक्शा चालकों ने शनिवार को एक दिवसीय हड़ताल की। यह हड़ताल एक यूनियन द्वारा अवैध बाइक टैक्सी सेवाओं के खिलाफ कार्रवाई और पैनिक बटन लगाने से संबंधित शिकायतों के निवारण सहित विभिन्न मांगों को लेकर की गई थी।

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने राइड एग्रीगेटर्स (टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी) को चेतावनी दी कि अगर वे चालकों के साथ अनुचित व्यवहार करते हैं और उनके साथ अन्याय करते हैं, तो सरकार कंपनियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी। महाराष्ट्र कामगार सभा के प्रमुख डॉ. केशव क्षीरसागर ने बताया कि महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में हड़ताल आज (शनिवार) सुबह से शुरू हुई। उन्होंने कहा कि अधिकांश ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों ने हड़ताल का समर्थन किया है। यूनियन ने हालांकि दावा किया कि चालकों ने अपने वाहन सड़कों पर नहीं उतारे लेकिन उबर, ओला और रैपिडो जैसी प्रमुख कंपनियों के ऐप पर सुबह से ही टैक्सियों व ऑटो रिक्शा की बुकिंग उपलब्ध है। महाराष्ट्र कामगार सभा ने पहले कहा था कि हड़ताल का उद्देश्य कंपनियों की मनमानी किराया नीतियों का विरोध करना और अवैध बाइक टैक्सी संचालन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करना है, जिससे लाइसेंस प्राप्त कैब और ऑटो रिक्शा चालकों की आजीविका प्रभावित हो रही है। गिग वर्कर्स का प्रतिनिधित्व करने वाली यूनियन ने यह भी आरोप लगाया कि पैनिक बटन को अनिवार्य किया जाना ऑपरेटरों के लिए वित्तीय बोझ बन गई है। मंत्री सरनाइक ने कहा कि आंदोलन से आम नागरिकों को असुविधा नहीं होनी चाहिए।

केरल में प्याज के ट्रक से भारी मात्रा में विस्फोटक जब्त

मलप्पुरम। केरल में मलप्पुरम के समीप चेम्माड में शनिवार को प्याज लदे एक ट्रक से जिलेटिन की 10,500 से अधिक छड़ें व डेटोनेटर जब्त किए गए। इस सिलसिले में पुलिस ने ट्रक की मालकिन को हिरासत में लिया है।

● 245 बक्से बरामद, जिलेटिन की 10,500 छड़ें और डेटोनेटर मिले

पुलिस के अनुसार, ईंट के भट्ठे के पास खड़े इस ट्रक से लगभग 245 बक्से बरामद किए गए जिनमें जिलेटिन की छड़ें, डेटोनेटर और तार रखे थे। तिरुरंगडी थाने के अधिकारियों ने बताया कि प्याज से लदा यह ट्रक शुक्रवार देर रात ईंट के भट्ठे पर पहुंचा था।

एक गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद ट्रक से सामान उतार रहे लोग भाग गए। हिरासत में ली गई महिला पत्थर की एक खदान भी चलाती है।

संघ सत्ता की इच्छा नहीं रखता : भागवत

मुंबई, एजेंसी

● आरएसएस प्रमुख बोले- संघ का उद्देश्य सकारात्मक प्रयासों का समर्थन और उन्हें मजबूत करना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार को कहा कि संघ किसी के खिलाफ नहीं है और ना ही वह सत्ता या लोकप्रियता चाहता है। भागवत ने जनसभा को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उभरी विभिन्न विचारधाराओं का उल्लेख किया, जिनका प्रतिनिधित्व राजा राम मोहन रॉय, स्वामी विवेकानंद और दयानंद सरस्वती सहित सुधारकों और नेताओं ने किया।

उन्होंने कहा कि हालांकि यह देखा जा रहा है कि समाज को दिशा देने और अनुकूल वातावरण बनाने का काम नहीं हो रहा है। भागवत ने कहा कि आरएसएस का मुख्य उद्देश्य देश में जारी सकारात्मक प्रयासों का समर्थन और उन्हें मजबूत करना है। संघ कोई अर्धसैनिक बल नहीं है, भले ही वह नियमित पथ संचलन करता है और उसके स्वयंसेवक लाठी चलाते हैं, लेकिन इसे एक अखाड़े के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। आरएसएस राजनीति में भी शामिल नहीं है, हालांकि संघ से जुड़े कुछ लोग राजनीतिक जीवन में सक्रिय हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 1925 में आरएसएस की स्थापना से पहले के देश की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को एक सुरक्षा वाल्व के रूप में स्थापित किया, लेकिन भारतीयों ने इसे स्वतंत्रता संग्राम का शक्तिशाली साधन बना दिया। भागवत ने आरएसएस के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार का उल्लेख करते हुए उनके बचपन की कठिन परिस्थितियों का वर्णन किया। भागवत ने कहा कि हेडगेवार ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें उनके स्कूल के दिनों में वंदे मातरम् आंदोलन भी शामिल था। भागवत ने कहा कि जब उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की, तो नागपुर के कुछ लोगों ने उन्हें मेडिकल की पढ़ाई के लिए कोलकाता भेजने हेतु धन जुटाया, जहां वह क्रांतिकारी समूहों के सम्पर्क में आए। हेडगेवार ने कोकेन नाम के कोडनेम से काम किया, जो कोकेनचंद्र नामक व्यक्ति से प्रेरित था। एक बार पुलिस की टीम, जो कोकेनचंद्र को गिरफ्तार करने आई थी, गलतफहमी में हेडगेवार को ही हिरासत में ले गई और यह घटना रास बिहारी बोस की किताब में दर्ज है।

आरएसएस के कार्यक्रम में पहुंचे सलमान खान

मुंबई। अभिनेता सलमान खान शनिवार को मुंबई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में संगठन के प्रमुख मोहन भागवत के भाषण में पूरी तरह से तल्लीन दिखे। सलमान खान के साथ फिल्मकार सुभाष घई और गीतकार, कवि एवं लेखक प्रसून जोशी भी थे। सलमान खान ने भागवत की बात बड़े ध्यान से सुना, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघ किसी का विरोध किए बिना देश के लिए काम करता है, राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित करता है और सत्ता की लालसा किए बिना कार्य करता है। शनिवार को वर्ली क्षेत्र के नेहरू सेंटर में संघ की 100 साल की यात्रा : नए क्षितिज शीर्षक से दो दिवसीय व्याख्यान शृंखला का पहला दिन था। जैसे ही सलमान खान कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने अपने स्मार्टफोन से उनकी तस्वीरें खींचने की कोशिश की। दो दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य आरएसएस की यात्रा, समाज में इसकी भूमिका और इसके भविष्य को आकार देने वाले विचारों और दृष्टिकोणों पर चिंतन करना है। संघ के व्यापक शताब्दी अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में आरएसएस के वरिष्ठ नेता और आमंत्रित वक्ता आम जनता के साथ चर्चा के लिए एकत्रित हुए।

संसद को मर्यादित ढंग से चलाने में विश्वास रखती है सरकार : रीजीजू

पटना, एजेंसी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि सरकार डरने वाली नहीं है, लेकिन वह टकराव और हंगामे की राजनीति भी नहीं चाहती। सरकार संसद को शांतिपूर्ण और मर्यादित ढंग से चलाने में विश्वास रखती है। रीजीजू ने भाजपा के प्रदेश कार्यालय में यह टिप्पणी की।

लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी को नहीं बोलने देने से जुड़े सवाल पर रीजीजू ने कहा कि सरकार चाहती तो मार्शलों के जरिये सदन से सदस्यों को बाहर कराकर प्रस्ताव पारित करवा सकती थी, लेकिन वह सभी का सम्मान करती है। हम टकराव नहीं, बल्कि संवाद और मर्यादा के साथ संसद की कार्यवाही चलाना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में कांग्रेस के 40-50 सांसद पहुंचे थे और वहां अनर्गल बातें कही थीं। रीजीजू ने बताया कि वह स्वयं वहां मौजूद थे, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई, क्योंकि सरकार शांति की पक्षधर है। कांग्रेस सांसदों की टिप्पणियों के बाद लोस अध्यक्ष ने एहतियाती कदम उठाया और प्रधानमंत्री से लोस की बजाय रास में बोलने का अनुरोध किया गया।

बहस लोकतंत्र का हिस्सा, मर्यादा बनी रहनी चाहिए : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि बहस और चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन सदन की मर्यादा हर हाल में बनाए रखी जानी चाहिए। बिहार विधानसभा के स्थापना दिवस पर विधानमंडल के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह में बिरला ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को सदन की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। विधानसभा और संसद के सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने का विशेषाधिकार है। उन्हें अपने विचार साझा करने चाहिए, लेकिन ऐसा करते समय गरिमा बनाए रखनी होगी।

बाइक सवार की मौत मामले में उप ठेकेदार गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

● दुर्घटना की सूचना अधिकारियों को न देने के आरोप में कार्रवाई

● दिल्ली में जलबोर्ड के खोदे गए गड्ढे में गिरकर गई थी युवक की जान

दिल्ली पुलिस ने जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए गड्ढे में बाइक सवार के गिरने की सूचना अधिकारियों को न देने के आरोप में एक उप-ठेकेदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) दराडे शरद भास्कर ने बताया कि इस मामले की जानकारी पुलिस के संज्ञान में आने से कुछ घंटे पहले ही राजेश कुमार प्रजापति (47) को पता था कि कोई गड्ढे में गिर गया है।

पुलिस के अनुसार, एक प्रत्यक्षदर्शी विपिन सिंह, जो एक शादी में शामिल होने के बाद सागरपुर स्थित अपने घर लौट रहे थे, ने देखा कि एक मोटरसाइकिल खाई में गिर गई है और उन्होंने पास के एक गैरेज के सुरक्षा गार्ड को इसकी सूचना दी। पुलिस अधिकारी ने बताया, गार्ड ने तुरंत योगेश नामक एक मजदूर को सूचित किया, जिसने खाई में झांका और पाया कि मोटरसाइकिल की हेडलाइट जल रही थी और अंदर एक व्यक्ति दिखाई दे रहा था। पुलिस ने बताया कि फोन पर बातचीत के रिकॉर्ड से पता चला कि योगेश ने रात करीब 12:22 बजे प्रजापति को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद वह 15-20 मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गया। हालांकि, प्रजापति ने उस समय न तो पुलिस को और न ही किसी आपातकालीन प्राधिकरण को सूचना दी। घटना की जानकारी पुलिस को अगली सुबह करीब आठ बजे मिली।

उड़ी उड़ी रे पतंग मेरी...

कर्नाटक में हुबली अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 और धारवाड़ संसद क्रीड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें उत्साह से लबरेज एक प्रतिभागी। ● एजेंसी

केंद्र समृद्ध जम्मू कश्मीर के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध : शाह

जम्मू, एजेंसी

● जलविद्युत परियोजनाओं की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने की दी सलाह

● केंद्रीय गृह मंत्री ने जम्मू कश्मीर में विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जम्मू कश्मीर में विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, और केंद्र शासित प्रदेश में जलविद्युत परियोजनाओं की पूरी क्षमता का उपयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। लोक भवन में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एक विकसित और समृद्ध जम्मू कश्मीर के निर्माण के दृष्टिकोण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।

अधिकारियों ने बताया कि दो घंटे की बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव अटल दुल्लू और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात शामिल थे। गृह मंत्री ने कहा कि विकास को गति देने के लिए केंद्र के निरंतर और समर्पित प्रयासों से, जम्मू-कश्मीर में विकास परियोजनाओं ने अभूतपूर्व प्रगति की है। जम्मू-कश्मीर को अपनी जलविद्युत परियोजनाओं की पूरी क्षमता विकसित करने की जरूरत है। शाह बृहस्पतिवार देर रात जम्मू पहुंचे और शुक्रवार को उन्होंने कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास गुरनाम एवं बोबियान में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की अग्रिम चौकियों का दौरा किया।कठुआ से लौटने पर शाह ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की, जिसमें अन्य लोगों के अलावा सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी थे और बैठक का उद्देश्य जम्मू कश्मीर को आतंकवाद से मुक्त करना था।

राजस्थान के कोटा में इमारत ढही, दो लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के कोटा शहर में शनिवार रात तीन मंजिला इमारत ढहने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई जबकि कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना तलवंडी इलाके में हुई। इमारत में एक रेस्तरां चल रहा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। राज्य के कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने कहा, यह बड़ा हादसा है। लगभग दो लोगों की मौत की सूचना मिली है। कुल नौ लोगों को अस्पताल ले जाया गया। चार लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। तीन-चार लोग या तो निजी अस्पताल या घर चले गए हैं। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान जारी है और हादसे के कारणों की जांच की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक इमारत ढहने के समय रेस्तरां में कुछ ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे।

साइबर नेटवर्क पर चोट | **ढाई हजार से अधिक ठगों पर की गई कार्रवाई**

दिल्ली पुलिस ने कई राज्यों में चलाया ऑपरेशन साइहॉक

नई दिल्ली, एजेंसी

● अभियान के दौरान 299 नई प्राथमिकी दर्ज की गईं, 262 पुराने मामले जोड़े गए

● छापा अभियान में पांच हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की रही भागीदारी

दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन साइहॉक 3.0 के तहत खुफिया जानकारी के आधार पर कई राज्यों में साइबर ठगी नेटवर्क के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है, जिसमें 2,563 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और 627 करोड़ रुपये से अधिक के धोखाधड़ी मामलों को आपस में जोड़ा गया है।

एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि दिल्ली तथा असम, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और केरल समेत 10 से अधिक राज्यों में गुरुवार एवं शुक्रवार समन्वित ढंग से अभियान चलाया गया जिसमें 5,000 से अधिक पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत 6,552 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया, जबकि 955 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया या उनपर सख्त पाबंदियां लगायी गयीं और 1,608 नोटिस जारी किए गए। पुलिस ने बताया कि इस अभियान के दौरान कुल 299 नई प्राथमिकियां दर्ज की गईं और 262 पुराने मामलों को आपस में जोड़ा गया।

पुलिस ने बताया कि इस अभियान में म्यूल बैंक खाता संचालकों, सिम से जुड़े सुविधादाताओं, डिजिटल मध्यस्थों और वित्तीय माध्यमों को निशाना बनाया गया, जिनका कथित तौर पर निवेश घोटाले, नौकरी धोखाधड़ी और अन्य ऑनलाइन वित्तीय अपराधों जैसे साइबर धोखाधड़ी में इस्तेमाल किया जाता था। म्यूल ऐसे बैंक खाते होते हैं जिसका इस्तेमाल ठग खाताधारक की जानकारी से या जानकारी के बगैर, अवैध धनराशि प्राप्त करने, अंतरित करने या उसे वैध बनाने के लिए करते हैं।

भारी मात्रा में डिजिटल उपकरण, नकदी-आभूषण जब्त

इस कार्रवाई के दौरान, पुलिस ने बड़ी मात्रा में डिजिटल उपकरण, सिम कार्ड, नकदी, सोना और अन्य कीमती धातुएं जब्त कीं। उसने धोखाधड़ी के मामलों से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी संबंधी कमाई की भी पहचान की। इस अभियान के दौरान कई बड़े अंतरराज्यीय रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। एक मामले में, पुलिस ने 22 लाख रुपये नकद, विदेशी मुद्रा और 1.8 किलोग्राम से अधिक वजन के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए, जबकि दूसरे मामले में एक निवेश धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया, जिसने कथित तौर पर 9 .28 करोड़ रुपये से अधिक की रकम फर्जी खातों के माध्यम से लेन-देन की और यह 84 साइबर शिकायतों से जुड़ा था।

छापे के दौरान असम और तवांग में भी मिले आरोपियों के ठिकाने

पुलिस ने बताया कि एक अलग अभियान में, आरोपियों के ठिकाने असम और तवांग में होने का पता चला, जिसके परिणामस्वरूप कई मोबाइल उपकरण जब्त किए गए और लगभग 30 लाख रुपये मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी को ''फ्रीज'' कर दिया गया। दिल्ली के पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने कहा कि ''ऑपरेशन साइहॉक'' साइबर धोखाधड़ी के समर्थक संगठित तंत्र को बाधित करने के लिए एक सतत रणनीति को दर्शाता है जिसमें इसके वित्तीय और डिजिटल बुनियादी ढांचे को लक्षित किया जाता है।

समावेशी वृद्धि को दिशा देने वाला बजट : नीति आयोग

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने कहा कि केंद्रीय बजट कौशल विकास पर जोर देते हुए निरंतर, तेज और समावेशी वृद्धि को दिशा देगा। विरमानी ने जोर दिया कि भविष्य में कौशल विकास और सेवा क्षेत्र देश की तस्वीर बदल देंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट में विनिर्माण को बढ़ावा देने के उपाय, वैश्विक डेटा केंद्रों के लिए दीर्घकालिक कर प्रोत्साहन और कृषि व पर्यटन के लिए समर्थन की घोषणा की गई थी।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4209, लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9700, अरहर कोरा मोटा 10000, अरहर पटका छोटा 11500-12200, अरहर कोरी छोटी 13400

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200

एसबीआई का लाभ रिकॉर्ड 21,028 करोड़

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शनिवार को तीसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए, जिसके अनुसार बैंक का एकल लाभ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच कर 21,028 करोड़ रहा। शेयर बाजार के मुताबिक एकीकृत आधार पर सार्वजनिक बैंक का लाभ 13.06% बढ़ा है। एकल ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 9.04% बढ़कर 45,190 करोड़ रहा। ऋण में 15.14% की वृद्धि से इसे समर्थन मिला।

44 अरब डॉलर के अमेरिकी निर्यात पर लगेगा शून्य शुल्क

द्विपक्षीय समझौते के पहले चरण पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद

- दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर करेंगे आयात शुल्क कम
- केंद्रीय उद्योग मंत्री ने कहा- शुल्क में कमी से श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात को तत्काल बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के तहत अमेरिका को होने वाले लगभग 44 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर शून्य जवाबी शुल्क लगेगा। इस समझौते पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत और अमेरिका ने घोषणा की है कि वे एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमत हो गए हैं, जिसके तहत दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। इसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को मौजूदा 50 से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, वहीं भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला पर आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा। इनमें सूखे अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट शामिल हैं।

गोयल ने कहा कि 44 अरब डॉलर मूल्य का भारतीय निर्यात अमेरिका को शून्य जवाबी शुल्क पर जाएगा। जहां 30 अरब डॉलर मूल्य की भारतीय वस्तुओं पर 18 प्रतिशत शुल्क लगता रहेगा (जिसमें श्रम-प्रधान क्षेत्रों की वस्तुएं शामिल हैं), वहीं 12 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं (इस्पात, तांबा और कुछ वाहन घटक सहित) के शुल्क में कोई बदलाव नहीं होगा। इस्पात, एल्युमीनियम, तांबा और वाहन घटक पर ये शुल्क सभी देशों पर समान रूप से लागू होते हैं। इसलिए ये केवल भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित नहीं करते हैं। इन उत्पादों पर अमेरिका में 50 प्रतिशत शुल्क लगता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की जानकारी देते केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, साथ में अन्य लोग।

अंतरिम को जल्द बदलेंगे बीटीए में

गोयल ने कहा कि शुल्क में कमी से कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूते-चप्पल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात को तत्काल बढ़ावा मिलेगा। जिस अंतरिम समझौते को अंतिम रूप दिया गया है, उसे जल्द ही हमारे संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किस्त में बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक बहुत ही निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित समझौते पर पहुंचे हैं, जो भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी जवाबी शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। एक कार्यकारी आदेश के जरिये अमेरिका द्वारा 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत किया जाएगा। यह आदेश जल्द ही आ सकता है।

कई भारतीय उत्पादों पर शून्य शुल्क

गोयल ने कहा कि जेनेरिक दवा, विमान के पुर्जों, वाहन घटक आदि जैसे कई भारतीय उत्पादों पर शून्य शुल्क दिया जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में भारतीय निर्यात के लिए व्यापक संभावनाएं खुलेंगी। यह समझौता एमएसएमई, किसानों, मछुआरों, युवाओं, महिलाओं और भारत के प्रतिभाशाली लोगों के लिए अवसर प्रदान करेगा। इससे किसानों और मछुआरों को अमेरिकी बाजार में अपनी उपज की बेहतर कीमत पाने में मदद मिलेगी और भविष्य में कपड़ा और परिधान, रत्न और आभूषण, मशीनरी के पुर्जे, खिलौने, चमड़ा और जूते-चप्पल, घरेलू सजावट, स्मार्टफोन और कृषि के कई क्षेत्रों में भारी वृद्धि होगी।

अमेरिकी बाइक पर शून्य शुल्क, डेविडसन को होगा लाभ

भारत समझौते के तहत 800-1,600 सीसी और उससे अधिक इंजन क्षमता वाली अमेरिकी बाइकों के लिए शून्य-शुल्क पहुंच देगा। एक अधिकारी ने बताया कि इस कदम से प्रतिष्ठित अमेरिकी ब्रांड हार्ले-डेविडसन को फायदा होगा। पिछले साल सरकार ने पूरी तरह से निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आयातित 1,600 सीसी तक क्षमता वाली बाइकों पर आयात शुल्क को 50 से घटाकर 40% किया था। दूसरी ओर 1,600 सीसी से अधिक क्षमता वाली बाइकों के लिए शुल्क 50 से घटाकर 30% किया गया था। अधिकारी ने कहा कि शुल्क समाप्ति समझौते के लागू होने के दिन से प्रभावी होगी। भारत हाई-एंड प्रीमियम बाइक के लिए छोटा बाजार है और इस खंड में अमेरिका की हिस्सेदारी बहुत कम है। हीरो मोटोकॉर्प और हार्ले-डेविडसन ने अक्टूबर 2020 में भारतीय बाजार के लिए साझेदारी की घोषणा की थी। इस सौदे के तहत हीरो मोटोकॉर्प को देश में हार्ले-डेविडसन ब्रांड के तहत प्रीमियम बाइकों की श्रृंखला विकसित करने और बेचने की जिम्मेदारी दी गई थी। उसे सर्विस और पुर्जों का ध्यान रखने का भी काम सौंपा गया है।

बोइंग भारत से विमान के कलपुर्जों का बड़ा खरीदार, समझौते से उत्साहित

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिका स्थित बोइंग भारत से विमान के घटकों के लिए सबसे बड़ी खरीदार है। अमेरिकी कंपनी भारत को घटकों के लिए सबसे बड़े विदेशी मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) आधार के रूप में देख रही है। भारत के साथ समझौते के तहत अमेरिका कुछ विमानों और विमान के कलपुर्जों पर शुल्क हटाने पर सहमत है। गोयल ने कहा, बोइंग और एयरबस पहले से ही भारत से विमान के कलपुर्जों के बड़े खरीदार हैं, दोनों कंपनियां साझेदारी से उत्साहित हैं। भारत विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग के लिए प्रमुख बाजार है और देश में इसके 265 से अधिक वाणिज्यिक और सैन्य विमान हैं। कंपनी के पास 325 से अधिक आपूर्तिकर्ता हैं और देश से इसकी वार्षिक खरीद 1.25 अरब डॉलर की है। इस राशि में कलपुर्जे और सेवाएं शामिल हैं। इसी तरह, एयरबस का लक्ष्य भी 2030 तक भारत से घटकों और सेवाओं की अपनी खरीद को बढ़ाकर दो अरब डॉलर करना है। वर्तमान में यह लगभग 1.4 अरब डॉलर है।

भारत-अमेरिका का समझौता अवसर पैदा करेगा: बोइंग

विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने कहा कि भारत-अमेरिका समझौता कई अवसर पैदा करेगा। बोइंग ने हमेशा एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र के लिए जीरो-फॉर-जीरो शुल्क दृष्टिकोण की वकालत की है। बोइंग इंडिया और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष सलिल गुप्ते ने कहा कि यह समझौता कई गुना असर खोलता है। यह सौदा उस सिद्धांत का विस्तार देने की गति प्रदान करता है, जिससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी और दोनों देशों के लिए लाभ की स्थिति पैदा होगी। बोइंग ने एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र के लिए शून्य टैरिफ का समर्थन किया है क्योंकि यात्रा, कनेक्टिविटी और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव पड़ता है।

संवेदनशील कृषि एवं डेयरी उत्पादों पर अमेरिका को रियायत नहीं

भारत ने अंतरिम व्यापार समझौते के तहत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पॉल्ट्री, दूध, पनीर, एथनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियों और मांस जैसे संवेदनशील कृषि एवं डेयरी उत्पादों के मामले में अमेरिका को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है और इन क्षेत्रों को पूरी तरह संरक्षण दिया गया है। भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा पर सहमत होने की घोषणा की। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर कहा कि यह समझौता किसानों के हितों की रक्षा करने और ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके तहत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पॉल्ट्री, दूध, पनीर, एथनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियां और मांस सहित संवेदनशील कृषि एवं डेयरी उत्पादों को संरक्षित किया गया है। इन वस्तुओं का संबंध भारत के छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका से जुड़ा होने से इन्हें संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि सभी व्यापार वार्ताओं में किसानों के हित सर्वोपरि हैं और मोदी सरकार किसानों की रक्षा करने और ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एफटीए में भी कृषि और डेयरी उत्पादों पर आयात शुल्क रियायत नहीं

गोयल ने कहा कि रूपरेखा के माध्यम से भारतीय वस्तुओं के लिए तरजीही पहुंच सुनिश्चित करते हुए, अनाज, फल, सब्जी, मसाले, तिलहन, डेयरी, मुर्गी पालन और मांस सहित कई अन्य संवेदनशील कृषि क्षेत्र को लेकर कोई रियायत नहीं दी गई है। भारत ने अन्य मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में भी संवेदनशील कृषि और डेयरी उत्पादों पर किसी तरह की आयात शुल्क रियायत नहीं दी है। हाल ही में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है। ऐसे व्यापार समझौतों के तहत, कुछ क्षेत्रों में आयात शुल्क को समझौता लागू होने के दिन ही समाप्त कर दिया जाता है, जबकि अन्य क्षेत्रों में इसे धीरे-धीरे कम किया जाता है। कुछ क्षेत्रों में शुल्क घटाया जाता है, जबकि अन्य क्षेत्रों में कोटा आधारित रियायतें प्रदान की जाती हैं। भारत ने हमेशा से ही डेयरी, चावल, गेहूं, मांस, पॉल्ट्री, अनाज, आनुवंशिक रूप से संशोधित खाद्य पदार्थ, सोयामील और मक्का जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को अपने व्यापार समझौतों के दायरे से बाहर रखा है। कृषि और पशुपालन जैसी संबद्ध गतिविधियां भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो 70 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं।

मध्यम से उच्च आयात शुल्क और नियमों के जरिये दिया संरक्षण

भारत के कृषि क्षेत्र को वर्तमान में मध्यम से उच्च आयात शुल्क और नियमों के जरिये संरक्षण दिया गया है, जो करोड़ों घरेलू किसानों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाते हैं। अमेरिका से भारत को कृषि निर्यात वर्ष 2024 में 1.6 अरब डॉलर था। इन प्रमुख निर्यातों में बादाम (छिलके सहित, 86.8 करोड़ डॉलर), पिस्ता (12.1 करोड़ डॉलर), सेब (2.1 करोड़ डॉलर), एथनॉल (एथिल अल्कोहल, 26.6 करोड़ डॉलर) शामिल हैं। भारत की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी के आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर होने से भारत इस पूरे क्षेत्र को संवेदनशील मानता है। आयात या सीमा शुल्क विशेष रूप से मुख्य फसलों, दुग्ध उत्पादों और प्रमुख कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण हैं जो ग्रामीण आजीविका को बनाए रखते हैं। भारत का लक्ष्य अगले चार साल में कृषि, समुद्री उत्पाद और खाद्य एवं पेय पदार्थों के संयुक्त निर्यात को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।

अमेरिकी सेब पर कोटा-आधारित शुल्क रियायत

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने समझौते के तहत अमेरिकी सेब पर कोटा-आधारित शुल्क रियायत दी है, जबकि घरेलू सेब उत्पादकों के हितों को सुरक्षित रखा है। समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी सेब पर 80 रुपये प्रति किग्रा का न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) और 25% आयात शुल्क लगाया है। इसका प्रभावी अर्थ ये है कि अमेरिका से 100 रुपये प्रति किग्रा से कम कीमत वाले सेब का आयात नहीं हो सकता। इस समय आयातित सेब पर 50% आयात शुल्क और 50 रुपये प्रति किग्रा का एमआईपी लागू है, जो प्रभावी रूप से 75 रुपये प्रति किग्रा से कम कीमत वाले सेब के आयात को रोकता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, आईपी के लिए अमेरिका के साथ काम कर रहा भारत : वैष्णव

बेंगलुरु। अमेरिका और भारत के बीच शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स और बौद्धिक संपदा (आईपी) से संबंधित मामलों पर अमेरिका के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है। भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में द्विपक्षीय व्यापार को प्रभावित करने वाली गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने का आह्वान किया गया है। इसमें विशेष रूप से अमेरिकी चिकित्सा उपकरणों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) वस्तुओं के व्यापार से जुड़ी बाधाओं का उल्लेख है। वैष्णव ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय इस पर विवरण साझा करने वाला नोडल निकाय है, लेकिन जहां तक इलेक्ट्रॉनिक्स का सवाल है, भारत चर्चा में गहराई से शामिल है।

समझौता वैश्विक निवेशकों के भरोसे का प्रतीक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय उद्योग जगत ने शनिवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का ढांचा वैश्विक निवेशकों के भरोसे का प्रतीक है और प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रौद्योगिकी तक पहुंच तथा आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को बढ़ावा देता है। भारत और अमेरिका ने शनिवार को घोषणा की कि वे अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमत हो गए हैं, जिसके तहत दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने को कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे।

फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने कहा कि यह दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच आर्थिक तालमेल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह रणनीतिक साझेदारी शुल्क को कम करने, नियामक बाधाओं को दूर करने और विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसरों को खोलने के लिए बनाई गई है। जैसे-जैसे भारत एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, यह समझौता प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रौद्योगिकी तक पहुंच और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को समय पर बढ़ावा देगा।

उद्योग निकाय सीआईआई (सीआईआई) के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा कि सीआईआई भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार ढांचे का एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में एक समय पर उठाए गए कदम के रूप में स्वागत करता है। यह बढ़ते विश्वास, नीतिगत तालमेल और खुले, अनुमानित तथा नियम-आधारित व्यापार के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह समझौता वैश्विक उद्योग और निवेशकों को विश्वास का एक मजबूत संकेत देता है।

जेके पेपर के सीएमडी और जेके ऑर्गनाइजेशन के निदेशक हर्ष पति सिंघानिया ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कहा कि यह समझौता प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाएगा, उच्च गुणवत्ता वाले विनिर्माण को मजबूत करेगा और स्थायी औद्योगिक वृद्धि का समर्थन करेगा।

विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला को मिलेगी मजबूती : एक्मा

भारत और अमेरिका का समझौता ढांचा दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच द्विपक्षीय व्यापार, विनिर्माण सहयोग और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी घोषणाएं द्विपक्षीय विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी को मजबूत करने के स्पष्ट इरादे का संकेत देती हैं। एक्मा के अध्यक्ष विक्रमपति सिंघानिया ने कहा, वाहन कलपुर्जा के लिए तरजीही शुल्क दर कोटा की प्रतिबद्धता, चुनिंदा कच्चे माल पर धारा 232 के शुल्क को हटाना और समझौते के तहत शुल्क युक्तिकरण का रास्ता वास्तव में उद्योग के लिए सकारात्मक कदम हैं। इनसे निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी, प्रौद्योगिकी सहयोग मजबूत होगा और लचीली वैश्विक वाहन आपूर्ति श्रृंखलाओं में विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की भूमिका मजबूत होगी।

भारत-अमेरिका दवा साझेदारी को मजबूत करना अहम : आईपीए

नई दिल्ली। इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) ने कहा कि भारत-अमेरिका दवा साझेदारी को मजबूत करना महत्वपूर्ण है क्योंकि दवा सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है। आईपीए के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा कि जेनेरिक दवाओं को शुल्क से छूट दी गई है। जैसा कि संयुक्त बयान में बताया गया है, कुल मिलाकर फार्मास्यूटिकल्स (जेनेरिक सहित) अमेरिकी धारा 232 जांच के अधीन हैं। यह एफटीए में अपनाए दृष्टिकोण के अनुरूप है। अमेरिकी धारा 232 जांच, वाणिज्य विभाग के उद्योग और सुरक्षा ब्यूरो द्वारा अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के उद्देश्य से की जाती है। पॉली मेडिकेयर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हिमांशु बैद ने कहा कि भारतीय चिकित्सा उपकरणों पर अमेरिकी आयात शुल्क 18% होने से, भारतीय मेडटेक निर्यातकों को दुनिया के सबसे परिष्कृत स्वास्थ्य सेवा बाजारों में से एक में, एक महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी लाभ मिलता है।

अमेरिकी किसानों, उत्पादों को बड़ा बाजार देगा समझौता : यूएसटीआर

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ हुए व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी किसानों एवं उत्पादकों को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक बेहतर पहुंच दिला रहे हैं। अमेरिका की विदेशी व्यापार नीति के विकास और प्रोत्साहन के लिए जिम्मेदार संस्था यूएसटीआर ने कहा कि भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क खत्म करने या घटाने की प्रतिबद्धता जताई है। यूएसटीआर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मेवों, पशु आहार में प्रयुक्त होने वाले अनाज अवशिष्ट से लेकर लाल ज्वार और ताजे एवं प्रसंस्कृत फलों तक, अमेरिका-भारत समझौते से अमेरिकी उत्पादों के लिए नया बाजार खुलेगा। व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी किसानों और उत्पादकों की पहुंच को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक बढ़ा रहे हैं।

- भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर शुल्क खत्म या घटाने को प्रतिबद्ध

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि दूत जैमीसन ग्रीर ने कहा कि आज की घोषणा अमेरिका और भारत के बीच गहराते संबंधों को दर्शाती है, जिससे दोनों देशों के किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित होंगे। व्हाइट हाउस ने संयुक्त बयान में कहा कि दोनों पक्ष एक दूसरे के लिए लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार के लिए अंतरिम समझौते की रूपरेखा पर पहुंच गए हैं।

एमएसएमई को वैश्विक श्रृंखलाओं से जोड़ेगा समझौता : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम समझौता ढांचा भारतीय एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ने में मदद करेगा और इससे व्यवसायों तथा उपभोक्ताओं के लिए लागत कम होगी। इस ढांचे के तहत दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। सीतारमण के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारत ने अपने कृषि और पशुपालन क्षेत्रों की संवेदनशीलता को सुरक्षित रखा है। यह ढांचा प्रमुख कृषि और डेयरी उत्पादों, मसालों और मुख्य खाद्य पदार्थों की रक्षा करता है, जिससे किसानों की आय मजबूत होगी। यह ढांचा डिजिटल सेवा क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को मजबूत करेगा। साथ ही संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग भारत को एआई, डेटा और डिजिटल सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

अमेरिकी समझौता भारत के वृद्धि इंजन को देगा नई ताकत : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता भारत के तेजी से बढ़ते विकास के इंजन को नई ताकत प्रदान करेगा। अमित शाह ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को हकीकत में बदलते हुए, यह समझौता मेक इन इंडिया, मेहनती किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप क्षेत्र के नए प्रयोगकर्ताओं और मछुआरों के लिए बड़ी तरक्की के द्वार खोलता है। साथ ही, यह युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा करेगा।

भारतीय किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित: चौहान

सीहोर (मप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत भारतीय किसानों के हितों की पूरी तरह रक्षा की गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार चौहान ने कहा कि कृषि मंत्री के रूप में मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमारे किसानों के हितों को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है, चाहे वह बासमती, चावल, मसाले हों या कपड़ा क्षेत्र। निर्यात में वृद्धि से भारतीय किसानों के लिए नए बाजार खुलेंगे और उनकी आय कई गुना बढ़ जाएगी। इससे किसानों को लाभ होगा। कुछ लोगों द्वारा इस समझौते को लेकर शोर मचाया जा रहा है कि यह विनाशकारी होगा। किसानों के हितों की पूरी रक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए समझौते के अनुसार, हमारी सभी फसलें सुरक्षित हैं। अमेरिका से कोई मक्का, गेहूं, चावल, सोयाबीन, पोल्ट्री उत्पाद, दूध, पनीर, एथनॉल, ईंधन या तंबाकू नहीं आएगा। उन्होंने लोगों और किसानों से आह्वान किया कि वे भारतीय किसानों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री का धन्यवाद करें।

अमेरिकी बाजार में रत्नों का शुल्क मुक्त प्रवेश ऐतिहासिक

मुंबई। भारतीय रत्न एवं आभूषण उद्योग ने अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में हीरे और रंगीन रत्नों के लिए शुल्क मुक्त प्रवेश की घोषणा का स्वागत किया है। उद्योग का कहना है कि यह टर्निंग पॉइंट है, जिससे इस क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने कहा कि हम हीरे और रंगीन रत्नों के लिए शुल्क मुक्त पहुंच की घोषणा से बेहद उत्साहित हैं। हमारे सबसे बड़े बाजार (अमेरिका) को होने वाले कटे और पॉलिश किए हीरों का निर्यात 60% से अधिक गिर गया था। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि शुल्क शून्य होने से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अभूतपूर्व पहुंच मिलेगी। यह सफलता हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करती है। कामा ज्वेलरी के प्रबंध निदेशक कॉलिन शाह ने कहा कि भारत हीरा प्रसंस्करण का वैश्विक केंद्र होने के बावजूद व्यापार शुल्क के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ था। शुल्कों में इस छूट से निर्यात को पुनर्जीवित करने और व्यापार में चमक वापस लाने में मदद मिलेगी।

घरेलू शराब निर्माताओं को मिले समान अवसर : सीआईएबीसी

नई दिल्ली। घरेलू शराब विनिर्माताओं के संगठन (सीआईएबीसी) ने कहा कि शराब और पेय पदार्थों पर शुल्क भारत द्वारा ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ किए एफटीए के अनुरूप ही रखे जाएंगे। भारत और अमेरिका द्वारा समझौते के लिए तय ढांचे के अनुसार, वाइन और स्पिरिट से लेकर सूखे मेवों तक के अमेरिकी उत्पाद अब भारत में या तो शुल्क मुक्त या कम आयात शुल्क पर प्रवेश करेंगे। भारत सरकार से आयात के मुकाबले समान और निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए, कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज ने कहा कि यह सौदा दोनों देशों के लिए न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा। भारत में निर्मित विदेशी शराब कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन ने कहा कि वह आयात शुल्क में कटौती के खिलाफ नहीं है, लेकिन चाहता है कि यह चरणबद्ध तरीके से की जाए।

सुनवाई | मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने की टिप्पणी

बैंक खातों पर असंगत तरीके से रोक लगाना मनमानी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि जब खाताधारक न तो आरोपी हो और न ही संदिग्ध, तो बैंक खातों के लेन-देन पर रोक लगाना मनमाना कदम है और किसी की आजीविका, व्यवसाय की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के खिलाफ है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कहा कि बिना सोचे-समझे खातों पर रोक की कार्रवाई किसी निर्दोष इकाई के कारोबार को ठप कर देती है, जिससे उसकी व्यावसायिक साख को नुकसान होता है और आर्थिक दुष्परिणाम झेलने पड़ते हैं।

अदालत ने मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में केंद्र और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) को एसबीआई और एचडीएफसी बैंक को उसके बैंक खातों पर रोक लगाने को दिए आदेश को वापस लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। गृह मंत्रालय के तहत स्थापित आई4सी साइबर अपराध के खिलाफ नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। एक ग्राहक के खिलाफ धोखाधड़ी की साइबर शिकायत दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता के बैंक खाते पर रोक लगा दी गई थी। पुलिस के निर्देशों के अनुसार मार्च 2025 तक उसके खातों में 80 लाख रुपये पर रोक की कार्रवाई हुई। अदालत ने 16 जनवरी को पारित फैसले में आई4सी को निर्देश दिया कि वह तुरंत एसबीआई और एचडीएफसी बैंक को याचिकाकर्ता के बैंक खातों पर लगी रोक को हटाने का निर्देश दे।

- एसबीआई और एचडीएफसी को उसके खातों पर रोक के आई4सी के आदेश पर रोक का अनुरोध

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ न तो कोई शिकायत थी और न ही कोई मिलीभगत प्रदर्शित हुए। विभिन्न राशियों पर रोक जारी रखने से याचिकाकर्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा क्योंकि उसे कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने और अपने व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाने के लिए अपने अन्य दिन-प्रतिदिन के खर्चों को पूरा करने को लेकर अपने धन का इस्तेमाल करने से रोक दिया। अदालत ने कहा कि बैंक खातों पर असंगत तरीके से रोक लगाना खासकर तब जब खाताधारक न तो आरोपी हो और न ही जांच में संदिग्ध, मनमाना है। यह मौलिक अधिकारों, जिनमें आजीविका का अधिकार और व्यापार-व्यवसाय करने की स्वतंत्रता शामिल है का उल्लंघन है। अगर किसी जांच एजेंसी के पास याचिकाकर्ता की संलिप्तता का संकेत देने वाली सामग्री है, तो वह सख्ती से उचित कार्रवाई शुरू कर सकती है। याचिका में कहा गया कि अधिकारियों ने याचिकाकर्ताओं के बैंक खातों पर मशीनी तरीके से रोक लगा दी, जिससे व्यापार ठप हो गया और याचिकाकर्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन हुआ।

कलपुर्जों के वेयरहाउस को सेफ हार्बर व्यवस्था से मिलेगा बेहतर कर-पश्चात लागत का विकल्प

नई दिल्ली। बजट में विनिर्माण से जुड़े कलपुर्जों के भंडारण के लिए प्रस्तावित नई सेफ हार्बर व्यवस्था से कम नियामक जोखिम और बेहतर कर-पश्चात लागत का विकल्प मिलेगा। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने शनिवार को यह कहा।

इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए लॉजिस्टिक दक्षता का लाभ उठाने के लिए बजट 2026-27 में प्रवासियों को बॉन्डेड वेयरहाउस में कलपुर्जों के भंडारण के लिए इनवॉइस मूल्य के दो प्रतिशत के लाभ मार्जिन पर सेफ हार्बर प्रदान करने का प्रस्ताव दिया गया है। इससे लगने वाला 0.7% का कर अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में काफी कम होगा। सेफ हार्बर का अर्थ ऐसी सुरक्षित सीमा से है, जिसके भीतर रहने पर किसी कंपनी या व्यक्ति पर कर विभाग कोई कानूनी आपत्ति नहीं उठाता है। बजट प्रस्ताव आकर्षक है, क्योंकि यह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कर का लाभ देता है, जो वियतनाम और इसी तरह के अन्य केंद्रों के एक प्रतिशत के प्रभावी कर से भी कम हो सकता है। इससे कम कर वाले देशों के विपरीत, जहां लाभ प्रोत्साहन, गुणवत्ता परीक्षण या आवधिक पुनर्विचार पर निर्भर हो सकते हैं।

- वर्तमान कर अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में होगा काफी कम

रूस से तेल की खरीद पर भारत अपने पहले के रुख पर कायम

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के बार-बार किए जा रहे इन दावों कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा के बीच भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि देशवासियों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और बाजार परिस्थितियों तथा बदलते अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों को ध्यान में रखकर ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना उसकी रणनीति का हिस्सा है।

भारत का यह बयान अमेरिका द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए पिछले साल अगस्त में उस पर लगाये गये 25 प्रतिशत दंडात्मक आयात शुल्क को हटाने के बाद आया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है देशवासियों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और बाजार परिस्थितियों तथा बदलते अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों को ध्यान में रखकर ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना उसकी रणनीति का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय ने कहा है, सरकार ने कई अवसरों पर सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

- देशवासियों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करना सरकार की प्राथमिकता

तेल क्रय बंद करने का अमेरिकी दावा

उल्लेखनीय है कि भारत के साथ अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा के बाद से अमेरिका कहता रहा है कि भारत ने रूस से तेल की खरीद बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है। अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए पिछले साल अगस्त में भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत दंडात्मक आयात शुल्क शनिवार को हटा लिया। ट्रंप ने कहा कि मुझे जानकारी मिली है कि भारत ने रूसी संघ से तेल का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है।

मौत के मुहाने पर बैठे हैं नागरिक

दिल्ली और उससे सटे हाई-टेक शहर नोएडा में पिछले कुछ दिनों में हुई दो घटनाओं ने विकास की चमक के पीछे छिपे मौत के अंधेरे को उजागर कर दिया है। नोएडा में एक होनहार सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जलभराव वाले गड्ढे में डूबने से मौत हो गई, तो वहीं दिल्ली के जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए एक खुले गड्ढे ने बाइक सवार बैंक कर्मचारी की जान ले ली। जनकपुरी की घटना में ठेकेदार की ओर से सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे। ये मौतें महज दुर्घटना नहीं हैं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम हैं। जब कोई हादसा होता है, तो विभाग एक-दूसरे पर दोषारोपण शुरू कर देते हैं, लेकिन कोई यह नहीं बताता कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन क्यों नहीं किया गया और हर तरफ खुले खूनी गड्ढों में नागरिक कब तक गिरते रहेंगे।

हर तरफ खूनी गड्ढे

खुदाई और सुरक्षा के नियम

- निर्धारित मानक : सरकारी विभागों (जैसे जीजेबी, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई) के लिए खुदाई के दौरान सुरक्षा के कड़े नियम भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) द्वारा निर्धारित किए गए हैं।
- कठोर बैरिकेडिंग : नियम के अनुसार, 1.5 मीटर से गहरे गड्ढे के चारों ओर लोहे की चादर या कंक्रीट के अवरोधक होने चाहिए। साधारण प्लास्टिक टेप या रस्सी पर्याप्त नहीं है।
- साइनबोर्ड और रिफ्लेक्टर : कार्यस्थल से कम से कम 50 से 100 मीटर पहले 'काम चल रहा है' के बड़े बोर्ड होने चाहिए। रात के समय रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप और ब्लिंकर लाइट्स अनिवार्य हैं।
- सेफ्टी गार्ड की तैनाती : भीड़भाड़ वाले इलाकों में खुदाई स्थल पर 24 घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात होना चाहिए जो यातायात को निर्देशित कर सके।

सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के निर्देश

- सुप्रीम कोर्ट का रुख : उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने स्पष्ट किया है कि सड़कों को गड्ढा मुक्त रखना और सुरक्षा सुनिश्चित करना अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत मौलिक अधिकार है। हाल ही में न्यायालय ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे सड़क सुरक्षा ऑडिट के लिए जवाबदेह तंत्र बनाएं।
- एनजीटी के निर्देश : नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने प्रदूषक भुगतान सिद्धांत को विस्तारित करते हुए लापरवाही किए जाने पर भुगतान लागू किया है। यदि गड्ढे से पर्यावरण या जनहानि होती है, तो संबंधित विभाग पर करोड़ों का जुर्माना लगाया जा सकता है।

लापरवाही पर क्या है कानून

- बीएनएस धारा 106 (पुराना आईपीसी 304ए) : लापरवाही के कारण मृत्यु। इसमें 5 साल तक की सजा का प्रावधान है।
- बीएनएस धारा 198/199 : लोक सेवक द्वारा कानून की अवज्ञा करना।
- मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019 (धारा 198ए) : यदि सड़क के दोषपूर्ण डिजाइन या रखरखाव के कारण दुर्घटना होती है, तो संबंधित प्राधिकरण/ठेकेदार पर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

यहां करें शिकायत

- संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराएं। बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करने के लिए कहें। स्पष्ट करें कि दुर्घटना का मुख्य कारण सड़क का गड्ढा या संबंधित विभाग की लापरवाही थी। मृतक के परिवार वाले मुआवजे के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अय्यावास्का पेय के नए केंद्र बने स्पेन, पुर्तगाल

बार्सिलोना/मैड्रिड। अमेजन के घने जंगलों में तैयार होने वाला अय्यावास्का पेय अब यूरोप के आलीशान होटलों तक पहुंच गया है और खासकर स्पेन, यूरोप के उन गिने-चुने देशों में शामिल हो गया है जहां कानूनी अस्पष्टता के कारण इसके सेवन संबंधी रिट्रीट बड़े पैमाने पर आयोजित किए जा रहे हैं। यूरोप के देशों में हाल के वर्षों में अय्यावास्का पेय का सेवन एक वेलनेस प्रैक्टिस के रूप में तेजी से लोकप्रिय हुआ है। अय्यावास्का पेय दक्षिण अमेरिका के अमेज़न बेसिन में मिलने वाली औषधियों का विशेष काढ़ा है।

सूडान में ड्रोन हमले में 24 लोगों की मौत

काहिरा। मध्य सूडान में शनिवार को एक कुख्यात अर्धसैनिक समूह द्वारा विस्थापित परिवारों को ले जा रहे एक वाहन पर ड्रोन से किए गए हमले में आठ बच्चों सहित 24 लोगों की मौत हो गई। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने बताया कि रैपिड सपोर्ट फोर्सेज द्वारा किया गया यह हमला उत्तरी कोरदोफान प्रांत के राहाद शहर के पास हुआ। वाहन में विस्थापित लोग सवार थे, जो डुबेइकर क्षेत्र में जारी लड़ाई के दौरान भागकर आए थे। मृतकों में दो नवजात शिशु भी शामिल हैं। कई अन्य घायलों को राहाद में इलाज के लिए ले जाया गया।

पूर्वी नेपाल के इलम में लगे भूकंप के झटके

काठमांडू। पूर्वी नेपाल में कोशी प्रांत के इलम जिले में शनिवार को 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, शाम 6:50 बजे दर्ज किए गए भूकंप का केंद्र काठमांडू से लगभग 450 किलोमीटर पूर्व में स्थित इलम जिले के नयाबाजार क्षेत्र में था। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी प्रकार की क्षति या हताहत की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

रूस में चार भारतीय छात्रों को मारा चाकू

मॉस्को। रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य के एक विश्वविद्यालय में शनिवार को चाकू से किए गए हमले में चार भारतीय छात्रों समेत छह लोग घायल हो गए। मीडिया में आई खबरों और यहां भारतीय मिशन की तरफ से यह जानकारी दी गयी। रूस के गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रारंभिक खबरों के अनुसार, चाकू लिए एक किशोर रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य के उफा में स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुस गया, उसने वहां रहने वाले छात्रों पर हमला किया और उनमें से कई को चाकू मार दिया। हमलावर की गिरफ्तारी के दौरान दो पुलिस अधिकारियों को चाकू लग गया।

भारत विकास का भरोसेमंद साझेदार

मलेशिया में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-हाल के ट्रेड डील्स में दिखा यह भाव

- भारतीय समुदाय के स्नेह के लिए प्रधानमंत्री ने जताया आभार

कुआलालंपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को विकास के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखा जाता है और यह बात ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ समेत विभिन्न देशों के साथ हाल में हुए व्यापार समझौतों में परिलक्षित होती है। मोदी ने यहां भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय प्रवासी भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करते हैं।

विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए गए व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हुए हैं और विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है।

मोदी ने कहा कि हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं, इसका कारण हमारी भाषाओं और

प्रवासी भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में एक ही कार से पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम।

भारतीय नृत्य की प्रस्तुति देकर बनाया रिकॉर्ड

मोदी और अनवर इब्राहिम का कार्यक्रम में जबरदस्त स्वागत किया गया। कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। इन नर्तकों ने भरतनाट्यम, कथक, कथकली, कुचिपुड़ी, लावणी और ओडिसी समेत भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया। मोदी और इब्राहिम एक ही कार में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। मोदी भारत माता की जय और मोदी, मोदी के नारों के बीच मंच पर पहुंचे। यह घोषणा की गई कि भारतीय नृत्य प्रदर्शन में सबसे अधिक कलाकारों के भाग लेने के लिए इस नृत्य प्रदर्शन ने मलेशियाई रिकॉर्ड पुस्तिका में अपना नाम दर्ज करा लिया है। इब्राहिम ने कहा, भारत से एक अच्छे मित्र के मलेशिया में हमारे साथ शामिल होने से मैं उत्साहित हूं। उन्होंने दोनों देशों के बीच प्राचीन संबंधों को याद किया। इब्राहिम ने कहा कि भारत, मलेशिया के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक है।

पीएम मोदी का किया गया भव्य स्वागत

कुआलालंपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शनिवार को कुआलालंपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। मलेशिया के मानव संसाधन मंत्री रामानन रामकृष्णन और उप विदेश मंत्री लुकानिस्मान बिन अवांग सौनी ने इब्राहिम के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने पारंपरिक संगीत और नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जो दोनों देशों की साझा सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हैं। मोदी ने एक्स पर कहा, हवाई अड्डे पर मेरे मित्र, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम द्वारा किए गए हार्दिक स्वागत से मैं बहुत अभिभूत हूं। मुझे हमारी वार्ता का इंतजार है और भारत और मलेशिया के बीच दोस्ती के बंधन को और मजबूत करने की उम्मीद है। मोदी रविवार को मलेशिया के प्रधानमंत्री के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।

मलय भाषा में बड़ी संख्या में मौजूद समान शब्द ही होंगे। उन्होंने कहा, कुआलालंपुर में भारतीय प्रवासियों के स्नेह के लिए मैं आभारी हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता आ रहा है। मोदी ने कहा कि उन्हें मलेशिया में आकर बहुत खुशी हो रही है, जो 2026 में उनकी पहली विदेश यात्रा है। उन्होंने कहा कि मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और मैं उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले से ही दोस्त हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मलेशिया में रहने वाले तमिल प्रवासी विभिन्न क्षेत्रों में समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दरअसल, तमिल प्रवासी यहां कई सदियों से रह रहे हैं। इस इतिहास से प्रेरित होकर, हमने मलय विश्वविद्यालय में तिरुवल्लुवर चेयर की स्थापना की है। अब हम साझा विरासत को मजबूत करने को तिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करेंगे।

ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों पर टैरिफ लगाएगा अमेरिका

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान संबंधी एक खास कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। यह आदेश अमेरिका को उन देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की अनुमति देता है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवाएं खरीदते हैं। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह आदेश विशिष्ट टैरिफ स्तर तो निर्धारित नहीं करता है, लेकिन अधिकारियों को बदलती परिस्थितियों के आधार पर उन्हें तय करने और समायोजित करने के लिए अधिकृत करता है।

इस आदेश में यह भी कहा गया है कि अगर हालात बदलते हैं, जवाबी कार्रवाई होती है, या यदि ईरान अथवा कोई प्रभावित देश राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति एवं आर्थिक मामलों पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ तालमेल बिठाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाता है, तो राष्ट्रपति इस आदेश में संशोधन कर सकते हैं। यह आदेश विदेश मंत्री, वाणिज्य मंत्री और व्यापार प्रतिनिधि को टैरिफ प्रणाली एवं संबंधित उपायों को लागू करने के लिए नियम और दिशा-निर्देश जारी करने सहित सभी आवश्यक कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करता है। इसका उद्देश्य ईरान के ऐसे कदमों का सामना करना है, जिसमें उसकी परमाणु क्षमता हासिल करने की कोशिश, आतंकवाद का समर्थन, बैलिस्टिक मिसाइल विकास और क्षेत्रीय अस्थिरता शामिल है। व्हाइट हाउस के अनुसार, ये सभी कारक अमेरिकी सुरक्षा, उनके सहयोगियों और अमेरिकी हितों के लिए खतरा हैं। बयान में आरोप लगाते हुए कहा गया, ईरान पूरे मध्य पूर्व में प्रॉक्सी समूहों और मिलिशिया को समर्थन प्रदान करता है। इनमें वे संगठन भी शामिल हैं जो अमेरिकी सेना, क्षेत्रीय भागीदारों एवं सहयोगियों को सक्रिय रूप से निशाना बनाने में संलिप्त हैं। यह भी कहा कि ईरानी शासन द्वारा संसाधनों का कुप्रबंधन स्पष्ट है। वह अपने बुनियादी ढांचे और नागरिकों की भलाई के बजाय परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को प्राथमिकता देता है।

ट्रंप ने ईरान से बातचीत को अच्छा बताया

मस्कट। ईरान और अमेरिका ने शुक्रवार को ओमान में अप्रत्यक्ष वार्ता की। यह बातचीत तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा के तरीके को लेकर फिर शुरुआती बिंदु पर लौटती दिखी लेकिन पहली बार अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपने शीर्ष सैन्य कमांडर को भी इसमें शामिल किया। ओमान की राजधानी मस्कट में वार्ता के दौरान अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख नौसेना एडमिरल ब्रैड कूपर की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और अन्य युद्धपोत अब ईरान के तट के पास अरब सागर में तैनात हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान पर बहुत अच्छी बातचीत हुई है और अगले सप्ताह फिर वार्ता होगी। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि यदि परमाणु समझौता नहीं हुआ तो परिणाम बेहद गंभीर होंगे। ट्रंप ने शुक्रवार देर रात एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ऐसा लगता है कि ईरान यह समझौता करना चाहता है जैसा कि होना चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान पहले की वार्ताओं से ज्यादा करने को तैयार लग रहा है, हालांकि उन्होंने विस्तार से कुछ नहीं बताया।

निजी उपग्रह ने अंतरिक्ष से ली आईएसएस की तस्वीर

चेन्नई। भारत में निर्मित निजी उपग्रह एएफआर ने कक्षा में रहते हुए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की तस्वीर खींचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अज़िस्ता स्पेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि करीब 80 किलोग्राम वजनी एएफआर उपग्रह को वर्ष 2023 में प्रक्षेपित किया गया था। इसने लगभग 250 से 300 किलोमीटर की दूरी से सूर्य के प्रकाश में आईएसएस की तस्वीरें लीं। उपग्रह के सेंसर को अत्यंत सटीकता के साथ आईएसएस को ट्रैक करने के लिए निर्देशित किया गया था, जिससे पांच अलग-अलग फ्रेम में उसकी तस्वीरें कैद की गईं। यह प्रयास दो स्वतंत्र चरणों में किया गया और दोनों में 100 प्रतिशत सफलता मिली। इस प्रक्रिया से प्राप्त तस्वीरों में लगभग 2.2 मीटर सैंपलिंग रेजोल्यूशन हासिल हुआ, जिससे ट्रैकिंग एल्गोरिदम और इमेजिंग सटीकता का सफल सत्यापन हुआ। एएफआर ऐसा कारनामा करने वाला भारत में निर्मित और संचालित एकमात्र उपग्रह है। एएफआर पहले से ही इमेजरी और रिमोट सेंसिंग के जरिए कई ग्राहकों को सेवाएं दे रहा है।

- सूर्य के प्रकाश में फोटो ले हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि

मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय तेल तस्करी गिरोह का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल ने एक सुनियोजित समुद्री-हवाई समन्वित अभियान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय तेल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि दो दिनी इस अभियान से संघर्षरत क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले भारी मात्रा में तेल और तेल-आधारित कार्गो के अवैध कारोबार में शामिल एक जटिल नेटवर्क ध्वस्त हुआ है। गुरुवार को मुंबई से लगभग 100 समुद्री मील पश्चिम में तटरक्षक बल के जहाजों ने तीन संदिग्ध जहाजों को रोका। टीमों ने जहाजों की तलाशी, बरामद इलेक्ट्रॉनिक डेटा की पुष्टि, दस्तावेजों का सत्यापन और चालक दल से पूछताछ के द्वारा पूरी जानकारी जुटाने और आपराधिक कार्यप्रणाली की पुष्टि कर पाई।

सूरजकुंड मेले में झूला टूटा इंस्पेक्टर की मौत, 11 घायल

फरीदाबाद। सूरजकुंड मेले में शनिवार को बिजली से चलने वाला एक बड़ा झूला टूट कर गिरने से ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस निरीक्षक की मौत हो गई और 11 अन्य लोग घायल हो गए। वहीं, इस घटना से लगभग एक घंटे पहले मेला स्थल पर एक अन्य घटना में एक दरवाजा गिरने से बच्चे समेत दो लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, शाम करीब छह बजे करीब 19 लोग झूले पर सवार थे, तभी झूला एक तरफ झुक कर जमीन पर गिर गया। सूचना मिलते ही जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा और पर्यटन विभाग के प्रबंध निदेशक पार्थ गुप्ता घटनास्थल पर पहुंचे। उपायुक्त सिन्हा ने बताया कि घायलों के इलाज के लिए तुरंत व्यवस्था की गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मृत अधिकारी की पहचान पलवल पुलिस के निरीक्षक जगदीश प्रसाद के रूप में की गई है, जो मेला ड्यूटी पर थे और पुलिस लाइन, पलवल में तैनात थे। प्रसाद मूल रूप से मथुरा के रहने वाले थे और मार्च में सेवानिवृत्त होने वाले थे। पुलिस ने बताया कि झूला बहुत तेज गति से ऊपर-नीचे हो रहा था, तभी अचानक उसका एक सिरा टूट गया।

- मेले में ड्यूटी पर तैनात थे मथुरा के रहने वाले पुलिस निरीक्षक

यूक्रेन-रूस समझौते को जून तक दी समय सीमा

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका ने यूक्रेन और रूस को लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए समझौते पर पहुंचने के वास्ते जून की समय सीमा दी है। जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि यदि जून की समयसीमा पूरी नहीं होती है, तो ट्रंप प्रशासन संभवतः दोनों पक्षों पर इसे पूरा करने के लिए दबाव बनाएगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी पक्ष इस गर्मी की शुरुआत तक युद्ध समाप्त करने का प्रस्ताव दे रहा है और संभवतः इसी कार्यक्रम के अनुसार सभी पक्षों पर दबाव डालेगा। जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप कहते हैं कि वे जून तक सबकुछ ककरना चाहते हैं। वे युद्ध समाप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। वे सभी घटनाओं का एक स्पष्ट विवरण चाहते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका ने अगले सप्ताह त्रिपक्षीय वार्ता का अगला दौर पहली बार अपने देश में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है, जो संभवतः मियामी में होगा। उन्होंने कहा कि हमने अपनी भागीदारी की पुष्टि की। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने अमेरिका को 12 हजार अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक प्रस्ताव पेश किया है, जिसे उन्होंने रूसी दूत किरिल दिमित्रीव के नाम पर दिमित्रीव पैकेज नाम दिया है।

- अमेरिका ने युद्ध की समाप्ति के लिए बनाया दबाव

भारतीय छात्र ने लंदन में शुरू की थॉमस टूर सेवा

लंदन। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) से हाल ही में मैक्रो-इकोनॉमिक्स में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल करने वाले केरल के एक छात्र ने रोजी-रोटी कमाने और ब्रिटेन में नौकरी की तलाश में जुटे स्नातकों का मनोबल बढ़ाने के लिए थॉमस टूर्स नाम की अनूठी टूर गाइड सेवा शुरू की है। तिरुवल्ला के मल्लापल्ली गांव के जेम थॉमस मैथ्यू (23) ने अपने दादा के नाम पर थॉमस टूर सेवा शुरू की है, जो उन्हीं की तरह नौकरी की तलाश में जुटे युवाओं को अंशकालिक आधार पर रोजगार हासिल करने का मौका देती है। थॉमस टूर के तहत जेम ने ऐसे यात्रा पैकेज तैयार किए हैं, जो आगंतुकों को कम खर्च में लंदन के विभिन्न स्थलों का दौरा करने का अवसर प्रदान करेंगे।

आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 8 फरवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 9 फरवरी 05.01 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

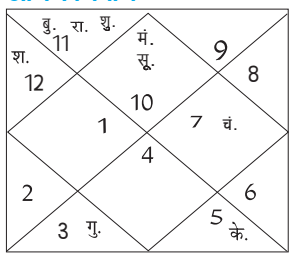

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर। **चन्द्रबल**- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। **नक्षत्र**-स्वाती 9 फरवरी 05.02 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष आज आप कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे। प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। आपके सामाजिक संपर्क में वृद्धि होगी। तनाव के बावजूद कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा।

वृष आज आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं। एक साथ अनेक काम संभालने पड़ेंगे। विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है।

मिथुन आज अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें। मित्रों को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध और भी घनिष्ठ और मधुर होंगे। मित्रों के भरोसे अपने महत्वपूर्ण काम न छोड़ें।

कर्क आज अपशब्दों का बिल्कुल प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं। दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे वो आपको काफी परेशान कर सकते हैं।

सिंह आज दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यवसाय में सहयोगियों का साथ मिलेगा। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कन्या आज आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। अपनी जिम्मेदारियों को निभा सकते हैं। महिलाओं को अपमानजनक परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला आज पुराने रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। पिता के साथ चर्चा व उनका आशीर्वाद लेना उत्तम सिद्ध होगा।

वृश्चिक आज महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा। आपके ऊपर कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है।

धनु आज आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके खर्चों में कमी आएगी। व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। विवादित मामलों में विजय हो सकती है। प्रेम संबंधों को लेकर परेशानी होगी।

मकर आज रुचिपूर्ण कार्य करने के अवसर मिलेंगे। सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी दोस्ती बढ़ सकती है।

कुंभ आज बिजनेस पार्टनरशिप को लेकर विचार कर सकते हैं। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ाएं। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय ज्यादा खर्च करेंगे।

मीन आज आप कोई नया काम शुरू करने से बचें। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं।

सुडोकू-55

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					4			5
2	9			6		3		
	3				7			
		5					7	
1		2				4		3
	6					8	9	
		9		4				
8		1					3	4
7			2					

सुडोकू - 54 का हल

5	1	4	9	7	2	6	8	3
3	7	2	4	8	6	1	5	9
9	8	6	5	3	1	2	7	4
1	9	5	3	2	8	4	6	7
7	2	3	1	6	4	8	9	5
6	4	8	7	9	5	3	2	1
2	5	9	8	1	3	7	4	6
4	6	1	2	5	7	9	3	8
8	3	7	6	4	9	5	1	2

चैंपियंस! इस युवा ग्रुप और उनके निडर क्रिकेट पर बहुत गर्व है। कोच और सपोर्ट स्टाफ समेत पूरी टीम को शाबाशी। इस पल का आनंद लें! जब आपके पास एक सूर्यवंशी हो, तो एक टाइमलेस ब्लॉकबस्टर की उम्मीद होती है! शाबाश, वैभव!
–सचिन तेंदुलकर

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 8 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
अफगानिस्तान–न्यूजीलैंड	सुबह 11 बजे
इंग्लैंड–नेपाल	दोपहर 3 बजे
श्रीलंका–आयरलैंड	शाम 7 बजे

हाईलाइट

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर और आईसीसी के चेयरमैन जयशाह। एजेंसी

अमेरिकी राजदूत रहे स्टेडियम में मौजूद

मुंबई। भारत के अमेरिका के राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर शनिवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में भारत और अमेरिका के बीच टी20 विश्व कप मुकाबले के दौरान मौजूद रहे। गोर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह के साथ मुकाबले से पहले आयोजित शानदार उद्घाटन समारोह और आतिशबाजी का लुत्फ उठाया। इस मौके पर भारत के पूर्व कप्तान और इस टी20 विश्व कप के इस सत्र के ब्रांड दूत रोहित शर्मा भी मौजूद थे। गोर ने इससे पहले 'एक्स' पर लिखा टी20 विश्व कप मैच के लिए मुंबई पहुंचा हूं। अमेरिका की टीम के लिए बड़ा दिन। अमेरिका की टीम को शुभकामनाएं।

अधिक टीमों का खेलना अच्छा है : राशिद

चेन्नई। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टी20 विश्व कप के मौजूदा चरण से 20 टीम के विस्तार का स्वागत करते हुए शनिवार को कहा कि इससे और अधिक देशों के खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है। आईसीसी टी20 विश्व कप का 2026 चरण टीम की संख्या के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर राशिद ने कहा विश्व कप में ज्यादा टीम का होना हमेशा अच्छा है। इससे कई देश इसमें शामिल होगें और आपको बहुत नयी प्रतिभाएं देखने को मिलेंगी। अलग-अलग टीमें आती हैं। मुझे लगता है कि इसी तरह विश्व कप और बड़ा बनता जाता है।

इलावेनिल को एयर राइफल में स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। ओलंपियन इलावेनिल वलारिवन ने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए जापान की मिसाकी नोबाटा की कड़ी चुनौती को पछाड़कर शनिवार को यहां एशियन चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में मेघना सज्जनर ने कांस्य पदक हासिल किया। इलावेनिल, आर्या बोर्से और मेघना सज्जनर की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर कर्णी सिंह परिसर में भारत की महिला राइफल निशानेबाजों के लिए दिन को यादगार बना दिया।

भारत का टी-20 विश्व कप में विजयी आगाज, अमेरिका को 29 रनों से धोया

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खेली शानदार पारी, मोहम्मद सिराज ने चटकाए तीन विकेट

मुंबई, एजेंसी

गत चैंपियन भारत ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की दबाव में खेली गई 84 रन की नाबाद पारी के बाद मोहम्मद सिराज (29 रन देकर तीन विकेट) की अगुआई में अनुशासित गेंदबाजी से शनिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के शुरूआती मैच में अमेरिका को 29 रन से हराकर अभियान शुरू किया।

भारतीय टीम अब ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी। खिताब के प्रबल दावेदार भारत के लिए सूर्यकुमार अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में दबाव भरी परिस्थिति में संभलकर खेलते हुए अंत तक डटे रहे। उन्होंने 49 गेंद की नाबाद पारी में 10 चौके और चार छक्के जड़े। इससे शीर्ष और मध्यक्रम में सामूहिक बल्लेबाजी नाकामी के बावजूद भारत नौ विकेट पर 161 रन बनाने में कामयाब रहा क्योंकि विकेटों के गिरने से एक समय ऐसा लग रहा था कि पारी बहुत जल्दी खत्म हो जाएगी। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। उसके लिए संजय कृष्णमूर्ति और शुभम रंजने ने 37-37 रन तथा मिलिंद कुमार ने 34 रन बनाए।

भारत के नई गेंद के गेंदबाज अर्शदीप सिंह (18 रन देकर दो विकेट) और सिराज ने अच्छी शुरुआत की जिससे अमेरिका की टीम 10 ओवर में तीन विकेट पर 49 रन ही बना सकी। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अस्वस्थ होने के कारण सिराज को अंतिम एकादश में शामिल किया गया, वह दोनों गेंदबाजों में सबसे ज्यादा खतरनाक थे।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सूर्यकुमार के अलावा मेजबान टीम के केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके जिसमें तिलक वर्मा ने 25 रन और ईशान किशन ने 20 रन का योगदान दिया। 13वें ओवर में भारत का स्कोर छह विकेट पर 77 रन हो गया था और टीम बुरी तरह लड़खड़ा गई थी लेकिन सूर्यकुमार ने अकेले दम पर पारी को संभाला। दक्षिण अफ्रीका में जन्में शैडली वान शाल्कविक ने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट झटके। सूर्यकुमार को छोड़कर भारत का मशहूर बल्लेबाजी लाइन-अप पूरी तरह नाकाम रहा और एक समय टीम बहुत कम स्कोर पर सिमटने की ओर बढ़ती दिख रही थी। संकेत शुरुआत में ही मिल गया था जब भारत पहली चार गेंद पर कोई रन नहीं बना सका।

अमेरिकी गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का बिल्कुल भी मौका नहीं दिया। ईशान ने पांचवीं गेंद पर छक्का जड़कर खाता खोला, लेकिन दूसरे ओवर में अभिषेक शर्मा के पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट होने से भारत को पहला झटका लगा। अमेरिकी कप्तान मोनांक पटेल की बेहद सटीक तरीके से क्षेत्ररक्षकों के सजाया हुआ था।

जीत दर्ज करने के बाद साथियों के साथ जश्न मनाते भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

भारत

161/9 (20 ओवर)

ईशान किशन का मिलिंद बो वान	20
अभिषेक का कृष्णमूर्ति बो अली	00
तिलक वर्मा का पटेल बो वान	25
सूर्यकुमार यादव नाबाद	84
शिवम दुबे का नेत्रवलकर बो वान	00
रिंकू सिंह का मिलिंद बो मोहसिन	06
हार्दिक का साईतेजा बो हरमीत	05
अक्षर का मोहसिन बो हरमीत	14
अर्शदीप सिह का मिलिंद बो वान	04
वरुण चक्रवर्ती रन आउट	00

गेंदबाजी : सौरभ नेत्रवलकर 4-0-65-0, अली खान 2-0-13-1, शैडली वान शाल्कविक 4-0-25-4, मोहम्मद मोहसिन 4-0-16-1, शुभम रंजने 2-0-16-0, हरमीत सिंह 4-0-26-2

अमेरिका

132/8 (20 ओवर)

एंड्रीस गॉस का तिलक बो सिराज	06
मुक्तमल्ला का वरुण बो सिराज	02
मोनांक पटेल का दुबे बो अर्शदीप	00
मिलिंद स्ट ईशान किशन बो वरुण	34
संजय कृष्णमूर्ति का रिंकू बो अक्षर	37
शुभम रंजने पगबाधा बो सिराज	37
हरमीत सिंह का सिराज बो अक्षर	00
मोहसिन का तिलक बो अर्शदीप	08
शैडली वान शाल्कविक नाबाद	02

गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 4-0-18-2, मोहम्मद सिराज 4-0-29-3, वरुण चक्रवर्ती 4-0-24-1, अक्षर पटेल 4-0-24-2, हार्दिक 4-0-34-0

युवा ब्रिगेड के हर सदस्य ने बखूबी निभाई अपनी भूमिका

मुंबई, एजेंसी

अंडर 19 विश्व कप

- **सूर्यवंशी की आक्रामकता, म्हात्रे की दृढ़ता और जॉर्ज के हौसले से टीम ने रचा इतिहास**

क्रिकेट के दीवाने देश के नूरे नजर बने वैभव सूर्यवंशी ने अपना सर्वश्रेष्ठ फाइनल के लिये बचा रखा था जबकि कप्तान आयुष म्हात्रे जरूरत के समय संकटमोचक साबित हुए और उनकी युवा ब्रिगेड के हर सदस्य ने अपनी भूमिका बखूबी निभाते हुए इंग्लैंड को सौ रन से हराकर भारत को छठी बार अंडर 19 विश्व कप दिलाया।

आईपीएल में अपनी प्रतिभा की बानगी पहले ही दे चुके चौदह वर्ष के सूर्यवंशी में भारत के महान खिलाड़ियों की लीग में शामिल होने का माद्दा है। मुंबई के एक और बल्लेबाज ने दृढता और आत्मविश्वास की नई कहानी लिखी और वह है कप्तान म्हात्रे जिन्होंने खराब फॉर्म को अलविदा कहकर नॉकआउट में अहम भूमिका निभाई।

वैभव सूर्यवंशी : फाइनल में 80 गेंद में 15 चौकों और 15 छक्कों के साथ 175 रन बनाने वाले सूर्यवंशी की सफलता ने भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन ढांचे का भी परिचय दिया है जो युवा प्रतिभाओं को तलाशता और तराशता है। पिछले साल आईपीएल में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बिहार के समस्तीपुर के इस 14 वर्षीय युवक का नाम आज फिर पूरे भारत की जबां पर है।

आयुष म्हात्रे : सेमीफाइनल से पहले छह मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक लगा सके मुंबई के इस खिलाड़ी की आलोचना होने लगी थी। पाकिस्तान के खिलाफ खाता नहीं खोल सके लेकिन 21 रन देकर तीन विकेट लिये और भारत की जीत के सूत्रधार बने।।

वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

बीसीसीआई ने दिए 7.5 करोड़ रुपये

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर-19 विश्वकप 2026 का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के लिए साढ़े सात करोड़ रुपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने छठी बार अंडर-19 विश्वकप का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ और जूनियर क्रिकेट कमेटी के लिए साढ़े सात करोड़ रूपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की।

आरोन जॉर्ज : हैदराबाद के लिए खेलने वाले केरल के आरोन जॉर्ज को उनकी प्रवाहमय पारियों के लिए जाना जाता है। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 300 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने 115 रन बनाए।

शेफर्ड की हैट्रिक से वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को परास्त किया

कोलकाता, एजेंसी

शिमरोन हेटमायर की तूफानी अर्धशतकीय पारी और रोमारियो शेफर्ड की हैट्रिक सहित पांच विकेट से वेस्टइंडीज ने शनिवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप सी मैच में स्कॉटलैंड को 35 रन से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज ने हेटमायर के 36 गेंद में 64 रन की आक्रामक पारी के दम पर पांच विकेट पर 182 रन बनाने के बाद स्कॉटलैंड को 18.5 ओवर में 147 रन पर आउट कर दिया।

शेफर्ड ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए तीन ओवर में 20 रन देकर इस प्रारूप में पहली बार पांच विकेट झटके। उन्होंने इस दौरान पांच गेंद के अंदर चार विकेट लिये जिसमें मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन के विकेटों के साथ हैट्रिक पूरी की। यह शेफर्ड की चार महीने में दूसरी टी20 अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक है। उन्होंने इससे पहले अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली थी। बांग्लादेश के हटने के बाद स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में भाग लेने की जानकारी केवल दो सप्ताह पहले मिली थी। उसकी गेंदबाजी अनुशासित दिखी लेकिन लक्ष्य का पीछा करते समय उनकी तैयारी की कमी साफ नजर आयी।

वेस्टइंडीज ने इसके साथ ही 2022-23 में इस टीम से मिली हार का बदला भी चुकता किया। टीम को कुछ दिनों पहले नेपाल से भी हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में टी20 में यह वेस्टइंडीज की एसोसिएट देश पर पहली जीत है। स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंग्टन ने 24 गेंदों में 42 रन की तेज पारी खेली, जबकि टॉम ब्रूस ने 28 गेंदों में 35 रन बनाए। इन दोनों की चौथे विकेट के लिए 47 गेंद में 78 रन की साझेदारी टूटने के बाद लगातार विकेट गिरने के कारण टीम काफी पीछे रह गयी।

जेसन होल्डर बेरिंगटन को धीमी गेंद पर आउट कर 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने वाले वेस्टइंडीज के पहले गेंदबाज बने। हेटमायर ने भी शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए कवर पर जॉर्ज मन्सी एक हाथ से कैच लपका।

पांच विकेट का जश्न मनाते वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड (बीच में)। एजेंसी

आईसीसी ने पाकिस्तानी बोर्ड से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान से यह स्पष्ट करने को कहा है कि भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच खेलने से इनकार को सही ठहराने के लिए 'फोर्स मेज्योर (अप्रत्याशित या नियंत्रण से बाहर की स्थिति)' प्रावधान कैसे लागू किया जा सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस मामले में सरकार पर जिम्मेदारी डालते हुए खुद को स्थिति से अलग करने की कोशिश की थी।

पीसीबी ने हालांकि आईसीसी से बातचीत शुरू कर दी है जिससे अब उम्मीद की एक किरण नजर आ रही है। आईसीसी के एक निदेशक ने उम्मीद जताई कि 15 फरवरी को होने वाला यह महत्वपूर्ण मुकाबला होगा। उन्होंने कहा बातचीत शुरू हो गई है। आईसीसी ने पीसीबी से पूछा है जब टीम सरकार के निर्देशों के तहत पूरे टूर्नामेंट में बाकी मैच खेलने को तैयार है, तो सिर्फ एक मुकाबले से हटने का फैसला कैसे जायज ठहराया जा सकता है। पीसीबी ने कुछ दिन पहले आईसीसी को 'फोर्स मेज्योर' प्रावधान लागू करने की मांग की थी।

अशरफ की पारी से पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स को तीन विकेट से हराया

कोलंबो, एजेंसी

- **148 रनों के लक्ष्य को अंतिम ओवर में हासिल किया**

निचले क्रम के बल्लेबाज फहीम अशरफ के 11 गेंद में 29 रन की मदद से पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में शनिवार को नीदरलैंड को तीन विकेट से हराया। जीत के लिए 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान का स्कोर दस ओवर के बाद दो विकेट पर 90 रन था लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाए। एक समय 16.1 ओवर में सात विकेट पर स्कोर 114 रन था और उसे जीत के लिये 34 रन की जरूरत थी। आखिरी दो ओवर में पाकिस्तान को 29 रन चाहिए थे। अशरफ ने लोगान वान बीक की गेंद पर तीन छक्के और एक चौका लगाया और आखिरी ओवर में चौका जड़कर मैच तीन गेंद बाकी रहते पाकिस्तान के नाम किया।

इससे पहले ओडाउड ने अशरफ का कैच 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर छोड़ा था जब वह सात रन पर थे। नीदरलैंड को इस कैच के छूटने की भारी कीमत चुकानी पड़ी। टी20 विश्व कप से पहले मैदान के बाहर की सुर्खियों ने पाकिस्तान की तैयारी को प्रभावित किया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाला मैच नहीं खेलने का फैसला किया है। पाकिस्तान के लिये साहिबजादा फरहान ने 31 गेंद में सर्वाधिक 47 रन बनाये जबकि सलामी बल्लेबाज सईम अयूब ने 13 गेंद में 24 रन का योगदान दिया। बाबर आजम 18 गेंद में 15 रन ही बना सके। पॉल वान मीकेरेन ने 12वें ओवर में फरहान और उस्मान खान (0) को आउट किया और 13वें ओवर में बाबर भी चले गए। पाकिस्तान का स्कोर इस समय पांच विकेट पर 100 रन था। आखिरी पांच ओवर में पाकिस्तान को 37 रन चाहिये थे लेकिन अनुभवी काइल क्लेन ने 16वें ओवर में मोहम्मद नवाज (छह) को पवेलियन भेजा। आखिरी चार ओवर में पाकिस्तान को 34 रन की जरूरत थी जब शादाब खान भी अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद अशरफ ने टीम को संकट से निकाला। इससे पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई नीदरलैंड टीम ने छठे ओवर में 14 रन निकालकर पावरप्ले के छह ओवरों में दो विकेट पर 50 रन बना लिये थे लेकिन आखिर में पूरी टीम 19.5 ओवर में 147 रन पर आउट हो गई।

शॉट लगाते फहीम अशरफ। एजेंसी

न्यूजीलैंड को अफगानिस्तान के खिलाफ करना होगा बेहतर प्रदर्शन

चेन्नई, एजेंसी

उलटफेर करने में माहिर अफगानिस्तान जैसी खतरनाक टीम के खिलाफ न्यूजीलैंड को टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के पहले मैच में रविवार को खेल के हर विभाग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। विश्व कप से पहले इस प्रारूप में न्यूजीलैंड का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है और भारत ने उसे सीरीज में 4.1 से हराया।

टिम सीफर्ट और फिन एलेन के आने से शीर्षक्रम मजबूत लग रहा है लेकिन रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेवोन कोंवे को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत के खिलाफ मध्यक्रम की नाकामी न्यूजीलैंड को बहुत खली है। ऐसे में कोई कोताही महंगी पड़ सकती है क्योंकि इस ग्रुप में दक्षिण अफ्रीका भी है। न्यूजीलैंड को अपने गेंदबाजों के भी फॉर्म में लौटने की उम्मीद होगी जो भारत के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए थे। लॉकी फर्ग्युसन ने भारत के खिलाफ एक ही मैच खेला लेकिन उनकी गेंदों में अतिरिक्त रफ्तार और विविधता देखी गई। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ अहम भूमिका निभानी होगी जबकि मिचेल सेंटनेर और लेग स्पिनर ईश सोढी उनका साथ देंगे।

इंग्लैंड का सामना नेपाल से

मुंबई। दो बार की चैम्पियन इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को उम्मीद है कि टी20 विश्व कप के पहले मैच में रविवार को उनकी टीम जब नेपाल से खेलेगी तो फोकस वेलिंगटन क्लब में हुई घटना की बजाय मैदान में प्रदर्शन पर रहेगा। टी20 प्रारूप में दमदार टीमों में से एक इंग्लैंड की कमान ब्रूक के हाथ में है लेकिन एशेज दौरे से पहले रात को नाइटक्लब में एक बाउंसर से हुई उनकी झड़प को लेकर लगातार वह सुर्खियों में रहे हैं। कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में उनसे उस घटना से जुड़ा सवाल पूछा गया और हरफनमौला विल जैक्स को भी उन सवालों का जवाब देना पड़ा। जैक्स ने कहा मैं उस समय न्यूजीलैंड में नहीं था तो मुझे जानकारी नहीं है।

खराब फॉर्म से जूझ रहे श्रीलंका का सामना आयरलैंड से

कोलंबो। खराब दौर से गुजर रही श्रीलंकाई टीम टी20 विश्व कप ग्रुप बी के अपने पहले मैच में रविवार को आयरलैंड से खेलेगी तो पिछली निराशाओं को भुलाकर अपने घरेलू दर्शकों को मुस्कुराने का मौका देने का इरादा होगा।भारत के साथ टूर्नामेंट की सह मेजबान श्रीलंका की तैयारी अच्छी नहीं रही है। उसे घरेलू टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड ने 3-0 से हराया। अब श्रीलंका उन गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगा। श्रीलंका की समस्या प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रही है। इंग्लैंड के खिलाफ दबाव के हालात में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों नहीं चल सके।बारह साल पहले टी20 विश्व कप जीत चुकी श्रीलंका को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा और कागजों पर उसकी टीम मजबूत भी दिख रही है। श्रीलंका को पेचीदा ग्रुप मिला है जिसमें आस्ट्रेलिया भी है।

डेविस कप क्वालीफायर | **नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबला 1-1 से बराबर रहा**

दक्षिणेश्वर के प्रदर्शन से भारत ने की वापसी

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत की डेविस कप टीम में अहम खिलाड़ी के रूप में तेजी से उभर रहे दक्षिणेश्वर सुरेश ने शनिवार को यहां क्वालीफायर राउंड एक के मुकाबले में नीदरलैंड के शीर्ष खिलाड़ी जेस्पर डी जोंग को शिकस्त दी। सुमित नागल की दिन के पहले एकल मुकाबले में हार के बाद दक्षिणेश्वर की 6-4, 7-5 से मिली जीत से भारत शुरुआती दिन मुकाबला 1-1 से बराबर करने में सफल रहा।

विश्व रैंकिंग में 465वें स्थान पर काबिज दक्षिणेश्वर ने विश्व नंबर 88 डी जोंग के खिलाफ जोरदार जीत हासिल डेविस कन में भरोसेमंद खिलाड़ी के तौर पर अपनी साख मजबूत की। उन्होंने पिछले साल स्विट्जरलैंड्स के खिलाफ उच्च रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ भी जीत दर्ज की थी।

दक्षिणेश्वर सुरेश और सुमित नागल। एजेंसी

नागल के दो घंटे 28 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में गाए डे ओडेन से 0-6, 6-4, 3-6 से हारने के बाद भारत 0-1 से पिछड़ गया था।

भारत को टूर्नामेंट में बनाए रखने का दबाव दक्षिणेश्वर पर था, और उन्होंने डी जोंग के खिलाफ संयमित प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में जोरदार सर्विस की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने देर से मिले मौके का फायदा उठाते हुए बढ़त बना ली। दक्षिणेश्वर ने दूसरे सेट में भी ऐसा ही संयम दिखाया, शुरुआत में ही एक ब्रेक प्वाइंट बचाया और निर्णायक क्षण में डी जोंग की लड़खड़ाती सर्विस का फायदा उठाकर सेट अपने नाम कर लिया। इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच बहुत कम अंतर था, दोनों खिलाड़ियों ने जोरदार सर्विस की और लंबी रैलियों से परहेज किया।

नागल ने छूटे मौकों पर अफसोस जताया

बेंगलुरु। सुमित नागल ने स्वीकार किया कि निर्णायक सेट में कुछ महत्वपूर्ण गेम गंवाना उनके लिए महंगा साबित हुआ जिससे वह डेविस कप क्वालीफायर के पहले दौर के एकल मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ हार गए। नागल ने हालांकि कहा कि यह हार उनके लिए एक सीखने का अनुभव था क्योंकि वह चोट से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। गाए डे ओडेन के खिलाफ पहला सेट 0-6 से हराने के बाद नागल ने दूसरे सेट में वापसी की लेकिन तीसरे सेट में अहम मौकों को भुनाने में नाकाम रहे। उन्होंने कहा मैं तीसरे सेट से थोड़ा निराश हूं, खासकर 1-0 और फिर 4-3 के आसपास के गेम से। मुझे लगता है कि वही दो गेम मैच का फैसला कर गए।